THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

200-250 सीटों पर अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना, राज ठाकरे ने किया एलान

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने एलान किया कि उनकी पार्टी 200-250 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने मौजूदा महायुति गठबंधन सरकार पर योजनाओं के बजट में कटौती करने का आरोप लगाया। बता दें कि 2019 के विस चुनाव में मनसे ने केवल एक सीट जीती थी। जबकि लोकसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन किया था।

वर्ष-29 अंक : 124 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रवण कृ.6 2081 शुक्रवार, 26 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

2.91 लाख करोड़ का बजट पेश

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के हो रहे कई उपाय : वित्त मंत्री

> 2,20,945 करोड़ रुपये राजस्व व्यय > 33,487 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय प्रस्तावित

> 29,816 करोड़ का आवंटन पंचायती राज और ग्रामीण विकास के लिए

> 22,301 करोड़ रुपये सिंचाई के लिए आवंटित

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,91,159 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अपना पहला पूर्ण बजट पेश किया। यह इस साल फरवरी में सरकार द्वारा पेश किए गए 2.76 लाख करोड़ रुपये के 'वोट ऑन अकाउंट' बजट से लगभग 15,000 करोड़ रुपये अधिक है और पिछली बीआरएस सरकार द्वारा 2023-24 के लिए पेश किए गए 2.9 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक है। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे विधानसभा में राज्य का बजट पेश किया। बजट के अनुसार, राजस्व व्यय 2,20,945 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 33,487 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। बजट भाषण में वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य गठन के बाद से 2014-15 में राज्य का ऋण 75,577 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 के अंत तक बढ़कर 6.71 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजकोषीय विवेक बनाए रखने और अधिकांश ऋणों का भुगतान करके अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सभी उपाय कर रही है। 21,292 करोड़ रुपये शिक्षा के लिए बजट आवंटन में राज्य सरकार ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 72,659 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, इसके बाद पंचायती राज और ग्रामीण विकास के लिए 29,816 करोड़ रुपये और सिंचाई के लिए 22,301 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। शिक्षा के लिए करीब 21,292 करोड़ रुपये और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के लिए 11,468 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं।

बजट में बहुचर्चित अभय हस्तम (छह गारंटियां) के लिए कोई समग्र आवंटन नहीं किया गया, सिवाय गृह ज्योति योजना के लिए 2,418 करोड़ रुपये और सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर योजना के लिए 723 करोड़ रुपये के।

क्षेत्रीय रिंग रोड के लिए 1,525 करोड़ रुपये आवंटित

राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए क्षेत्रीय रिंग रोड के लिए 1,525 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जबकि उत्तरी भाग के लिए कुल व्यय 13,522 करोड़ रुपये और दक्षिणी भाग के लिए 12,980 करोड़ रुपये है। जीएचएमसी, हाइड्रा, एचएमडीए, एचएमडब्ल्यूएसएसबी और अन्य सहित हैदराबाद के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट में अनुसूचित जाति उपयोजना विकास निधि के लिए 33,124 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजाति उपयोजना विकास निधि के लिए 17,056 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। बिजली पारेषण और वितरण कंपनियों के लिए कुल 16,410 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं। राज्य बजट में उद्योगों के लिए 2,762 करोड़ रुपये और सूचना एवं प्रौद्योगिकी के लिए 774 करोड़ रुपये का नाममात्र आवंटन किया गया है।

शराब घोटाला : केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और के. कविता को राहत नहीं

> कोर्ट ने तीनों की बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब आठ अगस्त को सुनवाई होगी। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।

सीएम केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और के. कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। इससे पहले 12 जुलाई को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों के सिलसिले में पेश हुए थे। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 जुलाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

किसान, गरीब विरोधी है राज्य बजट : केसीआर

❊ दूरदर्शिता से रहित है बजट ❊ कई मामलों में तेलंगाना के लोगों को दिया धोखा

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्ष के नेता और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस सरकार द्वारा पेश किए गए पहले राज्य बजट को किसान विरोधी, गरीब विरोधी और दूरदर्शिता से रहित बताया। उन्होंने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में विभिन्न वर्गों, खासकर किसानों और निम्न वर्ग की जरूरतों के प्रति सरकार की उदासीनता झलकती है। विपक्ष के नेता बनने के बाद गुरुवार को पहली बार विधानसभा सत्र में शामिल हुए चंद्रशेखर राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कई मामलों में तेलंगाना के लोगों को धोखा दिया है, किसी भी पहलू पर कोई स्पष्ट नीति निर्माण नहीं किया है। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में सार की कमी है और यह एक अच्छी तरह से संरचित वित्तीय योजना के बजाय 'कहानी सुनाने' जैसा लगता है।

उन्होंने पूछा, 'कृषि नीति, औद्योगिक नीति, आईटी नीति या गरीबों के लिए नीति क्या है? इस बजट में कोई स्पष्टता नहीं है। यह बजट भाषण से ज़्यादा एक मंच भाषण जैसा लगता है।' राज्य बजट पेश करने के बाद विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर बोलते हुए चंद्रशेखर राव ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने सभी वर्गों के आर्थिक विकास और कल्याण के उद्देश्य से कई योजनाएं लागू की थीं। हालांकि, कांग्रेस सरकार ने यादव, दलित और मछुआरा समुदायों से मुंह मोड़ लिया है और ऐसा लगता है कि पिछली बीआरएस सरकार ने उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई योजनाओं को बंद कर दिया है। महिलाओं की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 लाख करोड़ रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण का वादा नया नहीं था और मौजूदा बजट में अभिनव योजनाओं का अभाव है। कांग्रेस सरकार के पास 7 महीने के शासन के बाद भी कृषि, उद्योग, आईटी और गरीबों के कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कोई स्पष्ट नीति नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह बजट बिना किसी ठोस नीति निर्माण के अस्पष्ट वादों के संग्रह से अधिक कुछ नहीं है।' बीआरएस सुप्रीमो ने किसानों के लिए समर्थन की कमी पर चिंता व्यक्त की, बजट में रैतु भरोसा जैसी योजनाओं की अनुपस्थिति का उल्लेख किया।

हाईकोर्ट से जमानत न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे बिभव

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट और बदसलूकी मामले में आरोपी बिभव कुमार फिलहाल जेल में बंद हैं। केजरीवाल के निजी सहायक कुमार ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल, हाईकोर्ट ने 12 जुलाई को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि उनका 'काफी प्रभाव' है और उन्हें राहत देने का कोई आधार नहीं बनता।

राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदला

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर गुरुवार को 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' किया गया। ये हॉल विभिन्न औचारिक समारोहों के आयोजन स्थल हैं। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में जानकारी दी गई।

राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति कार्यालय और निवास राष्ट्र के प्रतीक हैं और जनता की एक अमूल्य विरासत हैं। बयान में कहा गया, इन्हें जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृति मूल्यों और लोकाचार के अनुरूप बनाने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी क्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो प्रतिष्ठित हॉल 'दरबार हॉल' का नाम बदलकर 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर 'अशोक मंडप' किया है। बयान में आगे कहा गया, दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का स्थल है। दरबार शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों की अदालतों और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है।

गणतंत्र मंडप की अवधारणा प्राचीन काल से भारतीय समाज में गहराई से निहित है, जिस वजह से आयोजन स्थल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप किया गया है। इसमें आगे कहा गया, अशोक शब्द का अर्थ एक ऐसे व्यक्ति से है, जो सभी प्रकार दुखों से मुक्त है। इसके अलावा अशोक का तात्पर्य एकता और शांति-पूर्ण सह-अस्तित्व के प्रतीक सम्राट अशोक से है। बयान में आगे कहा गया, सारनाथ अशोक की राजधानी थी। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है, जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप करने से भाषा में एकरूपता आती है और अशोक शब्द प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखते हुए अंग्रेजीकरण की छाप को भी दूर करता है।

'मालदा, किशनगंज, कटिहार जैसे इलाकों में खत्म हो जाएगी हिंदू आबादी'

> सांसद निशिकांत दुबे ने सरकार से की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा से सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे ने संसद में आदिवासियों की घटती आबादी का मुद्दा उठाया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत 'संविधान खतरे में है' से की और कहा कि हम यहां दलितों की बात करते हैं, आदिवासी की बात करते हैं। कहीं किसी की भी सरकार हो, उसका एकमात्र लक्ष्य यही है कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। बीजेपी सांसद ने कहा कि जिस संथाल परगना से आता हूं, वह जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तब आदिवासियों की आबादी 36 प्रतिशत थी। आज आदिवासियों की आबादी 26 प्रतिशत है। 10 प्रतिशत आदिवासी कहां गायब हो गए, कहां खो गए?

उन्होंने कहा कि इसके बारे में कभी भी ये सदन चिंता की बात नहीं करता है, वोटबैंक की पॉलिटिक्स करता है। निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो सरकार है झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस, इसके लिए कोई भी एक्शन नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की घुसपैठ हमारे यहां लगातार बढ़ रही है। आदिवासी महिलाओं के साथ बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर रहे हैं। हिंदू और मुसलमान का सवाल नहीं है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे यहां जो लोकसभा का चुनाव लड़ती हैं महिला, वह आदिवासी कोटे से लड़ती हैं और उनके पति मुसलमान हैं। गोड्डा सांसद ने कहा कि जिला परिषद की जो अध्यक्षा हैं, उनके पति मुसलमान हैं।

'सब राजनीतिक ड्रामा..': भाजपा के धरने पर भड़के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार

बेंगलुरू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा भूखंड आवंटित करने में कथित फर्जीवाड़े के संबंध में चर्चा की अनुमति नहीं दी गई। इस बात से नाराज भाजपा विधानसभा और विधानपरिषद में धरना का ऐलान कर चुकी है। बता दें कि इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी का नाम शामिल है। भाजपा के धरना प्रदर्शन के कदम की कर्नाटक सरकार के मंत्रियों ने जमकर आलोचना की।

कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि भाजपा ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में वैकल्पिक साइट (भूखंड) घोटाले में स्थगन प्रस्ताव क्यों नहीं लिया जा सकता है? यह समझाने के बावजूद चल रहे विधानसभा सत्र का अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा मूडा में अनियमितताओं की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री ने अपने खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने पद से इस्तीफे की पेशकश की

> दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मिले

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बीजेपी के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। यह पेशकश उन्होंने दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान की। सूत्रों के अनुसार, शाह ने जोशी से प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर चर्चा की और उपचुनाव तक पद पर बने रहने की बात कही।

बताया जा रहा है कि जोशी ने विधानसभा चुनावों के बाद भी इस्तीफे की पेशकश की थी। दरअसल, राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी दोनों ही ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। इसे देखते हुए पार्टी में विभिन्न स्तरों पर चर्चा हो रही है कि दोनों प्रमुख पदों पर एक ही समुदाय का प्रतिनिधित्व होना उचित है या नहीं।

जोशी ने पहले भी कई मौकों पर इस्तीफे की पेशकश की है। लोकसभा चुनाव लड़ने के दौरान भी उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की थी, जिसे पार्टी नेतृत्व ने स्वीकार नहीं किया। पार्टी सूत्रों का मानना है कि जोशी की पेशकश के पीछे विभिन्न राजनीतिक और सामुदायिक समीकरण हैं, जिन पर विचार किया जा रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी उपचुनाव के मद्देनजर पार्टी नेतृत्व जोशी के इस्तीफे को स्वीकार करता है या उन्हें पद पर बने रहने के लिए मनाता है। इस घटनाक्रम ने राजस्थान की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

'मुझे उद्धव ठाकरे और अजित पवार के खिलाफ दस्तखत करने को कहा गया'

अनिल देशमुख का चौंकाने वाला दावा

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख ने राजनीति में भूचाल लाने वाला दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक बिचौलिए ने उन्हें केस में फंसने से बचने के लिए (तत्कालीन) महा विकास आघाडी सरकार के बड़े नेताओं के खिलाफ हलफनामा देने को कहा था। देशमुख ने (25 जुलाई) को कहा, "तीन साल पहले देवेंद्र फडणवीस ने एक आदमी को मेरे पास भेजा और मुझसे चार हलफनामे लिखने को कहा। मुझे उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, अजित पवार और अनिल परब के खिलाफ लिखित आरोप लगाने को कहा गया।"

इसीलिए ईडी और सीबीआई को मेरे पीछे लगाया गया- अनिल देशमुख

उन्होंने कहा, "देवेंद्र फडणवीस ने हलफनामे भेजे और मुझसे उन पर दस्तखत करने को कहा। मुझे कहा गया कि अगर मैंने ऐसा किया तो न तो ईडी और न ही सीबीआई मेरे पीछे आएगी। मुझ पर दबाव डाला गया। हालांकि मैंने साफ कहा कि अगर मुझे आजीवन जेल भी जाना पड़े तो भी मैं झूठे आरोप नहीं लगाऊंगा। मैं नहीं झुका और इसीलिए ईडी और सीबीआई को मेरे पीछे लगाया गया। मुझसे झूठा हलफनामा देने को कहा गया कि आदित्य ठाकरे ने दिशा सालियान का रेप किया और उसे बालकनी से फेंक दिया।" राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता अनिल देशमुख ने अप्रैल 2021 में गृहमंत्री के पद इस्तीफा दे दिया था। उनपर तब मुंबई के तत्कालीन पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने उनपर आरोप लगाया था कि वह पुलिस को शहर के होटल और बार मालिकों से वसूली करने को कहते हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा?

इन आरोपों को बेबुनियाद करार देते हुए उप-मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, '' अनिल देशमुख को पता होना चाहिए कि उनकी ही पार्टी के नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, शरद पवार या विवादास्पद पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के विरूद्ध उनकी टिप्पणियों वाले कई दृश्य-श्रव्य सबूतों के साथ मुझसे मुलाकात की है। यदि मुझपर झूठे आरोप लगाये जाते हैं तो मेरे पास इस सबूत को सार्वजनिक करने के सिवा कोई विकल्प नहीं होगा।'' बीजेपी नेता ने कहा कि देशमुख उस मामले में बरी नहीं हुए हैं जिसमें उनपर पुलिस अधिकारियों को 100 करोड़ रुपये जुटाने का निर्देश देने का आरोप है, वह बस जमानत पर बाहर हैं।

तमिलनाडु में जंगली हाथी ने महिला को कुचलकर मार डाला

चेन्नई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के इरोड में एक जंगली हाथी ने 63 वर्षीय महिला को कुचल कर मार डाला। वन अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी दी। यह घटना सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के अंतर्गत आने वाले जैथुरैयमपालयम क्षेत्र में घटी। वह अन्य महिलाओं के साथ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए करिक्कलमेडु मडैयन कोइल वन क्षेत्र में गई थीं। मृतक की पहचान मणिअम्माल के तौर पर की गई है अधिकारी ने बताया कि महिला जब शाम के सात बजे तक अपने घर वापस नहीं लौटी, तब कुछ लोग उसे ढूंढने निकले। उन्हें महिला का शव मिला, जिसके शरीर पर चोट के निशान थे। लोगों ने तुरंत इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर लिया है।

पीजी कोर्स में 40 से 50 अंक प्राप्त करने वालों को दी नियुक्ति, हाईकोर्ट ने तलब किया शिक्षक भर्ती

जबलपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। स्कूल शिक्षा और ट्रायबल वेलफेयर विभाग में पीजी कोर्स में 40 से 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को नियुक्ति दिए जाने के मामले को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी गई थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने भर्ती संबंधित रिकॉर्ड तलब किया है। युगलपीठ ने पूछा है कि ऐसे कितने अभ्यर्थी हैं, जिन्हें स्नातकोत्तर में 45 से 50 फीसदी अंक प्राप्त हैं और उन्हें नियुक्ति दी गई है। याचिका पर अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। जबलपुर निवासी अवनीश त्रिपाठी, रायसेन के प्रदीप अहिरवार, राजस्थान के हुसैन मोहम्मद सहित अन्य की तरफ से दायर याचिका में बताया गया कि प्रदेश के अलग-अलग विश्वविद्यालयों में द्वितीय व तृतीय श्रेणी में विभेद है। कुछ विवि में 35 से 45 प्रतिशत को तृतीय श्रेणी और 45-50 प्रतिशत अंक को द्वितीय श्रेणी माना गया है। वहीं, कुछ विवि में 35 से 50 प्रतिशत को द्वितीय और 50 से 59 प्रतिशत अंक को द्वितीय श्रेणी माना गया है। राज्य सरकार का नियम एनसीटीई के नियम से अलग है। एनसीटीई के नियम के अनुसार संबंधित विषय में स्नातकोत्तर में 55 प्रतिशत वाला ही हाईस्कूल की पात्रता रखता है। वहीं, राज्य का नियम है कि बीएड के साथ स्नातकोत्तर में द्वितीय श्रेणी, जबकि ट्रायबल विभाग का नियम केवल पोस्ट ग्रेजुएट अनिवार्य है। याचिका में राज्य सरकार के शिक्षक भर्ती नियम 2018 की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। सुनवाई के बाद न्यायालय ने भर्ती संबंधित रिकॉर्ड तलब किया है।

मंगलुरु पुलिस की सिटी जेल में अचानक छापेमारी, मोबाइल, ब्लूटूथ और कैंची सहित गांजे के पैकेट बरामद

मंगलुरु, 25 जुलाई (एजेंसियां)। (कर्नाटक)। मंगलुरु की सिटी पुलिस ने सिटी जेल में बड़ी कार्रवाई की। दरअसल, मंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर की अगुवाई में पुलिस ने मंगलुरु सिटी जेल की बैरक पर अचानक छापेमारी की। पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल ने छापेमारी की जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 4 बजे शुरू हुए इस ऑपरेशन में 2 डीसीपी, 3 एसीपी, 15 पीआई और लगभग 150 पुलिसकर्मी शामिल थे। जेल के सभी ब्लॉकों में एक साथ छापेमारी करने के लिए कई टीमें गठित की गई थीं। इस छापेमारी की किसी को भी भनक नहीं लगने दी गई क्योंकि पुलिस अंतिम क्षण तक इसे गोपनीयता रखना चाहती थी। सिटी जेल की बैरक में तलाशी के दौरान पुलिस ने 25 मोबाइल फोन, 1 ब्लूटूथ, 5 ईयरफोन, 1 पेन ड्राइव, 5 चार्जर, 1 कैंची, 3 केबल और गांजा व अन्य नशीले पदार्थों के कई पैकेट जब्त किए। यह कार्रवाई जेल के अंदर सुरक्षा बनाए रखने और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस विभाग की तरफ से की गई थी। अब पुलिस यह पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है कि आखिर इतनी भारी मात्रा में जेल के अंदर ये सामान कैसे पहुंचे।

बारिश से हाहाकार: मुंबई में सड़कें बनीं तालाब, राजस्थान में कई कॉलोनियां हुई जलमग्न; गुजरात में बाढ़ से आठ मौतें

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून के आते ही मुंबई में बारिश से हाहाकार मचा है। लगातार बारिश से जलभराव के बाद मुंबई की सड़कें तो मानों जैसे तालाब बन गई हैं। वहीं, अंधेरी सबवे को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। मूसलाधार बारिश ने मुंबई और उपनगरों के लिए मुसीबतें फिर से ला दी हैं, शहर के कई निचले इलाकों से जलभराव की खबरें आई हैं।

यात्री भी परेशान

रात भर हुई भारी बारिश के चलते कई सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो गई, जिससे अनगिनत यात्रियों को असुविधा हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आज भी अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है। वहीं, शहर में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मुंबई में भारी बारिश के बाद के हालात के कई वीडियो भी सामने आए हैं। चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है। सड़कें जाम पड़ी हैं।

पुणे में नावों से लोगों को निकाला गया

दूसरी ओर पुणे में रातभर भारी बारिश हुई, जिससे शहर और जिले के बड़े हिस्से बाढ़ के पानी में डूब गए, स्कूल बंद रहे और लोगों की मदद के लिए

नावों को तैनात किया गया। शहर की फायर ब्रिगेड, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें और अन्य एजेंसियां कई इलाकों में लोगों को बचाने के लिए पहुंची है।

महाराष्ट्र के लिए रेड अलर्ट जारी

इसके अलावा, भारतीय मौसम विभाग ने गुरुवार को महाराष्ट्र के लिए रेड अलर्ट जारी किया और अत्यधिक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। विले पार्ले और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से आए दृश्यों में यात्रियों को मूसलाधार बारिश के बीच से गुजरते हुए देखा जा सकता है।

राजस्थान में बारिश से जलभराव

राजस्थान के दौसा में पिछले 18 घंटों से बारिश हो रही है, जिससे इलाके में जलभराव हो गया है और जयपुर रोड के किनारे कई कॉलोनियों से संपर्क टूट गया है। बुधवार दोपहर से पूरे जिले में लगातार बारिश हो रही है, जिससे सड़कें नदी बन गई हैं और नाले उफान पर हैं। निचले इलाकों की कॉलोनियों और झुग्गियों में जलभराव के बाद उनका मुख्य सड़क से संपर्क टूट गया है। कई कॉलोनियां जलमग्न हो गई हैं और लोगों की आवाजाही बाधित हो गई है और उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गुजरात में 8 लोगों की मौत

गुजरात में बीते 4 दिनों से मुसलाधार बरिश हो रही है। इस तेज बारिश के चलते वडोदरा, भरूच, सूरत और आणंद समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। गुजरात में बारिश से अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली के डीजीपी बने देवेश चंद्र श्रीवास्तव

इन अधिकारियों को भेजा गया अंडमान और पुडुचेरी

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंडमान निकोबार के डीजीपी देवेश श्रीवास्तव को दिल्ली भेज दिया है। दिल्ली पुलिस में स्पेशल सीपी क्राइम शालिनी सिंह को डीजीपी पुडुचेरी बनाया गया है। दिल्ली पुलिस ट्रैफिक पुलिस स्पेशल सीपी एचजीएस धालीवाल को डीजीपी अंडमान निकोबार बनाया गया। बता दें कि इससे पहले देवेश चंद्र श्रीवास्तव अंडमान-निकोबार के डीजीपी पद पर थे, जहां से अब उन्हें दिल्ली भेज दिया गया है। वही शालिनी सिंह दिल्ली पुलिस में थीं और हरगोबिंदर सिंह धालीवाल भी दिल्ली पुलिस के लिए काम कर रहे थे।

आजमगढ़ के रहने वाले हैं देवेश चंद्र श्रीवास्तव

बता दें कि देवेश चंद्र श्रीवास्तव आजमगढ़ नगर कोतवाली क्षेत्र को कोलघाट के रहने वाले हैं। इससे पहले वो अंडमान निकोबार और मिजोरम के डीजीपी पद पर रह चुके हैं। बता दें कि देवेश चंद्र श्रीवास्तव साल 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले डीजीपी बनाए जाने से पूर्व दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में विशेष आयुक्त के पद पर तैनात ते। बता दें कि दिल्ली पुलिस में वह संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी दिल्ली), संयुक्त आयुक्त लाइसेंसिंग सहित इंटेलिजेंस ब्यूरो एवं ओएनजीसी (प्रति नियुक्ति पर) में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

कई राज्यों में दे चुके हैं अपनी सेवाएं

देवेश चंद्र श्रीवास्तव गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके हैं। उन्होंने यहां से साल 1991 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में इंजीनियरिंग डिग्री ली है। यहां से बीई करने के बाद देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने यूपीएससी की परीक्षा पास की और भारतीय पुलिस सेवा में उनका चयन हुआ। इससे पहले कई जिलों में वो अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। बता दें कि बता दें कि साल जून 2023 में उन्हें अंडमान निकोबार का डीजीपी नियुक्त किया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान वो अरुणाचल प्रदेश, गोवा, दिल्ली और मिजोरम में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

कर्नाटक में मकान की दीवार ढहने से एक की मौत

मंगलूरू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंगलूरू के जोकट्टे में भारी बारिश के कारण एक मकान की दीवार गिरने से 17 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। यह घटना बुधवार की रात में घटी। मृतक की पहचान मुल्की कस्बे के शैलेश के तौर पर की गई है। पुलिस ने बताया कि भारी बारिश के कारण मकान की दीवार ढह गई। पीड़ित को मलबे से निकालकर तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के पूर्वानुमान से कश्मीर झुलसा लोगों को मिली सावधानी बरतने की सलाह

जम्मू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता कश्मीर वेदर के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों में कश्मीर में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, मौसम मॉडल ने क्षेत्र में बारिश की संभावना को काफी कम कर दिया है,

जो लंबे समय तक गर्म, शुष्क स्थितियों का संकेत देता है। अनुमान है कि तापमान संभावित रूप से रिकॉर्ड-तोड़ स्तर तक पहुंच जाएगा, साथ ही कुछ सर्वकालिक उच्चतम तापमान के टूटने की भी संभावना है। जबकि पूर्वानुमान मुख्यतः शुष्क मौसम की भविष्यवाणी करता है, अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश की संभावना से पूरी तरह इंकार नहीं किया जा सकता है। अधिकारियों द्वारा लोगों को सलाह दी गयी है कि वे गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतें और अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें, खासकर दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे के बीच।

पत्नी ने प्रेमी व बेटी के साथ मिलकर की पति की हत्या

टीकमगढ़, 25 जुलाई (एजेंसियां)। टीकमगढ़ जिले के बिजरावन गांव में 50 साल के व्यक्ति की हत्या के मामले को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर सुलझा लिया है। इस घटना में पुलिस ने उसकी पत्नी, प्रेमी और बेटी को गिरफ्तार किया है। टीकमगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक रोहित ने बुधवार शाम को बताया कि टीकमगढ़ जिले के पुलिस थाना दिगौड़ा के अंतर्गत आने वाले बिजरावन गांव में 22 जुलाई की सुबह 5:00 बजे भानचंद यादव (50 वर्ष) की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में दिगौड़ा पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि घटना के समय भानचंद की पत्नी और बच्चे घर पर ही थे, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा था। जब परिजनों से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो पत्नी ने सारी घटना को स्वीकार कर लिया।

सेना प्रमुख ने कुपवाड़ा मुठभेड़ के बलिदानी नायक दिलावर खान को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए नायक दिलावर खान को पुष्प अर्पित किए और श्रद्धांजलि दी। श्रीनगर के बादामी बाग में सेना के चिनार कोर मुख्यालय में श्रद्धांजलि देने के लिए एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ सेना, पुलिस और नागरिक अधिकारी शामिल हुए। जनरल उपेंद्र द्विवेदी सीओएएस ने नायक दिलवर खान को पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के निवासी दिलावर खान बुधवार को कुपवाड़ा के त्रुमखान जंगलों में मुठभेड़ के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक अज्ञात आतंकवादी भी मारा गया। इलाके में आतंकियों की तलाश में अभियान अभी भी जारी है।

कठुआ हमले में आतंकवादियों की मदद करने वाले जैश-ए-मोहम्मद के दो सहयोगी गिरफ्तार

जम्मू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को कठुआ आतंकी हमले में आतंकवादियों की मदद करने वाले जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन दो आतंकी सहयोगियों से लगातार पूछताछ से आतंकवादियों को रणनीतिक और रसद सहायता देने में शामिल लोगों की और गिरफ्तारी होने की संभावना है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कठुआ जिले के पहाड़ी इलाके से जैश के दो आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। 10 जुलाई को कठुआ जिले के बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में चार सैनिक और एक स्थानीय पुलिसकर्मी सहित पांच सुरक्षाकर्मी बलिदान हुए थे।

जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर सहित पहाड़ी जिलों में 40 कट्टर विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली है। सेना ने शांतिपूर्ण जम्मू संभाग से आतंकवाद को खत्म करने के लिए 4,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है, जिनमें शीर्ष पैरा कमांडो और पर्वतीय युद्ध में प्रशिक्षित सैनिक शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी को नया कार्यालय आवंटित, अब होगा नया पता

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सीएम अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को नया कार्यालय आवंटित कर दिया है। हाई कोर्ट के आदेश पर केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के लिए नया कार्यालय अलॉट किया है। आम आदमी पार्टी मुख्यालय का नया पता बंगला नंबर-1, रविशंकर शुक्ला लेन, नई दिल्ली होगा। इससे पहले तक आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्यालय का पता 206, राउज एवेन्यू, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, आईटीओ, नई दिल्ली था। बता दें कि इसी साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने आप को 15 जून तक राउज एवेन्यू में अपना कार्यालय खाली करने के लिए कहा था। क्योंकि ये जमीन न्यायिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए आवंटित की गई थी। इसके बाद आप हाई कोर्ट पहुंची और राष्ट्रीय पार्टी के नाते उचित जगह की मांग की। दिल्ली हाई कोर्ट ने 5 जून, 2024 को केंद्र को आम आदमी पार्टी (आप) को पार्टी कार्यालय के लिए जगह आवंटित करने पर छह सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का आदेश दिया।

किशोरी को छेड़ रहा था युवक

एक व्हाट्सएप मैसेज आया, बाल आयोग ने पॉक्सो का केस दर्ज कराया

देहरादून, 25 जुलाई (एजेंसियां)। एक किशोरी के स्कूल आने-जाने के रास्ते में एक युवक छेड़छाड़ कर लगातार परेशान कर रहा था। किशोरी ने अपनी बड़ी बहन को उसकी हरकतों के बारे में बताया। बड़ी बहन पुलिस के पास जाने में झिझक थी तो राज्य बाल आयोग के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप मैसेज के जरिए समस्या साझा की। आयोग की टीम ने उस लड़की को कॉल कर पूरी बात सुनी। उसके बाद स्थानीय एसडीएम से फोन के जरिए बात करके पुलिस एक्शन कराया गया। उस युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ। राज्य बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ। गीता खन्ना कहती हैं, उत्तराखंड के दूर पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले बालक और बालिकाओं से जुड़े तमाम मामलों का समाधान आयोग व्हाट्सएप मैसेज के जरिए कर रहा है।

कंगना रनौत की रद्द हो संसद सदस्यता

याचिका पर हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। कंगना के चुनाव को कोर्ट में चुनौती दी गई है और पूरे चुनाव प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की है। कोर्ट ने कंगना को 21 अगस्त तक अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। कंगना हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से 74,755 वोटों से चुनाव जीती हैं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह को हराया है। विक्रमादित्य राज्य सरकार में लोक निर्माण विभाग में मंत्री भी हैं। विक्रमादित्य को 4,62,267 वोट मिले थे। जबकि कंगना ने 5,37,002 वोट हासिल किए थे।

किसने दायर की है याचिका?

किन्नौर निवासी लायक राम नेगी की याचिका पर हाई कोर्ट ने बुधवार को कंगना रनौत को नोटिस जारी किया। इस याचिका में कंगना का चुनाव रद्द किए जाने की मांग की गई है। याचिका कर्ता का कहना है कि वो इस बार आम चुनाव लड़ना चाहता था। इसके लिए उसने मंडी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र भी दाखिल किया था। लेकिन, उसके नामांकन पत्र को चुनाव अधिकारी ने गलत तरीके से खारिज कर दिया।

चुनाव रद्द करने की मांग

हाईकोर्ट में जस्टिस ज्योत्सना रेवाल ने कंगना रनौत को नोटिस जारी किया और 21 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता नेगी ने रनौत के चुनाव को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा, मेरे नामांकन पत्र को रिटर्निंग ऑफिसर (उपायुक्त, मंडी) ने गलत तरीके से खारिज कर दिया था। नेगी ने इस पूरे मामले में कंगना को भी पार्टी बनाया है।

वीआरएस लेकर चुनाव लड़ना चाहते थे नेगी

नेगी का कहना था कि वो वन विभाग में कर्मचारी थे। चुनाव के लिए उन्होंने वीआरएस लिया था। रिटर्निंग अधिकारी के सामने नामांकन पत्र के साथ विभागीय नो ड्यूज भी सबमिट किया था। नेगी का कहना था कि नामांकन के दौरान मुझसे कहा गया कि सरकारी आवास को लेकर जारी बिजली, पानी और टेलीफोन के नो ड्यूज सर्टिफिकेट भी सबमिट करने होंगे। उन्हें ये सर्टिफिकेट जमा करने के लिए अगले दिन तक का समय दिया गया। अगले दिन जब हमने रिटर्निंग ऑफिसर को कागजात दिए तो उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया और नामांकन पत्र भी खारिज कर दिया।

एमपी में सपा और कांग्रेस मिलकर लड़ेंगे उपचुनाव सपा ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह पर लगाया गंभीर आरोप

भोपाल, 25 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव और पूर्व विधायक सुनीलम ने गुरुवार को भोपाल में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस के साथ मिलकर उपचुनाव लड़ने की बात कही है। प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा उपुचनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। अब विजयपुर और बुधनी में उपचुनाव होने है। सपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ। मनोज यादव ने कहा कि अभी हम गठबंधन में है। अभी की स्थिति में मिलकर ही चुनाव लड़ेंगे। हमारा उद्देश्य भाजपा को हराना है। वहीं, सागर जिले में दलित युवक की हत्या मामले में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। पूर्व विधायक सुनीलम ने आरोप लगाया कि पुलिस पीड़ित पक्ष को धमका रही है। उनको जान से मारने की धमकी दे रही है। उन्होंने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। डॉ। यादव ने कहा कि पहले दलित युवक की हत्या की जाती है। फिर उसकी बहन की हत्या कर दी जाती हैं।

दिल्ली में गैंगवार होते हैं

संजय सिंह का कानून व्यवस्था को लेकर पीएम मोदी पर निशाना

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। यहां गैंगवार होते हैं। इसके लिए पूरी तरह से प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के एलजी जिम्मेदार हैं। ये लोग दिल्ली पुलिस को और मजबूत बनाने की जगह उसे कमजोर कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस के बजट को 531 करोड़ रुपये कम कर दिया है। दिल्ली की कानून व्यवस्था के प्रति केंद्र सरकार गंभीर नहीं है। उन्हें दिल्ली की चिंता नहीं है। इसके अलावा संजय सिंह ने बजट को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों के लिए जब कोई नीति और बजट में प्रावधान नहीं है तो नीति आयोग की बैठक का मतलब क्या है? केंद्र सरकार ने दिल्ली और पंजाब की उपेक्षा की है और इसी वजह से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की प्रतिनिधि के रूप में वित्त मंत्री आतिशी भी इस बैठक में शामिल नहीं होंगी।

नीति आयोग की बैठक पर भी बोले संजय सिंह

वहीं आप नेता संजय सिंह ने नीति आयोग की बैठक को लेकर भी केंद्र की बीजेपी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों के लिए जब कोई नीति और बजट में प्रावधान नहीं है तो नीति आयोग की बैठक का मतलब क्या है। इसलिए विपक्षी राज्य हैं उन्होंने बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। दिल्ली और पंजाब को तो खासतौर से इग्नोर किया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली की वित्तमंत्री मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर जा सकती थी लेकिन उन्होंने भी बैठक का बहिष्कार किया है। वहीं आम आदमी पार्टी से सासंद मलविंदर सिंह कंग ने भी नीति आयोग की बैठक को लेकर सवाल खड़ा किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024 3

सुविचार

विपत्ति आने पर हिम्मत बनाये रखना सबसे अच्छा उपाय है

डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में बोनालू उत्सव मना

मंत्री पोन्नम, कोंडा सुरेखा-सीएस शांति कुमारी ने भाग लिया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना, सचिवालय में बोनालू महोत्सव का भव्य आयोजन किया। इन बोनालू त्योहारों के अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मंत्री कोंडा सुरेखा और राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सचिवालय में नल्ला पोचम्मा की पूजा की।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा और सीएस शांति कुमारी ने देवी नल्ला पोचम्मा को बोनम अर्पित किया। सचिवालय के नल्ला पोचम्मा देवस्थानम मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस बोनाला उत्सव में सचिवालय के अधिकारियों से लेकर सभी स्तर के कर्मचारियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। ढोल और पोतराजू प्रदर्शन के बीच विभिन्न कला रूपों के कलाकारों ने बड़े पैमाने पर जुलूस में भाग लिया। उनके अलावा शहर के कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास राव, महिला उपाध्यक्ष उमा नागलक्ष्मी, चंद्रकला, महासचिव जयहरि गौड़, राम सिंह, योगानंद, जीएलएन राजू और अन्य उपस्थित थे।

सिद्दीपेट में मिला निजाम काल का नया शिलालेख

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम, अहोबिलम करुणाकर और मोहम्मद नसीरुद्दीन के शोधकर्ताओं ने निज़ाम काल के एक नए शिलालेख की पहचान की है। सिद्दीपेट के गुंडारेड्डीपल्ले में मट्टाडिपोशाम्मागुडी के पास पाया गया यह तेलुगु भाषा का शिलालेख, जो 19वीं शताब्दी की लिपि में लिखा गया है, उस समय की तेलुगु लिपि और प्रशासनिक प्रथाओं की एक अनूठी झलक प्रस्तुत करता है। श्रीआमोजू हरगोपाल द्वारा लिखित 16-पंक्ति का यह शिलालेख फ़ारसी शब्दों के समावेश के कारण उल्लेखनीय है, जो उस समय की आधिकारिक भाषा को दर्शाता है। यह सिंचाई प्रणालियों पर शाही प्रशासकों के ध्यान को उजागर करता है, जो स्थानीय बुनियादी ढांचे के प्रति उनके ध्यान और जिम्मेदारी को दर्शाता है।

दमरे की नई मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक सुश्री के. पद्मजा ने कार्यभार संभाला

> दक्षिण मध्य रेलवे की पहली महिला पीसीसीएम बनने का श्रेय

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुश्री के. पद्मजा ने गुरुवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे में प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) के रूप में कार्यभार संभाला है। वे भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1991 बैच की हैं। उल्लेखनीय रूप से वे दक्षिण मध्य रेलवे में पहली महिला पीसीसीएम हैं। उनके पास विज्ञान और शिक्षा में स्नातक की डिग्री है। वर्तमान कार्यभार से पहले, वे एससीआर में मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक के रूप में कार्यरत थीं। भारतीय रेलवे में 30 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर के दौरान, सुश्री के. पद्मजा ने दक्षिण मध्य रेलवे में कई अन्य प्रमुख पदों पर कार्य किया है, जैसे हैदराबाद डिवीजन में सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक (एसीएम), सहायक यातायात प्रबंधक (एटीएम) और मंडल परिचालन प्रबंधक (कोयला और माल), सिकंदराबाद डिवीजन, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, गुंटकल डिवीजन, उप मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, पीआरएस, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक और वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन। मुख्यालय में, उन्होंने उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/कोचिंग, मुख्य यातायात प्रबंधक, सामान्य, मुख्य यात्री यातायात प्रबंधक, मुख्य माल यातायात प्रबंधक और मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, यात्री सेवाओं के रूप में कार्य किया। अपनी लंबी रेलवे सेवा के दौरान, उन्होंने सलाहकार (परिवहन)/गोदावरी फर्टिलाइजर्स कंपनी लिमिटेड और महाप्रबंधक, कॉनकॉर, हैदराबाद के अलावा अध्यक्ष, एससीआर ललिता कला समिति, सिकंदराबाद और उपाध्यक्ष, एससीआर अधिकारी संघ के रूप में काम किया है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने वार्षिक बोनालू के व्यवस्थाओं की समीक्षा

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी, कानून और व्यवस्था, हैदराबाद सिटी, श्रीमती शैलजा राम अय्यर, प्रमुख सचिव, बंदोबस्ती, अनुदीप दुरीशेट्टी, जिला कलेक्टर, हैदराबाद, हनुमंत राव, आयुक्त, आईएंडपीआर और बंदोबस्ती, स्नेहा मेहरा, डीसीपी साउथ ज़ोन, वेंकटेश्वरलू, डीसीपी, ट्रैफिक और अन्य विभागों के अधिकारियों ने श्री सिंह वाहिनी महाकाली मंदिर, लाल दरवाजा, छतरीनाका का दौरा किया और वार्षिक बोनालू 2024 के संबंध में व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कानून और व्यवस्था, यातायात, भक्तों के लिए कतार, चिकित्सा, बैरिकेडिंग, मीडिया पॉइंट, बिजली, पानी की आपूर्ति आदि की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। सभी संबंधित विभागों को उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया ताकि भक्तों को कोई असुविधा न हो।

भद्राचलम में दूसरे चेतावनी स्तर को पार कर गई गोदावरी

कोत्तागुडेम, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में गुरुवार को दोपहर 1.10 बजे गोदावरी नदी का जलस्तर 48 फीट के दूसरे चेतावनी स्तर पर पहुंचने पर अधिकारियों ने दूसरी चेतावनी जारी की। 22 जुलाई को इस मौसम में पहली बार जलस्तर दूसरे चेतावनी स्तर को पार कर गया था। बुधवार रात 10 बजे जलस्तर में कमी आनी शुरू हुई और 10,18,806 क्यूसेक डिस्चार्ज के साथ जलस्तर 45.10 फीट था। आधी रात को बाढ़ का प्रवाह बढ़ना शुरू हुआ और गुरुवार को सुबह 1 बजे जलस्तर 45.40 फीट था।

सचिव, ऊर्जा ने टीजीएसपीडीसीएल के जिला स्टोर का औचक निरीक्षण किया

> 24 घंटे के भीतर खराब ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सचिव, ऊर्जा, तेलंगाना सरकार और सीएमडी/टीजीट्रांसको और सीएमडी/टीजीजेनको डी. रोनाल्ड रोज ने सीएमडी/टीजीएसपीडीसीएल एमडी. मुशर्रफ फारुकी के साथ मिलकर आज टीजीएसपीडीसीएल के जिला स्टोर, संगारेड्डी का औचक निरीक्षण किया और संबंधित अधीक्षण अभियंता और सभी कर्मचारियों को सभी निर्माण और संचालन और रखरखाव कार्यों के समय पर निष्पादन के लिए पर्याप्त सामग्री स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया। ऊर्जा सचिव ने संगारेड्डी जिला भंडार में प्रमुख सामग्रियों की स्टॉक स्थिति की गहन समीक्षा की तथा निदेशक/संचालन/टीजीएसपीडीसीएल को निर्देश दिए कि वे पहले से ही योजना बनाएं तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए वितरण ट्रांसफार्मर, ऊर्जा मीटर, पोल और कंडक्टर आदि जैसे उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करें। ऊर्जा सचिव ने विशेष रूप से एसई/संचालन/संगारेड्डी को फीडर-वार नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया, जो प्रत्येक 11 केवी फीडर पर बिजली आपूर्ति की स्थिति की बारीकी से निगरानी करेंगे, ताकि समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके तथा किसी भी लापरवाही या चूक के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। वर्तमान खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए तथा कृषक समुदाय को गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय आपूर्ति प्रदान करने के लिए, सचिव-ऊर्जा ने शहरों और कस्बों में 24 घंटे के भीतर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 48 घंटे के भीतर खराब हुए वितरण ट्रांसफार्मरों को बदलने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान ऊर्जा सचिव ने दोहराया कि सभी फील्ड इंजीनियर अपने मुख्यालय में रहेंगे और पूरे राज्य में गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे।

मंत्री से मिले मंदिर के पदाधिकारी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देवदया मंत्री कोंडा सुरेखा को दासब्दी बोनालू उत्सव के हिस्से के रूप में 28 और 29 जुलाई को हैदराबाद के लोअर टैंकबंड में कट्टा मैसम्मा मंदिर में आयोजित होने वाले बोनालू उत्सव के लिए निमंत्रण मिला है। मंदिर के ईओ संबाशिवा राव, संस्थापक ट्रस्टी गौतम कुमार पटेल, पुजारी सात्विक शर्मा और अन्य ने मंत्री सुरेखा को बोनालू उत्सव के लिए हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित आवास पर आमंत्रित किया।

साइबराबाद पुलिस ने 345 चोरी और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा की देखरेख में आईटी सेल और सोशल टीम ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके 30 दिनों में 345 मोबाइल डिवाइस सफलतापूर्वक बरामद किए।

बरामद किए गए मोबाइल फोन आज साइबराबाद कमिश्नरेट के मुख्य कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा द्वारा उनके संबंधित मालिकों को सौंप दिए गए। डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा ने कहा कि मोबाइल फोन हमारे दैनिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिनमें बहुत सारी महत्वपूर्ण जानकारी और यादें होती हैं। चोर बेरहम होते हैं, इसलिए उन्होंने पुलिस को सलाह दी कि उन्हें बरामद करने के प्रयासों में लगातार लगे रहना चाहिए। बहुत से लोग शिक्षित होने के बावजूद, बहुत कम लोग जानते हैं कि चोरी हुए मोबाइल का दुरूपयोग होने से कैसे रोका जाए। डीसीपी ने लोगों को सलाह दी कि वे खोए हुए मोबाइल का विवरण संबंधित पुलिस स्टेशन या "सीईआईआर पोर्टल" पर रिपोर्ट करें, वे खुद ऑनलाइन माध्यम से सीईआईआर पोर्टल पर रिपोर्ट कर सकते हैं जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चालू है। डीसीपी क्राइम ने मोबाइल फोन की सफल बरामदगी के लिए एसीपी क्राइम कलिंग राव, आईटी सेल इंस्पेक्टर जगदीश्वर, आईटी सेल टीम की सराहना की। बरामद मोबाइल फोन के प्राप्तकर्ताओं ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया।

बजट में जीएचएमसी को 3065 करोड आवंटन से महापौर गदगद

हैदराबाद, 25 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने राज्य के बजट में जीएचएमसी के व्यापक विकास के लिए 3065 करोड़ आवंटित करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि जनता सरकार में राज्य की जनता के सभी क्षेत्रों के विकास और कल्याण के लिए बजट में समान रूप से आवंटन किया जाना एक अच्छी राशि है। हैदराबाद के बुनियादी ढांचे के समग्र विकास के लिए 10 हजार करोड़ के आवंटन के संबंध में, हैदराबाद के विकास पर बहुत ध्यान दिया गया है, बेहतर परिवहन प्रणाली और लोगों को बेहतर बनाने के लिए मेट्रो रेल के विस्तार को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है। मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र कई वर्षों तक धूल भरी जगहों पर रहने के कारण बारिश के मौसम में समस्याओं और बीमारियों से पीड़ित रहते हैं। मेयर ने कहा कि विकास में योगदान के लिए 1500 करोड़ रुपये आवंटित करना एक अच्छा कदम है शहर को पूर्ण रूप से विकसित कर अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में पहचान दिलाई जाएगी।

बजट केसीआर के लिए आंखें खोलने वाला होगा : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद पहली बार वित्त मंत्री बट्टी विक्रमार्क द्वारा पेश किया गया बजट कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर भरोसा करने वाले लोगों के विश्वास को बहाल करने और उनके विश्वास को बनाए रखने का एक तरीका है।

बजट लोक प्रशासन का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि यह सरकार इस राज्य के लोगों की सभी इच्छाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पहल करती है और ऐसी योजनाएं लागू करती है जिन्हें कोई और लागू नहीं कर सकता है। बजट तैयार किया गया है और धन इस तरह आवंटित किया गया है कि हमारे मुख्यमंत्री, हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा चुनावों में घोषित वादों, विशेषकर छह गारंटी को लागू किया जा सके। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने विपक्ष के नेता केसीआर की बजट की धज्जियां उड़ाने वाली टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बजट केसीआर के लिए आंखें खोलने वाला है जिन्होंने पिछले दस वर्षों तक इस राज्य पर शासन किया। पहली बार विधानसभा की बैठक में शामिल हुए विपक्षी नेता केसीआर के पास इस बजट की आलोचना करने के लिए कुछ भी नहीं था। पहली बार आये आगंतुक के रूप में, यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि कुछ कहने की उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति उत्तेजक टिप्पणियाँ करने की थी। उन्होंने इस राज्य को आर्थिक रूप से खंडित कर दिया है और तेलंगाना के समाज को एक अपूरणीय झटका दिया है। अनेक अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के साथ हमारी सरकार को खाली खजाना सौंप दिया गया। अगर बजट इस तरह पेश किया जाए कि जनता की इच्छा के अनुरूप विपक्ष के कुछ नेता मुंह तक न उठा सकें तो वे ऐसे लोकलुभावन बजट की धज्जियां उड़ा देंगे।

SHRI GUJARATI PRAGATI SAMAJ

4-3-259, Giriraj Lane, Koti, Bank Street, Hyderabad-500 095 (TS)
Ph: 040-24754657, 24758704 | E-mail : pragatisamaj@yahoo.co.in

NOTICE

ANNUAL GENERAL BODY MEETING

The Annual General Body Meeting of Shri Gujarati Pragati Samaj shall be held on **Sunday, 11th August 2024** at Pragati Mahavidyalaya, Hanuman Tekdi, Hyderabad, from 10:30 am onwards to transact the following Agenda.

AGENDA

1. To confirm the minutes of the last General Body Meeting held on 30/07/2023.
2. To adopt the Secretary's Report for the year 2023-24.
3. To adopt the Audited Accounts of Samaj and its subsidiaries for the financial year 2023-24.
4. To appoint the Auditors for the financial year 2024-25 and to fix the remuneration.
5. Any other matter with the permission of the chair.

Sd/-
Rahul Chheda
15/07/2024

(Followed by Lunch)

नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
आंचलिक मार्केटिंग ऑफिस – हैदराबाद- #3-6-666 बरवाले चैंबर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायत नगर, हैदराबाद–500029
(टीएस) फोन नंबर:– 040–29701389

Ref No: NFL/ZOHYD/ABD/Seed Trading 2024-25/01 दिनांक: 26.07.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमाणित धान बीज की खरीद हेतु (ई–निविदा)

एनएफएल द्वारा तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में विपणन के लिए रबी 2024–25 के दौरान नए प्रमाणित धान बीज की आपूर्ति के लिए तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों की बीज उत्पादन इकाइयों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरणों के लिए वेबसाइट **https://etenders.gov.in/eprocure/app (e-tendering)** एवं **www.nationalfertilizers.com (Homepage)** को देखें। ई–टेंडरिंग प्रक्रिया के अनुरूप निविदा दस्तावेज बोली जमा करने की अंतिम तिथि **21.08.2024 को 13.00 बजे तक** है। इस निविदा का कोई भी शुद्धिपत्र केवल हमारी वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। **एनएफएल किसी या सभी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार रखता है।**

आंचलिक प्रबंधक (विपणन)

एनएफएल : नवरत्न कम्पनी

नीतीश कुमार ने सरेंडर कर दिया

बिहार को स्पेशल स्टेटस न मिलने पर बोले लालू यादव

पटना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बजट 2024 को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने निराशाजनक बताया है। वहीं, बिहार को विशेष दर्जा न मिलने पर उन्होंने कहा, उन्होंने (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) आत्मसमर्पण कर दिया है। इससे पहले, राजद सुप्रीमो लालू यादव ने बजट को लेकर एक्स पर भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- एक घिसा-पिटा हट है ये बजट, जुमलों की रट है ये बजट, गरीब और किसान के सपने कर रहा बंजर है ये बजट, आम आदमी के दिल पर। खंजर है ये बजट।

विशेष पैकेज के नाम पर बिहार को गुमराह करने की कोशिश- राजद

राजद ने आम बजट में मिले विशेष पैकेज को बिहार के लोगों को गुमराह करने की कोशिश बताया है। बुधवार को राजद के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन, मृत्युंजय तिवारी और आरजू खान ने कहा कि बजट में अधिसंख्य पुरानी योजनाओं को री-पैकेजिंग कर लगभग 58 हजार करोड़ का विशेष पैकेज दिखाया गया है। हकीकत तो यह है कि बिहार के एनडीए सांसदों की तुलना में कम सांसदों वाली तेलगु देशम पार्टी विशेष पैकेज के रूप में आंध्र प्रदेश के लिए बिहार से ज्यादा राशि और कई नई योजनाएं लेने में कामयाब रही।

'पावर प्लांट लगाने का निर्णय मोदी सरकार बनने से पहले का है '

राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि पीरपैंती (भागलपुर) में पावर प्लांट लगाने का निर्णय मोदी सरकार बनने से पहले का है, जिसे पिछले दस वर्षों से केंद्र सरकार ठंडे बस्ते में डाली हुई थी। इसी तरह तत्कालीन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के कार्यकाल में 2022 में ही पूर्णिया एक्सप्रेस-वे का डीपीआर तैयार करने के लिए टेंडर मांग लिया गया था। इसके अलावा, तेजस्वी यादव ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर अगस्त 2023 में ही बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे को स्वीकृत करा लिया था। गया औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण मई 2023 में ही शुरू हो चुका है और महाबोधि कॉरिडोर भी एक साल पहले की योजना है। नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के साथ जिस प्रकार से वादाखिलाफी की है, बिहार की जनता इसे माफ नहीं करेगी।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार, पुलिस ने घोषित किया था 25 हजार का इनाम

एटा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव का बेटा पुष्पेंद्र यादव को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। पुष्पेंद्र जिला पंचायत सदस्य है उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। उसे अलीगंज कोतवाली पुलिस के सोंपा गया। उसे अदालत में पेश किया जाएगा। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे पर कई मुकदमे दर्ज हैं। काफी समय से पुलिस को उसकी तलाश थी लेकिन हाथ नहीं आ रहा था। इसके बाद एसटीएफ को लगाया गया। बताया जा रहा है कि उसे नोएडा से पकड़ा गया है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एटा जेल और उनके भाई अलीगंज के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव अलीगढ़ जेल में बंद हैं। परिवार के अन्य सदस्यों की पुलिस को अभी तलाश है। रामेश्वर और जुगेंद्र पर 150 से भी अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पिछले दो वर्षों में तमाम मुकदमे दर्ज हुए हैं, जिनमें जमीनों पर अवैध कब्जा, दुष्कर्म, जानलेवा हमला, लूट जैसे मुकदमे शामिल हैं।

26 जुलाई को सुल्तानपुर कोर्ट में पेश हो सकते हैं राहुल गांधी

अमित शाह पर विवादित टिप्पणी का है मामला

सुल्तानपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 26 जुलाई को सुबह 10 बजे उत्तर प्रदेश की सुल्तानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हो सकते हैं। कांग्रेस सांसद के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी करने को लेकर मानहानि का मुकदमा चल रहा है। उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान शाह पर निजी हमला किया था। इससे पहले कांग्रेस नेता को 2 जुलाई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया था, लेकिन लोकसभा सत्र के कारण वह पेश नहीं हो सके थे। मानहानि के मामले में राहुल गांधी 20 फरवरी से जमानत पर हैं। सुल्तानपुर के बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने एमपी-एमएलए कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर किया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2018 में अमित शाह पर टिप्पणी करने के आरोप में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी साल 20 फरवरी को वह सुल्तानपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे, जिसके बाद कांग्रेस सांसद को 25-25 हजार के दो बांड पर जमानत मिल गई थी। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में गांधी 26 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश हो सकते हैं।

क्या है पूरा विवाद?

बीजेपी नेता राहुल गांधी के खिलाफ 4 अगस्त 2018 को मानहानि का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें रायबरेली से कांग्रेस सांसद पर 8 मई 2018 को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान बेंगलुरु में एक बैठक में विवादित टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था। राहुल पर तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष और गृह मंत्री को हत्यारा कहने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा था कि, 'भारतीय जनता पार्टी में हत्या का आरोपी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं होता।'

एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा ट्रक में पीछे से घुसी स्लीपर बस, 3 की मौत, 100 से अधिक यात्री घायल

फिरोजाबाद, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां एक टूरिस्ट बस बालू के ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 100 से ज्यादा घायल हो गए, जबकि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ये घटना थाना नगला खगर क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के पिलर-59 के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस बहराइच से दिल्ली जा रही थी। बताया जा रहा है कि चालक को अचानक नींद लग गई और बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बस चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बस में सवार 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बता दें कि बस में 150 लोग यात्रा कर रहे थे। वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्होंने सभी घायलों को सेफई और शिकोहाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया। फिरोजाबाद के एसपी ग्रामीण रामविजय सिंह ने घटना की जानकारी दी। बताया कि गुरुवार देर रात एक बजे के आसपास उन्हें हादसे की जानकारी मिली थी। पता चला था कि आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस बस में करीब 150 लोग सवार थे। बस चालक समेत तीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सुरक्षित लोगों को उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया है। हादसे के कारण का पता लगाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंचल में अब 'दलालों' की नहीं गलेगी दाल

मंत्री का बड़ा फैसला, नया नियम

पटना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के तमाम अंचलों से आए दिन भ्रष्टाचार की खबर सामने आती रहती हैं। अंचल में जमीन की जमाबंदी, परिमार्जन, वाद प्रतिवाद, दाखिल खारिज से जुड़े कई कार्यों के लिए अवैध रूप से लोगों द्वारा पैसे की लेनदेन का मामला सामने आता रहता है। ऐसे में अब बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अपने डिपार्टमेंट किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दरअसल राजस्व एवं भूमि सुधार के किसी भी कार्यालय में बेवजह बाहरी व्यक्ति की सक्रियता दिखी तो ना सिर्फ उस व्यक्ति पर बल्कि कार्यालय प्रभारी पर भी गाज गिरनी तय है। अब गड़बड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल के निर्देश पर पत्र भी जारी कर दिया गया है। दरअसल कुछ दिन पहले ही मंत्री दिलीप जायसवाल के एक बयान से हड़कंप मच गया था, जब उन्होंने कहा था कि उनके विभाग को लेकर लोग शिकायत करते हैं कि आपके विभाग में काफी भ्रष्टाचार होता है।

मंत्री ने विभाग की एक बैठक में इस बात को बताते हुए साफ कर दिया था कि अब यह सब नहीं चलेगा। इस बारे में मंत्री दिलीप जायसवाल ने बातचीत में कहा है कि उन्होंने तब ही साफ कर दिया था कि उनके मंत्री की कुर्सी पर बैठते इस तरह की कोई भी गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री दिलीप जायसवाल के निर्देश पर विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी जिला अधिकारियों को पत्र के माध्यम से निर्देश जारी किया है। बताया जा रहा है कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के क्षेत्रीय एवं जिला कार्यालय में दलालों और मध्यस्तों की सक्रियता को रोकने के लिए इस तरह का पत्र जारी किया गया है। इस निर्देश में लिखा गया है कि राजस्व भूमि सुधार विभाग के किसी भी कार्यालय में बाहरी व्यक्ति की सक्रियता पकड़ी गई तो व्यक्ति के साथ-साथ कार्यालय प्रभारी पर भी सख्त और सीधी कार्रवाई होगी।

इस पत्र में विभाग के वरीय अधिकारियों को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के क्षेत्रीय और जिला कार्यालय के औचक निरीक्षण का भी निर्देश दिया गया है। पत्र में बताया गया है कि बिहार का राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग पूरी तरह से डिजिटल होने की ओर है। किसी भी तरह की जानकारी के लिए विभाग ने एक ईमेल आईडी जारी किया है जिस पर जाकर विभाग से जुड़े किसी भी कार्य की पूरी जानकारी ली जा सकती है।

नीट के मुद्दे पर भड़कीं मायावती मोदी सरकार से कर दी बड़ी मांग

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ये परीक्षा दोबारा नहीं कराई जा सकती है क्योंकि बड़ी गड़बड़ी साबित नहीं हुई है। जिसे लेकर अब बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की प्रतिक्रिया सामने आई हैं। बसपा सुप्रीमो ने इस मामले को लेकर केंद्रीय मेडिकल परीक्षा की प्रक्रिया को खत्म कर पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की मांग की है। नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों समेत बसपा सुप्रीमो मायावती भी लगातार सवाल उठा रही हैं। जिसके बाद अब उन्होंने मेडिकल की पुरानी परीक्षा प्रणाली को ही बहाल करने की मांग कर दी है उन्होंने कहा कि जिस तरह से नीट कराने वाली परीक्षा एनटीए पर सवाल उठ रहे हैं वो गंभीर मुद्दा है। इससे लाखों परीक्षार्थी मानसिक पीड़ा झेल रहे हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने की मांग

बसपा सुप्रीमो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- 'ऑल-इण्डिया नीट-यूजी मेडिकल परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर स्वाभाविक तौर पर सड़क से लेकर संसद व सुप्रीम कोर्ट तक में यह मामला गर्माया रहा। अब नतीजा चाहे जो भी हो, लेकिन लाखों परीक्षार्थियों व उनके परिवार वालों को इसको लेकर हुआ दुःख-दर्द व मानसिक पीड़ा हमेशा सताएगी।' उन्होंने आगे कहा- 'केन्द्र मेडिकल की इतनी अहम परीक्षा सही से कराने के मामले में देश को आश्वस्त कर पाने में अभी तक विफल है। जो समस्या को और गंभीर बना रहा है। अतः केन्द्रीयकृत मेडिकल नीट यूजी-पीजी परीक्षाओं को समाप्त कर इसके लिए पुनः पुरानी व्यवस्था क्यों न बहाल हो, जैसा कि कई राज्य सरकारों की मांग है।'

विपक्ष ने भी उठाया मुद्दा

आपको बता दें कि नीट का मुद्दा मानसून सत्र में भी छाया रहा। लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा सांसद अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को प्रश्नकाल के दौरान उठाया और केंद्र सरकार पर हमला बोला था। राहुल गांधी ने कहा कि नीट पेपर लीक में शिक्षा मंत्री ने खुद को छोड़कर बाकी सभी लोगों को जिम्मेदार बताया वहीं अखिलेश यादव ने तो यहां तक कह दिया था कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान मंत्रीपद पर रहेंगे। इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती। इधर सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूपी पेपर लीक मामले में आदेश देते हुए दोबारा परीक्षा कराने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी साबित नहीं हुई है इसलिए दोबारा परीक्षा कराना ठीक नहीं है। ये 24 लाख छात्रों के भविष्य का सवाल है।

'इस्लाम छोड़कर अपना लूंगा हिंदू धर्म', एक और भाजपा नेता ने दी चेतावनी, तौकीर रजा पर लगाया आरोप

बरेली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा महानगर उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल के बाद एक और नेता ने धर्म परिवर्तन की धमकी दी। भाजपा नेता ने पुलिस पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। इस्लाम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपनाने की बात कही है। भाजपा नेता शारिक अब्बासी ने एक वीडियो जारी किया। वीडियो में बीते साल आईएमसी लीडर साजिद सकलैनी पर लात मारकर पत्नी का गर्भ गिराने का सनसनीखेज आरोप लगाया था। इसके साथ ही बीजेपी नेता ने बारादरी थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। भाजपा नेता का आरोप है, कई महीनों से कार्रवाई के लिए चक्कर काट रहे हैं, लेकिन मौलाना तौकीर रजा के दबाव में पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही।

बीजेपी के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया जेल से रिहा

सपा एमएलए जवाहर पंडित हत्याकांड में मिली थी उम्र कैद की सजा

प्रयागराज, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नैनी सेंट्रल जेल में जनवरी 2014 से आजीवन कारावास की सजा काट रहे बीजेपी के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया गुरुवार सुबह रिहा कर दिए गए। रिहाई के समय उनकी पत्नी पूर्व बीजेपी विधायक नीलम करवरिया और अन्य समर्थक भी जेल के बाहर मौजूद रहे। राज्य सरकार ने अच्छे चाल चलन की वजह से समय पूर्व उनकी रिहाई का आदेश दिया है। यह आदेश 19 जुलाई को जारी हुआ था। कागजी खानापूर्ति में पांच दिन और लग गए। प्रयागराज की राजनीति में बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में पहचान रखने वाले पूर्व विधायक उदयभान करवरिया और उनके बड़े भाई पूर्व बसपा सांसद कपिल मुनि करवरिया और छोटे भाई पूर्व एमएलसी सूरजभान करवरिया के अलावा रिश्तेदार रामचंद्र त्रिपाठी (कल्लू) को जवाहर यादव हत्याकांड में उम्र कैद मिली थी। 13 अगस्त 1996 को जवाहर की हत्या कर दी गई थी। जेल से निकलने के बाद उदयभान ने कहा कि हम तो प्रोफाइल का शिकार होकर फंस गए। राजनीति के षड्यंत्र में 10 साल की जेल काटना पड़ा। हमने समाज की सेवा की है और आगे भी करना है। उनके आगे की प्राथमिकता के सवाल पर उनका कहना है कि पत्नी का इलाज पहली प्राथमिकता है। पत्नी नीलम करवरिया को लीवर सिरोसिस है। उनका लीवर ट्रांसप्लांट कराना काफी जरूरी है। उनका स्वास्थ्य कैसे बेहतर हो यह पहले देखना है। राजनीति में आगे की भूमिका के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी राजनीति करेगी। जवाहर पंडित हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व विधायक उदयभान करवरिया 10 साल बाद नैनी सेंट्रल जेल से रिहा हुए। कारागार शासन ने उनके अच्छे चाल चलन की वजह से उनकी सजा में छूट दी है। उदयभान की रिहाई के बाद यूपी की सियासत में हलचल तेज हो गई है। समय से पहले उनकी रिहाई पर सवाल उठने लगे हैं। लोग ये भी कह रहे हैं कि अब प्रयागराज का सियासी समीकरण बदलेगा और इसका असर फूलपुर उपचुनाव पर भी पड़ सकता है।

दिनदहाड़े एके-47 से की गई थी जवाहर की हत्या

13 अगस्त 1996 को करवरिया भाइयों ने दिनदहाड़े समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी। यह पहली बार था, जब इलाहाबाद में एके-47 से किसी की हत्या की की गई थी। इस मामले में कोर्ट ने 4 नवंबर 2019 में करवरिया भाइयों और उनके साथी रामचंद्र त्रिपाठी उर्फ कल्लू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर 70 लाख की स्मैक बरामद, बहराइच के दो तस्कर गिरफ्तार

बहराइच, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत- नेपाल सीमा पर वन्य जीवों से लेकर मादक पदार्थ तक की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही। एसएसबी और पुलिस के जवान नेपाल बॉर्डर पर तस्करी और अन्य गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार सघन चेकिंग अभियान चला रहे है। फिर भी तस्करी का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। संयुक्त अभियान में कल दो तस्कर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 140 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जिसे सीज कर दिया गया है। बहराइच जिले के रुपईडीहा नेपाल बॉर्डर पर थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड पर पुलिस और एसएसबी के जवान चेकिंग अभियान चला रहे थे। बीती देर रात करीब 9 बजे के आस-पास चेकिंग के दौरान रिसिया थाना के गांव निबिया हुसैनपुर के रहने वाले भूरे उर्फ जियाउल हक पुत्र हसरत अली तथा बहराइच के पानी टंकी सलारगंज के रहने वाले सिराज पुत्र करमचंद को रोक कर पुलिस और एसपी के जवानों ने पूछताछ किया। तो वह कोई समुचित उत्तर नहीं दे सके। तलाशी के दौरान जियाउल हक के कब्जे से 75 ग्राम और सिराज के कब्जे से 65 ग्राम कुल 140 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया है। बरामद स्मैक को सीज कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 70 लाख रुपए है।

बांग्लादेश की महिला दरभंगा में कर रही थी गंदा कारोबार, पुलिस ने किया पासपोर्ट जब्त

दरभंगा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा में एक ऐसे रैकेट का खुलासा हुआ है जिसे बांग्लादेश की महिला चला रही थी। शहर के लहेरियासराय थाने की पुलिस ने देह व्यापार में संलिप्त एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान दो लड़कियां भी पकड़ी गई हैं। जिनसे पूछताछ की जा रही है। एक स्थानीय पुरुष को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। यहां के रिहायशी इलाके में महिला काफी समय से यह रह रही थी। उसके इस कारोबार के बारे में किसी को कानों कान खबर नहीं थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया है।

संदिग्ध अवस्था में मिले लोग

ल हे रि या स रा य पुलिस ने बताया कि उसे सूचना मिली थी कि बेंता मोहल्ले में देह व्यापार का रैकेट चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापेमारी की। पुलिस ने वहां से संदिग्ध अवस्था में कुछ लोगों को पकड़ा। पूछताछ के दौरान पता चला कि जिस महिला के घर में संदिग्ध अवस्था में लोग मिले हैं वो बांग्लादेश के बांगर जिला की रहनेवाली है। मामले की सूचना मिलने पर सिटी एसपी शुभम आर्य व सदर एसडीपीओ अमित कुमार जांच के लिए लहेरियासराय थाना पहुंचे। फिलहाल पुलिस ज्यादा कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। पुलिस का कहना है कि तुरंत कुछ भी कह देना जल्दबाजी होगी। पुलिस बांग्लादेशी महिला के साथ-साथ दरभंगा की महिला और उस पुरुष से भी पूछताछ कर रही है।

देह व्यापार का बड़े रैकेट की आशंका

इस मामले में सिटी एसपी ने बताया कि पूछताछ के बाद पता चला कि उस घर में देह व्यापार का धंध चल रहा था। कई युवती इस महिला के संपर्क में है। जांच के क्रम में कुछ युवतियों का भी नाम सामने आया है। ये लोग अधिकतर लोकल एरिया में ही देह व्यापार करवाते हैं। इनका बड़े पैमाने पर अवैध धंधा चलता है। यह गिरोह ऑनकॉल भी लड़कियां भेजता है। लड़कियों को होटल या अन्य स्थानों पर पहुंचाया जाता था। सिटी एसपी ने बताया कि आस पास के अन्य जिलों से भी इनका नेटवर्क जुड़े होने की बात सामने आई है। इन लोगों के मोबाइल की जांच की जा रही है। अभी तक जांच में कई लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस के द्वारा हरेक पहलू पर काम किया जा रहा है।

गबन की आरोपित सीडीपीओ पूर्णिया में बन गईं डीपीओ, डीएसपी ने दिया गिरफ्तारी का आदेश

पूर्णिया, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कटिहार जिले के बारसोई में गबन की आरोपित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) पूर्णिया की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) बन गई हैं। पूर्णिया की डीपीओ सह बारसोई की पूर्व सीडीपीओ अनीता कुमारी पर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए आवंटित चावल बेचने का आरोप है। उनके विरुद्ध बारसोई के आबादपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज है। उसी सीडीपीओ को 30 जून को तबादले के बाद पहले तो पूर्णिया के बनमनखी प्रखंड का सीडीपीओ बनाया गया फिर पदस्थापना के महज 20 दिनों के बाद ही उन्हें जिला बाल विकास के डीपीओ का प्रभार दे दिया गया। उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में बारसोई डीएसपी ने मामले को सत्य पाते हुए गिरफ्तारी का आदेश दिया है। यद्यपि इस आदेश का अनुपालन पुलिस अधीक्षक की अंतिम मुहर लगने पर ही होगा।

'मैंने एमवॉय समीकरण को यूपी में हरा दिया' अखिलेश यादव के नए दावे से मची सियासी हलचल

कन्नौज, 25 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल को दिए एक साक्षात्कार में कहा है कि पूरा देश ऐसे ही परिणाम का इंतजार कर रहा था जो साल 2024 के लोकसभा चुनाव में आएं हैं। उन्होंने दावा किया कि यूपी की वजह से भारतीय जनता पार्टी को केंद्र में बहुमत नहीं मिला। सपा प्रमुख ने कहा कि जनता ने हमें सहयोग किया। जहां वो 80 में 80 सीटें हासिल करने का दावा कर रहे थे वहां यूपी की जनता ने उन्हें रोका। जो जनता चाहती थी वह हमने मुद्दे उठाए। लोकसभा क्षेत्र में लोग जिस नेता को चाह रहे थे हमने उसे प्रत्याशी बनाया। परिणाम यह हुआ कि पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में जीते भले हो लेकिन वोट से हार गए। कन्नौज सांसद ने कहा कि यूपी बीजेपी में सिर्फ 2 नेताओं की लड़ाई नहीं है। बल्कि दिल्ली और लखनऊ में बीच टसल है। कपिल सिब्बल के एक सवाल के जवाब में टिकट वितरण पर अखिलेश ने कहा कि बीजेपी हम पर आरोपी लगाती थी कि हमारे पास केवल एमवॉय वोट समीकरण था लेकिन मुझे बीजेपी के एमवॉय (मोदी और योगी) को हराना था इसलिए रणनीति बदली और पीडीए की ओर आगे बढ़े। अखिलेश ने कहा कि हमने आरक्षण, संविधान का मुद्दा उठाया और इसका परिणाम यह हुआ कि जनता हमारे साथ जुड़ी। जो लोग यूपी में 80 की 80 सीटों का सपना देख रहे थे वह इसी राज्य की वजह से बहुमत नहीं हासिल कर सके। सपा नेता ने कहा कि बीते कुछ समय से हम चुनाव हार रहे थे। हमारे पास बीजेपी के बराबर संसाधन नहीं हैं इसलिए हमने अपने कार्यकर्ताओं को बूथ तक जोड़ने का संदेश दिया जिसका परिणाम आज हमारे सामने है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि चुनाव में प्रशासन उनके साथ था।

बांग्लादेश से लाई जा रहीं युवतियों का ट्रेनिंग सेंटर बना कानपुर, जेल में बंद नाजमा से पूछताछ में खुलासा

कानपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में कल्याणपुर से पकड़ी गई बांग्लादेशी युवती नाजमा से पूछताछ में बांग्लादेश से दिल्ली और देश के अन्य शहरों के बीच चल रहे मानव तस्करी के काले कारोबार और कानपुर को बतौर ट्रेनिंग सेंटर इस्तेमाल करने की बात सामने आई है। पता चला है कि हर साल सैकड़ों लड़कियां बांग्लादेश से घरेलू काम के नाम पर भारत पहुंचाई जा रही हैं। दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों में एंट्री ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल की सख्ती के चलते लड़कियों को कानपुर लाकर कुछ समय के लिए रखा जाता है। यहां घरेलू कामकाज की ट्रेनिंग लेती हैं। इस बीच वह अपनी नई पहचान और दस्तावेज बनने व नौकरी मिलने का इंतजार करती हैं। इसके बाद ज्योति निषाद जैसी युवतियों को उन्हें एजेंसियों तक पहुंचाने का जिम्मा सौंपा जाता है। दरअसल, नाजमा ने पूछताछ के दौरान अधिकारियों को बताया कि पकड़ी गई दिल्ली निवासी ज्योति निषाद एक ऐसी ही एजेंसी के साथ जुड़ी हुई है।

डेंगू बीमारी की रोकथाम के लिए सभी को काम करना चाहिए : विजयलक्ष्मी

* महापौर ने जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर नगर निगम की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि डेंगू बीमारी की रोकथाम के लिए सभी को काम करना चाहिए। डेंगू की रोकथाम के तहत स्वयंसेवकों के रूप में पहचाने गए छात्रों के लिए गुरुवार को फिल्म क्लब वेंकटेश्वर कॉलोनी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि जिन छात्रों को स्वयंसेवक के रूप में चिन्हित किया गया है, उन्हें अपनी-अपनी कॉलोनियों में डेंगू बीमारी के बारे में पूरी तरह से जागरूक किया जाना चाहिए। डेंगू रोग को फैलने से रोकने के लिए पर्यावरण की स्वच्छता महत्वपूर्ण

है। महापौर ने सुझाव दिया कि मित्रों और कॉलोनीवासियों को जागरूक किया जाए कि घर और घर के आसपास साफ-सफाई रखी जाए।मेयर ने छात्रों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घर में पुराने कूलरों, टायरों और पौधों के गमलों में पानी जमा न हो और स्वयंसेवकों को कॉलोनीवासियों को हर शुक्रवार को शुष्क दिवस के रूप में मनाने के लिए शिक्षित करना चाहिए। स्कूलों में शिक्षकों को प्रार्थना के दौरान आसपास की साफ-सफाई और मच्छरों से बचाव के उपाय भी बताने चाहिए। पानी जमा करने से बचने के लिए कदम उठाने की सलाह दी जाती है क्योंकि रुके हुए पानी में मच्छरों के पनपने की संभावना होती है। उन्होंने कहा, इस संबंध में, जीएचएमसी ने मच्छरों के प्रसार को रोकने के लिए व्यापक उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्यक्रम लोगों की भागीदारी से ही सफल होगा और वे आने वाली पीढ़ियों को इसके प्रति जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू ने स्वयंसेवकों को प्रदर्शन के माध्यम से समझाया। इस बैठक में उपायुक्त प्रशांति सीनियर एंटोमोलॉजी और अन्य ने भाग लिया।

हवाई अड्डे पर अब कैब की कमी नहीं

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने व्यस्त समय के दौरान ऐप-आधारित और उच्च मांग वाली कैब की कमी से निपटने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। हवाई अड्डा प्रबंधन ने इस समस्या को कम करने के उद्देश्य से यात्री और चालक-अनुकूल समाधान तैयार करने के लिए विभिन्न कैब ऑपरेटरों के साथ बातचीत की है। प्रमुख प्रयासों में अतिरिक्त सेवा प्रदाताओं से पर्याप्त कैब सुनिश्चित करना तथा यात्रियों के लिए रद्दीकरण शुल्क माफ करने के लिए कैब एग्रीगेटर्स ओला और उबर के साथ सहयोग करना शामिल है। परिवहन संबंधी पूछताछ में सहायता के लिए अतिरिक्त यात्री सेवा सहयोगियों को तैनात किया गया है, तथा एक हेल्प डेस्क भी उपलब्ध है। इसके अलावा, बस यात्रियों के लिए पैदल दूरी कम करने के लिए टीजीएसआरटीसी पुष्पक बोर्डिंग पॉइंट को स्थानांतरित कर दिया गया है। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने कहा, आगमन क्षेत्र में वास्तविक समय की कैब उपलब्धता प्रदर्शित करने के प्रयास भी चल रहे हैं, जिससे यात्रियों को अपना पसंदीदा परिवहन चुनने में मदद मिलेगी। अनधिकृत ऑपरेटरों द्वारा यात्रियों को असुविधा पहुंचाने से रोकने के लिए राज्य पुलिस के सहयोग से एक विशेष गश्ती दल का गठन किया गया है।

झूठे रिफंड दावों पर होगी कानूनी कार्रवाई : आशीष शुक्ला

* आईटीआर 31 जुलाई तक जमा करना होगा

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग के संयुक्त आयुक्त आशीष कुमार शुक्ला ने सलाह दी कि करदाताओं को कोई गलत दावा नहीं करना चाहिए और नियमों के अनुसार आईटीआर (आयकर रिटर्न) दाखिल करना चाहिए। गुरुवार को, आयकर विभाग के अधिकारियों ने जीएचएमसी मुख्यालय के बैठक हॉल में जीएचएमसी के विभिन्न विभागों के आहरण और संवितरण अधिकारियों, जोनल और सर्कल अधिकारियों और स्थापना क्लर्कों को आईटीआर दाखिल करने, टैक्सी भुगतानकर्ताओं की जिम्मेदारियों, कर चोरी, झूठे रिफंड दावों, कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। आईटी नियमों के अनुसार, आय फाइलिंग और अन्य मुद्दों पर जागरूकता दी गई। इस मौके पर आशीष कुमार शुक्ला ने कहा कि इनकम फाइलिंग में सभी प्रकार की आय का ब्योरा देना चाहिए, छूट और कटौती से संबंधित दस्तावेज डीडीओ के पास जमा करने चाहिए। कोई भी गलत विवरण न दें। इसी तरह, आईटीआर दाखिल करते समय क्रॉस चेक करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा, आयकर रिटर्न नई/पुरानी व्यवस्था में दाखिल किया जा सकता है। आईटीआर इस महीने की 31 तारीख से पहले जमा किया जाना चाहिए और आईटीआर सबमिशन में दस्तावेज ठीक से जमा किए जाने चाहिए। संबंधित डीडीओ को कर्मचारियों के संबंध में कुल आय, कटौती आदि की जांच करनी चाहिए। उचित रूप से सही आईटीआर दाखिल करने और जमा करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई शंका हो तो वे सीधे बशीरबाग स्थित उनके कार्यालय में आकर अपनी शंकाओं का समाधान करा सकते हैं। बाद में कई अधिकारियों व कर्मचारियों ने सवालों के जवाब दिए और शंकाओं का समाधान किया। जीएचएमसी की अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, लेखा अधिकारी के मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, आयकर विभाग के अधिकारी वेणुगोपाल, वंदना, जीएचएमसी के विभिन्न विभागों के अधिकारी, जोनल, सर्कल अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया।

तेलंगाना की विकास दर राष्ट्रीय विकास दर से कम : भट्टी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जानकारी दी है कि तेलंगाना की विकास दर राष्ट्रीय विकास दर से कम है। विधानसभा में गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य सरकार का पूर्ण बजट पेश करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने इसी अवधि के दौरान 7.6 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है और तेलंगाना ने 7.4 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि तेलंगाना की विकास दर राष्ट्रीय विकास दर से कम है।' उन्होंने कहा कि 2023-24 में तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 14,63,963 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.9 प्रतिशत अधिक है और कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यह वृद्धि दर 9.1 प्रतिशत है।

यह कहते हुए कि तेलंगाना की आर्थिक सेहत खतरे में पड़ सकती है, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजस्व सृजन के साथ व्यय को संतुलित करने और उधार पर निर्भरता कम करने के उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि 2023-24 में तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 3,47,229 रुपये है, जबकि देश की प्रति व्यक्ति आय 1,83,236 रुपये है। भट्टी विक्रमार्क ने बताया, राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 1,64,063 रुपये अधिक है। साथ ही, विभिन्न जिलों में भारी असमानता है। उदाहरण के लिए, रंगारेड्डी जिले की प्रति व्यक्ति आय 9,46,862 रुपये है, जबकि विकाराबाद की प्रति व्यक्ति आय 1,80,241 रुपये है। यह दर्शाता है कि जिलों के बीच आर्थिक विकास में भारी असमानता है और राज्य सरकार जिलों के बीच इस अंतर को पाटने के लिए कदम उठाएगी।'

हवाई अड्डे पर मानसून के दौरान यात्रा संबंधी सलाह जारी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) ने मानसून यात्रा सलाह जारी की है, जिसमें यात्रियों से मौसम की स्थिति के बारे में जानकारी रखने और उसके अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने का आग्रह किया गया है।

परामर्श में यात्रियों को मौसम पूर्वानुमान की जांच करने तथा बारिश के कारण होने वाली संभावित बाधाओं के कारण वैकल्पिक परिवहन विकल्पों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यात्रियों को सलाह दी गई कि वे हवाई अड्डे तक आने-जाने के लिए अतिरिक्त समय रखें, क्योंकि मानसून संबंधी समस्याओं के कारण देरी हो सकती है।

आईटी कंपनियों को किराये पर बसें उपलब्ध कराएगी आरटीसी

* अधिकारियों से किया गया विचार-विमर्श, यातायात जाम को रोकने की कवायद

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) जो शहर में हमेशा व्यस्त रहने वाले आईटी कॉरिडोर के लिए विशेष सेवाएं चला रहा है, अब मासिक किराये के आधार पर आईटी फर्मों को बसें उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है।

मेट्रो एक्सप्रेस के अलावा, शहर की साधारण और मिनी एयर-कंडीशनिंग बसें अलग-अलग मूल्य सीमा पर किराए पर उपलब्ध होंगी। हाल ही में यातायात प्रबंधन एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है, विशेष रूप से व्यस्त समय के दौरान, क्योंकि आईटी कम्पनियों द्वारा बड़ी संख्या में कारों को किराये पर लिया जाता है, तथा आईटी कॉरिडोर में निजी कारों की संख्या भी बढ़ गई है।

सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) ने आईटी फर्मों और

टीजीएसआरटीसी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया और यह महसूस किया गया कि आईटी कंपनियों के लिए बसें चलाकर यातायात जाम को कुछ हद तक रोका जा सकता है। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा आईटी फर्मों को किराए पर आरटीसी बसें उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। आरटीसी अब तक शहर के विभिन्न हिस्सों और मेट्रो स्टेशनों से आईटी कॉरिडोर के विभिन्न कार्यालयों तक विशेष बसें चला रहा है और अब अधिकारियों ने इन कंपनियों को किराए पर बसें उपलब्ध कराने का फैसला किया है। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों और सॉफ्टवेयर फर्मों और आईटी कॉरिडोर के अन्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक में इस मुद्दे पर आगे चर्चा की गई।

आईटी फर्मों के साथ चर्चा करने और बसों की ज़रूरत और उनके रूट के बारे में जानकारी जुटाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने हैं।

आरटीसी अधिकारियों का इरादा आईटी फर्मों द्वारा बसों को चलाए जाने वाली दूरी के आधार पर मासिक किराया वसूलने का है। इस बीच, आईटी कंपनियों ने बस परिवहन का लाभ उठाने में रुचि रखने वाले कर्मचारियों का विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनियों को सलाह दी गई है कि वे आरटीसी बसों का उपयोग केवल अपने कर्मचारियों को कार्यालयों तक ले जाने और वापस उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए करें, और किसी अन्य उद्देश्य के लिए उनका उपयोग न करें।

राचकोंडा पुलिस आयुक्त ने मेडिपल्ली पुलिस स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू ने राचकोंडा आयुक्तालय में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के हिस्से के रूप में विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए आज मेडिपल्ली पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस मौके पर स्टेशन के आसपास का निरीक्षण किया गया। स्टेशन में रिकॉर्ड की जांच करने के अलावा, उन्होंने रिसेप्शन, पेट्रोलिंग स्टाफ और सीसीटीवी के रखरखाव जैसे विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों के स्टाफ को हमेशा अलर्ट रखें। उन्होंने थाने में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

हैदराबाद में कचरे का खराब प्रबंधन

केटीआर ने की कांग्रेस की आलोचना

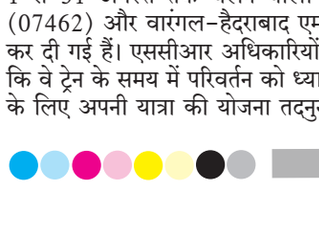

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर भर में लगे कूड़े के ढेर पर प्रकाश डालते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व एमएएंडयूडी मंत्री केटी रामा राव ने गुरुवार को लापरवाही के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में रामा राव ने दावा किया कि घर-घर से कचरा संग्रहण का काम करने वाले लगभग 1,000 स्वच्छ ऑटो अपना कर्तव्य पूरा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि इसकी देखरेख करने वाले अंशकालिक नगर निगम मंत्री विधायक दिल्ली के चक्कर लगाने में व्यस्त हैं। सरकार को अपनी नींद से जागना चाहिए। शहर को साफ रखना चाहिए। नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों और कॉलोनियों में कूड़ा-कचरा जमा होने के कारण मच्छर पनप रहे हैं और लोग डेंगू, मलेरिया और डायरिया जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं।

स्कूटर से गिरकर दिहाड़ी मजदूर की मौत

मंचेरियल, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कासिपेट मंडल के सोमागुडेम गांव में गुरुवार को स्कूटर फिसलने से 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। कासिपेट के सब-इंस्पेक्टर वी प्रवीण कुमार ने बताया कि कासिपेट मंडल केंद्र के दिहाड़ी मजदूर पेंजेरला लक्ष्मण को सिर में गंभीर चोटें आईं, जब वह गड्ढे वाली सड़क पर स्कूटर से गिर गए, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई। वह कासिपेट से सोमागुडेम जा रहे थे और उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। लक्ष्मण के पिता पी बापू ने शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

1 अगस्त से वारंगल जाने वाली दो ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सिकंदराबाद डिवीजन पर ट्रैक रखरखाव कार्यों के लिए यातायात अवरोध के कारण 1 से 31 अगस्त तक चलने वाली सिकंदराबाद-वारंगल एमईएमयू (07462) और वारंगल-हैदराबाद एमईएमयू (07463) ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। एससीआर अधिकारियों ने रेल यात्रियों से अनुरोध किया कि वे ट्रेन के समय में परिवर्तन को ध्यान में रखें तथा असुविधा से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं।

मुठभेड़ में मारा गया नक्सली

कोत्तागुडेम, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम और मुलुगु जिलों की सीमा पर स्थित जंगलों में गुरुवार को पुलिस और माओवादियों के बीच हुई गोलीबारी में एक नक्सली मारा गया।

यह घटना उस समय हुई जब ग्रेहाउंड बल और विशेष दल के जवान जिले के गुंडाला मंडल के दमारातोगु-रंगपुरम में तलाशी अभियान चला रहे थे। मृत नक्सली मुलुगु जिले के घनपुर मंडल के बुद्धराम गांव का अशोक बताया गया है।

गूगल मैप्स ने भारत के लिए नए फीचर किए पेश

> फ्लाईओवर और ईवी चार्जिंग स्टेशनों के बारे में देगा अलर्ट

> हैदराबाद समेत कई महानगरों में जल्द ही शुरू होगी सुविधा

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गूगल ने गुरुवार को भारत में मैप्स के माध्यम से अधिक कुशल और टिकाऊ यात्रा को सक्षम करने के लिए कई नई सुविधाओं की घोषणा की, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्थानीय भागीदारों द्वारा संचालित हैं।

कंपनी ने कहा कि वह भारत में मैप्स उपयोगकर्ताओं के लिए एक नया फीचर पेश कर रही है, जिसे चार पहिया वाहन चलाते समय संकरी सड़कों के इस्तेमाल को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी शुरूआत सड़क की चौड़ाई का अनुमान लगाने से होती है, जो भारत के विशाल और विविध सड़क नेटवर्क को देखते हुए अविश्वसनीय रूप से जटिल है।

गूगल मैप्स की उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक मिरियम डैनियल ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए हमने विशेष रूप से भारतीय सड़कों के लिए एक एआई मॉडल विकसित किया है, जिसमें कई सिग्नल शामिल हैं- उपग्रह इमेजरी, स्ट्रीट व्यू और

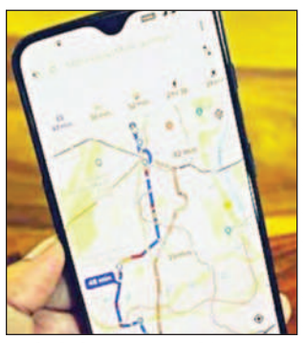

अन्य जानकारी जैसे सड़क के प्रकार, इमारतों के बीच की दूरी, पक्के हिस्से आदि, ताकि सड़क की चौड़ाई का अनुमान लगाया जा सके। अब, चार पहिया वाहन चालक कम तनावपूर्ण ड्राइविंग अनुभव का आनंद ले सकते हैं और इससे बाइक चालक, पैदल यात्री और अन्य यात्री भी लाभान्वित होंगे जो अब इन संकरी सड़कों का अधिक सुरक्षित और आत्मविश्वास से उपयोग कर सकते हैं। कंपनी मैप्स डायरेक्शन और नेविगेशन स्क्रीन में 'स्पष्ट कॉलआउट' भी जोड़ रही है, ताकि उपयोगकर्ताओं को आपके मार्ग के संकीर्ण खंडों के बारे में सचेत किया जा सके, ताकि वे सावधानी से आगे बढ़ सकें या वैकल्पिक मार्ग चुन सकें।

कंपनी इस सप्ताह 8 शहरों- हैदराबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, कोयम्बटूर, इंदौर, भोपाल, भुवनेश्वर और गुवाहाटी में एंड्रॉइड डिवाइसों पर यह सुविधा शुरू कर रही है और जल्द ही इसे आईओएस और अन्य शहरों में भी लाने की योजना बना रही है।

तेलंगाना के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट

हैदराबाद में लगातार बूंदाबांदी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लगातार सातवें दिन भी आसमान बादलों से ढका रहा तथा रातभर बारिश हुई। गुरुवार सुबह तक बूंदाबांदी जारी रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें पूरे दिन हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया गया है। येलो अलर्ट जगतियाल, जनगांव, कामारेड्डी, करीमनगर, महबूबनगर, मेदक, मेडचल-मलकजगिरी, नलगोंडा, नारायणपेट, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, राजन्ना सिरसिला, रंगारेड्डी, संगारेड्डी और सिद्दीपेट के अलग-अलग इलाकों के लिए जारी किया गया है।

निवासियों को सलाह दी गई है कि वे संभावित खराब होती स्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें। गुरुवार को सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों के दौरान दर्ज की गई बारिश में लंगर हाउस में 9 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद हैदरनगर में 8.8 मिमी, यूसुफगुडा में 8.5 मिमी, गाचीबोवली में 8.5 मिमी और हैदराबाद विश्वविद्यालय में 8.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। कई अन्य इलाकों में भी हल्की बारिश की खबर है। आईएमडी ने अगले 5 दिनों तक हैदराबाद में लगातार बारिश का अनुमान जताया है।

ट्रक से बाइक की टक्कर में 3 युवकों की मौत

संगारेड्डी, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कंडी मंडल के तुनीकिल्ला थांडा में नांदेड़-अकोला राजमार्ग पर गुरुवार सुबह सड़क दुर्घटना में 3 युवकों की मौत हो गई। पीड़ित पुलकल मंडल के गंगोजीपेट और इसजोजीपेट के निवासी थे और कंडी स्थित अक्षय पात्र फाउंडेशन में काम करते थे। वे सुबह की शिफ्ट के लिए कांडी की ओर जा रहे थे, तभी उनकी बाइक उसी दिशा में जा रहे एक डीसीएम ट्रक से टकरा गई। तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान अभिषेक, संदीप और नवीन के रूप में हुई है, जिनकी उम्र 28 साल से कम है। दुर्घटना का कारण लापरवाही से गाड़ी चलाना माना जा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए संगारेड्डी सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

संगारेड्डी में मंदिर की हुंडी चोरी

संगारेड्डी, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात बदमाशों ने बुधवार आधी रात को पाटनचेरू मंडल के नंदीगामा गांव में देवी दुर्गा मंदिर से हुंडी चुरा ली। दो बाइकों पर 4 बदमाश मंदिर पहुंचे और हुंडी उठा ले गए। बीडीएल भानुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बदमाशों की पूरी हरकत सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

चेवेल्ला में ट्रैफिक पुलिस ने की दो लोगों की सरेआम पिटाई

> सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

> ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई की हुई आलोचना

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला में एक यातायात पुलिस अधिकारी और एक कांस्टेबल ने दो व्यक्तियों की सार्वजनिक रूप से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई की व्यापक आलोचना हुई और यह घटना एक सप्ताह पहले जीडीमेटला में एक सब इंस्पेक्टर द्वारा ट्रक ड्राइवर को थप्पड़ मारने और उसकी पिटाई करने के बाद हुई।

वीडियो में ट्रैफिक पुलिस अधिकारी सड़क किनारे खड़े 3 लोगों की तरफ बढ़ते हुए और उनमें से एक को पीटते हुए दिखाई दे रहा है। अधिकारी ने उस व्यक्ति को उसके कॉलर से पकड़ा और बाद में उसे सबके सामने लात

मारी। पुलिस अधिकारी के साथ मौजूद एक ट्रैफिक कांस्टेबल ने पहले व्यक्ति के साथ मौजूद दूसरे व्यक्ति की पिटाई कर दी। इंस्पेक्टर की पहचान वेंकटेशम, इंस्पेक्टर (यातायात) चेवेल्ला यातायात पुलिस स्टेशन और कांस्टेबल की पहचान जे श्रीनू और दूसरे पुलिसकर्मी की पहचान केशव के रूप में हुई है। हालांकि, उनका पक्ष जानने के लिए उनसे संपर्क करने के कई प्रयास विफल रहे, क्योंकि इंस्पेक्टर ने फोन कॉल का जवाब नहीं दिया।

एसयूडीए पार्क की हो रही उपेक्षा

खम्मम, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम के पास रघुनाथपालेम में दो साल पहले 14.37 एकड़ भूमि पर विकसित एसयूडीए पार्क सह ब्रहत पल्ले प्रकृति वनम उपेक्षा की स्थिति में है। कभी स्थानीय लोगों के लिए आराम करने की जगह के रूप में इस्तेमाल किया जाने वाला यह पार्क अब रखरखाव के अभाव में घास-फूस और जंगली पौधों से भरा हुआ है। पार्क में लगाई गई मूर्तियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं और इसमें लगा एक फव्वारा भी स्थानीय लोगों की निराशा के कारण ज्यादा काम नहीं कर रहा है। पार्क का विकास 2.06 करोड़ रुपये की लागत से किया गया, जिसमें से 1.5 करोड़ रुपये स्तम्भाद्री शहरी विकास प्राधिकरण (एसयूडीए) द्वारा प्रदान किए गए, जबकि 36 लाख रुपये मनरेगा के तहत और 20 लाख रुपये रघुनाथपालम ग्राम पंचायत द्वारा प्रदान किए गए। खम्मम-येल्लंडु रोड पर स्थित इस पार्क में 4.42 एकड़ में विकसित एक छोटा टैंक, एक फव्वारा, पैदल चलने का ट्रैक, खुला जिम, बच्चों का खेल क्षेत्र और विशाल वृक्षारोपण शामिल है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 26 जुलाई- 2024

बिहार और आंध्र पर मेहरबानी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश की झोली भर कर दोनों राज्यों का दिल जीत लिया है। दोनों राज्यों के लिए वित्तीय सहायता देने के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं अन्य प्रोजेक्ट के लिए केंद्रीय मदद की घोषणा की है। दोनों राज्यों को केंद्र से कुल कितने करोड़ रुपये मिलेंगे, यह आंकड़ा अभी साफ नहीं है। इनकी रकम अलग-अलग योजनाओं के जरिये लंबी अवधि में दी जाएगी। इसके बावजूद दोनों राज्यों को करीब 74 हजार करोड़ रुपये की सीधी मदद का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कुल 42.12 लाख करोड़ का बजट पेश किया, मगर हंगामा बिहार और आंध्र को मिले विशेष पैकेज पर बरपा है। विपक्ष का आरोप है कि बजट एनडीए के सहयोगी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को खुश करने के लिए बनाया गया। विपक्ष शासित राज्यों को नजरंदाज किया गया है। लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बिहार और आंध्र के लिए की गई घोषणाओं को जरूरी बताया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत 2014 से ही केंद्र सरकार इस दिशा में काम कर रही है। तेलंगाना और आंध्र के पिछड़े जिलों के लिए पिछले 10 साल से फंड और प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। इन राज्यों में एम्स, ट्रिपल आईटी और आईआईटी जैसे संस्थान खोले गए। उन्होंने कहा कि आंध्र की बहु प्रतीक्षित पोलावरम प्रोजेक्ट को पूरा करने में देरी हुई। चूंकि यह नेशनल प्रोजेक्ट है, इसलिए बजट में इसके लिए विशेष प्रावधान किया गया। आंध्र प्रदेश देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां राजधानी नहीं है। नई राजधानी विकसित करने के लिए फंड देना जरूरी है। बिहार को लेकर भी वित्त मंत्री ने कहा कि कोसी नदी की बाढ़ के कारण होने वाले नुकसान से कैसे इनकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोसी को नियंत्रित करने भारत ने नेपाल में डैम बनाने के कई प्रयास किए। इसके नतीजे का अभी भी इंतजार है, इसलिए लोगों को त्रासदी के बचाने के लिए कुछ करने का फैसला लिया गया है। बिहार सरकार ने कोसी-मेची डैम बनाने के साथ 20 दूसरे प्रोजेक्ट का प्रस्ताव भेजा था, जिसे केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है। विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि बजट कुछ राज्यों के नाम लेने के कारण विपक्ष भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है, जबकि बजट में सभी राज्यों के लिए योजनाएं हैं। बता दें कि वित्त मंत्री ने आंध्र प्रदेश और बिहार को वित्तीय सहायता देने का ऐलान किया था। बिहार में राजमार्ग के 26 हजार करोड़ रुपये, पावर प्लांट के लिए 21 हजार करोड़ के अलावा बाढ़ नियंत्रण के लिए 11500 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा नए एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में भी केंद्र मदद करेगा। बिहार को गया के विष्णुपद मंदिर और बोधगया के महाबोधि मंदिर कॉरिडोर बनाने के लिए फंड दिया जाएगा। पूर्वोदय प्रोजेक्ट से भी बिहार को फायदा मिलेगा। अनुमान के मुताबिक विभिन्न प्रोजेक्ट के जरिये बिहार के खाते में करीब 60 हजार करोड़ से अधिक रुपये जाएंगे । आंध्र प्रदेश को अमरावती के विकास करने के लिए 15 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके अलावा पोलावरम प्रोजेक्ट, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, रेलवे और सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भी वित्तमंत्री ने अपना खजाना खोल दिया है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत रायलसीमा, प्रकाशम और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के लिए भी अनुदान देने की घोषणा की गई है। जाहिर है इतने बडे भंडार के मिलने के बाद दोनों ही राज्यों की किस्मत चमकते देर नहीं लगेगी।

महिलाओं पर नेताओं के बिगड़ते बोल

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति में छोटे-बड़े ऐसे कई नेता हुए हैं या हैं जिनकी जुबान का निशाना महिलाएं बनी हैं और फिर बवाल मचता रहता है। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तो हद कर दी । वे ऐसा कुछ बोलते है कि जनता सुन कर हैरान हो जाती है । पहले आपको ऐसे ही अब तक कुछ दूसरे नेताओं की जुबान से निकले महिलाओं पर नेताओं के बिगड़े कुछ बोल वचन के बारे में बताते है, फिर हम नीतीश कुमार पर आएंगे । किसी समय समाजवादी पार्टी प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में कहा था, जब लड़के और लड़कियों में कोई विवाद होता है तो लड़की बयान देती है कि लड़के ने मेरा बलात्कार किया। इसके बाद बेचारे लड़के को फांसी की सजा सुना दी जाती है। बलात्कार के लिए फांसी की सजा अनुचित है। लड़कों से गलती हो जाती है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी महिलाओं पर कई बार विवादित बयान दिए है । एक पार्टी कार्यक्रम में उन्होंने जयंती नटराजन को 'टंच माल' कह दिया था। दिग्गी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं, उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी ने उन्हें 'सठिया गए हैं' कहकर झिड़का था। शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। जेडीयू नेता शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। शरद यादव ने साउथ की महिलाओं को लेकर कहा था, 'साउथ की महिला जितनी ज्यादा खूबसूरत होती है, जितना ज्यादा उसकी बॉडी। वह पूरा देखने में काफी सुंदर लगती है। वह नृत्य जानती है।' महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब उन्होंने कहा था कि इस विधेयक के जरिए क्या आप 'परकटी महिलाओं' को सदन में लाना चाहते हैं। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था, महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए जिससे श्रद्धा पैदा हो न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं जिससे उत्तेजित हो जाते हैं लोग। बेहतर हैं कि महिलाएं लक्ष्मण रेखा में रहें। होली मिलन के एक कार्यक्रम में भाजपा नेता ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को 'महिलाओं का शौकीन' बताया था। छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद बंसीलाल महतो ने राज्य की लड़कियों के लिए ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया था जिसे लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी। महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं। समाज में बढ़ती बलात्कार की घटनाओं पर पूछे गए सवाल पर हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था, मेरे ख़्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं। चाऊमीन खाने से शरीर के हार्मोन में असंतुलन पैदा होता है। इसी वजह से इस तरह के कार्य करने का मन करता है। राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था, 'वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती हैं।' नेहरू और लेडी माउंटबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं। श्रीप्रकाश जायसवाल भाजपा नेता ने एक बार बयान दिया था कि नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरानी बीवी में वो मजा नहीं रहता । गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा स्व . मंत्री मनोहर पर्रिकर ने लड़कियों के शराब पीने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था- 'मैं डरने लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही है।' बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तो हद कर दी । सदन में बजट के दौरान विपक्षी विधायकों के हाय-हाय करने पर नीतीश कुमार भी कहने लगे, आप सब हाय हाय हैं, हाय हाय... हाय हाय! गुस्से में लाल नीतीश कुमार आरजेडी विधायक रेखा देवी पर बिफर पड़े. कहने लगे, 'अरे तुम महिला हो... कुछ जानती नहीं हो... कहां से आते हैं, इन लोगों ने कुछ किया है? 2005 के बाद महिला को हमने ही आगे बढ़ाया है... चुपचाप बात सुनो, अभी हम बोल रहे हैं । बिलकुल बिहार विधानसभा जैसा तो नहीं लेकिन राज्यसभा में भी मिलता जुलता ही वाकया देखने को मिला. बजट पर संसद के दोनों सदनों में चल रही चर्चा के दौरान राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस बार के बजट में केवल दो राज्यों को ही सरकार ने दिया है, बाकी किसी को कुछ नहीं मिला है. बीच में ही सभापति जगदीप धनखड़ ने बोला कि वित्त मंत्री आपके सवाल का जवाब देंगी. सभापति की बात पर मल्लिकार्जुन खरगे बोल पड़े, 'मैं बोल लेता हूं... क्योंकि वो तो बोलने में एक्सपर्ट हैं... माताजी बोलने में तो एक्सपर्ट हैं... वो तो बोल ही देंगी.'वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बारे में मल्लिकार्जुन खरगे को बीच में ही टोककर सभापति जगदीप धनखड़ ने बता दिया, वो तो आपकी बेटी के बराबर हैं. मल्लिकार्जुन खरगे 82 साल के हो रहे हैं जबकि निर्मला सीतारमण 64 साल की हैं । इसके पूर्व जब वे जब वे लालू की पार्टी के संग थे तब संपन्न जाति आधारित सर्वे के आंकड़े विधानसभा में पेश करते समय विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पापुलेशन कंट्रोल पर बात रखते समय कुछ ऐसा कह गए थे जिससे विवाद खड़ा हो गया था । दरअसल, जनसंख्या नियंत्रण और महिलाओं की पढ़ाई को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश सदन में कुछ बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कुछ ऐसा कह दिया जिस पर विधानसभा के अंदर भी विधायक सुनकर असहज हो गए। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं के साक्षरता बढ़ी है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अगर लड़कियां पढ़ी-लिखी रहेंगी तो जनसंख्या खुद पर खुद नियंत्रित हो जाएगी । उन्होंने कहा कि शादी के बाद तो पुरुष रात में रोज करता ही है ना। उसी में और बच्चा पैदा हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने जो कहा, उसको लेकर विवाद और बढ़ गया । नीतीश ने कहा कि लड़की अगर पढ़ लिख लेगी तो उसको भीतर मत.... उसको डालो । इसी में संख्या घट रही है। नीतीश कुमार के इस अजीबोगरीब बयान पर कुछ महिला विधायक नाराज दिखीं तो वहीं कुछ विधायक हंस भी रहे थे। बिहार विधानसभा के बाद नीतीश कुमार ने परिषद में भी ज्ञाने की बातें की। जनसंख्या नियंत्रण पर बातें करते-करते नीतीश कुमार परिषद में कुछ अधिक ही बोल गए। यहां पर उन्होंने वो बातें कह दी, जिसे हम लिख नहीं सकते हैं। नीतीश कुमार जब परिषद में बयान दे रहे थे, तब उनके पीछे बैठी एक महिला मंत्री कभी इधर तो कभी उधर देख रही थी। शायद में मंत्री जी के मन में चल रहा होगा कि गलत समय पर यहां बैठ गई। तब ही तो वह मुंह छिपाने का भी प्रयास कर रही थीं। परिषद में नीतीश ने जो कुछ भी कहा, उसे सुन हर कोई हैरान था। पक्ष और विपक्ष के विधायक भी नीतीश कुमार के बयान से परेशान थे। बिहार मुख्यमंत्री ने जो कुछ भी कहा, उसे सुन भाजपा की विधान पार्षद निवेदता सिंह रो बैठी थी । सदन से बाहर आने पर निवेदता सिंह ने कहा था कि नीतीश कुमार ने बिहार को शर्मसार करने का काम किया है। भाजपा नेत्री ने कहा था कि वे भी एक पिता हैं। हम भी मां, बहन, पत्नी और बेटी हैं। सदन में इस तरह का गंदा बयान देना कही से उचित नहीं है। निवेदिता सिंह ने कहा था कि सदन में महिला विधायक और एमएलसी मौजूद रहीं जिसका ख्याल नीतीश कुमार ने नहीं किया।

सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देती पाठ्यपुस्तकें

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) देश भर में शिक्षा को मा न की कृ त करने वाली पाठ्यपुस्तकों को विकसित और वितरित करके भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है। कई विषयों में सामाजिक और सांस्कृतिक कारक शामिल होते हैं और एक वैध पाठ्यक्रम में उन्हें यथासंभव ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाता है (हालांकि ऐसे विषयों में पूर्वाग्रह को बाहर करना कठिन है)। मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है। पूर्वाग्रह से बचने की कठिनाई भी उन विषयों में स्पष्ट है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें विविधता में एकता पर जोर देती हैं , छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के त्योहारों पर पाठ्य-पुस्तकों के अध्याय सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। पाठ्यपुस्तकों में ऐसी कहानियाँ और पाठ शामिल किए जाते हैं जो ईमानदारी, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । उदाहरण के लिए "ईमानदार लकड़हारा" जैसी कहानियाँ छात्रों को ईमानदारी और निष्ठा का महत्व सिखाती हैं। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें पुरुषों और महिलाओं को विभिन्न भूमिकाओं में चित्रित करके और समान अवसरों के महत्व पर जोर देकर लैंगिक समानता को बढ़ावा देती हैं ।उदाहरण के लिए महिला स्वतंत्रता सेनानियों और वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डालने वाले अध्याय लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करते हैं। पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने से छात्रों में प्रकृति और संधारणीयता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण के प्रभाव पर पाठ पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।

पाठ्यपुस्तकें आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे समस्या-समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए विज्ञान के अध्याय जिनमें प्रयोग और अवलोकन शामिल हैं, छात्रों को अपने आस-पास की दुनिया पर सवाल उठाने और उसका पता लगाने की शिक्षा देते हैं। मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय-केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द-गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज-समर्थक और पर्यावरण-समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मॉडलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। छात्रों के लिए मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म-मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के योगदान के साथ-साथ कुछ विकृत्यं भी है, जिन पर ध्यान देना समय की जरूरत है. एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इतिहास का विकृत संस्करण प्रस्तुत करने के लिए की जाती रही है पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इस बात के लिए की गई है कि वे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं जैसे हाशिए पर स्थित समुदायों के अनुभवों और योगदानों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए इन समुदायों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और उनके योगदानों को अक्सर कम दर्शाया जाता है, जिससे शिक्षा में समावेशिता की कमी होती है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पर लिंग, जाति और क्षेत्रीय रूढ़िवादिता को मजबूत करने का आरोप लगाया गया है, जो छात्रों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए महिलाओं को मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं में दिखाना या कुछ क्षेत्रों को पिछड़ा दिखाना रूढ़िवादिता को मजबूत कर सकता है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पुरानी मानी जाती है और वर्तमान सामाजिक मूल्यों एवं चुनौतियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, जिससे यह आज के छात्रों के लिए कम प्रासंगिक हो जाती है। उदाहरण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति, समकालीन सामाजिक मुद्दे और हाल की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित विषय अक्सर गायब होते हैं या अपर्याप्त रूप से कवर किए जाते हैं। कुछ पाठ्यपुस्तकों द्वारा प्रचारित रटने की पद्धति आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को हतोत्साहित करती है, तथा समझने की तुलना में याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। उदाहरण के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की तुलना में तथ्यात्मक याद पर जोर देने वाले अध्याय विषयों की सतही समझ को जन्म दे सकते हैं और आलोचनात्मक सोच के विकास में बाधा डाल सकते हैं। ऐतिहासिक रूप से और कुछ मौजूदा परिवेशों में पाठ्यक्रम ऐसे व्यक्तियों द्वारा विकसित किया जाता है जो विशिष्ट सिद्धांतों, जैसे कि धर्म, से जुड़े होते हैं और वह पाठ्यक्रम अपने पाठ्यक्रम को मान्य करने के लिए संस्कृति और समाज की एक पक्षपाती अवधारणा का उपयोग करता है। यही मूल कारण है कि गैर-धार्मिक लोग धार्मिक स्कूलों के लिए सार्वजनिक समर्थन के खिलाफ लड़ते हैं। हालाँकि, शिक्षा में वर्तमान क्रांति अब जहाँ पक्षपाती सांस्कृतिक सिद्धांतों (सांस्कृतिक, ऐतिहासिक मुद्दों के दोनों पक्षों पर) को सही पाठ्यक्रम के रूप में कानूनी रूप से लागू किया जा रहा है, युवा बच्चों की भविष्य की बौद्धिक क्षमताओं को समझना मुश्किल बना रहा है जो हमारी वयस्क आबादी बनेंगे। जबकि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ वे छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, समकालीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करने और छात्रों के बीच अधिक समग्र समझ को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक सामग्री को लगातार संशोधित और अद्यतन करना महत्वपूर्ण है।

हाई कोर्ट बेवजह ज़मानत पर रोक न लगाए

रजनीश कपूर

किसी भी अपराध के संबंध में निर्दोषता की धारणा एक कानूनी सिद्धांत है। जिसके अनुसार किसी भी अपराध के लिए आरोपी प्रत्येक व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसे दोषी साबित न कर दिया जाए। देश की शीर्ष अदालत ने अपने कई आदेशों में यह भी स्पष्ट किया है कि 'ज़मानत देना नियम है और जेल में रखना अपवाद।' परंतु आये दिन यह देखने को मिलता है कि जब भी किसी आरोपी को निचली अदालत से ज़मानत दी जाती है तो सरकारी एजेंसियाँ तुरंत उस फ़ैसले के ख़िलाफ़ हाई कोर्ट पहुँच कर रोक लगवा लेती हैं। बीते मंगलवार सुप्रीम कोर्ट ने इस चलन पर आपत्ति जताते हुए एक अहम फ़ैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय सिंह ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने धन शोधन के मामले में आरोपी परविंदर सिंह खुराना की याचिका पर सुनवाई करते हुए देश भर के हाई कोर्टों को यह निर्देश दिया कि, "कोर्ट को स्टे लगाने का अधिकार होता है, लेकिन किसी की जमानत पर यूं ही रोक नहीं लगाई जा सकती। सिर्फ असामान्य मामलों और असाधारण परिस्थितियों में ही ऐसा करना चाहिए। हाई कोर्ट को ऐसे मामलों में सोच समझकर फैसला देना चाहिए। सामान्य तौर पर हाई कोर्ट को जमानत के आदेशों पर रोक नहीं लगानी चाहिए।" उल्लेखनीय है कि मनी लॉड्रिंग के आरोपी परविंदर सिंह खुराना को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2023 में गिरफ़्तार किया था। लेकिन खुराना को ट्रायल कोर्ट से जून 2023 में ही बेल मिल गई थी, जिसके खिलाफ ईडी ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के बेल ऑर्डर पर रोक लगा दी। जिसे चुनौती देते हुए खुराना सुप्रीम कोर्ट पहुँचे। सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि, "एक साल तक एक शख्स बिना किसी कारण के जेल में सड़ रहा है।" केस की पिछली सुनवाई पर ईडी की तरफ़ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि खुराना को ज़मानत मिलते ही वो देश छोड़ कर जा सकता है। यदि वो देश छोड़ कर चला गया तो ज़मानत के क्या मायने? सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए यह स्पष्ट किया कि, "ज़मानत पर रोक केवल बहुत ही दुर्लभ मामलों में लगाई जा सकती है। यदि आरोपी पर देशद्रोह, आतंकवाद या एनईए जैसे संगीन मामले दर्ज हों तभी ज़मानत पर रोक लगाई जानी चाहिए।" ग़ौरतलब है कि देश भर की जेलों में लगभग 6 लाख क़ैदी बंद हैं। इनमें से बहुत सारे क़ैदी ऐसे हैं जिनका आरोप सिद्ध भी नहीं हुआ है। ऐसे में उन्हें यदि ज़मानत मिल जाती है तो जाँच एजेंसियाँ या सरकारी पक्ष इसके विरोध में खड़ी हो जाती है। परंतु वहीं दूसरी तरफ़, जिन मामलों में सीबीआई या अन्य जाँच एजेंसियों को तत्तपर्ता दिखानी होती है वहाँ तो रातों-रात गिरफ़्तारी भी हो जाती है और कार्यवाही भी गति पकड़ती है। परंतु जहां ढील देने का मन होता है या ऊपर से ढील देने के 'निर्देश' होते हैं, वहाँ विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहूल चौकसी जैसे आर्थिक अपराधियों को देश छोड़ कर भाग जाने का मौक़ा भी दे दिया जाता है। यदि जाँच एजेंसियाँ वास्तव में संगीन अपराधों को गंभीरता से लें तो उन्हें देश में लंबित पड़े सैंकड़ों मामलों में तेज़ी दिखानी चाहिए। केवल चुनिंदा मामलों में तेज़ी दिखाने से जाँच एजेंसियों पर सवाल तो उठेंगे ही। अब बनी फ्रॉड के मामलों को ही लें तो पिछली लोक सभा में एक सवाल का उत्तर देते हुए भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री डॉ भागवत कराड ने बताया था कि 31 मार्च 2022 को ख़त्म होने वाले वित्तीय वर्ष में 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफ़ॉल्टरों' ने बैंकों के साथ 5,40,958 करोड़ धोखाधड़ी की है। परंतु सीबीआई, ईडी व इनकम टैक्स विभाग ने इन मामलों में काफ़ी ढुलमुल रवैया अपनाया। मिसाल के तौर पर लोक सभा में दिये गये इसी उत्तर में देश के 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफ़ॉल्टरों' की सूची में छटे नंबर पर एक नाम 'फ्रॉस्ट इंटरनेशनल लिमिटेड' का भी है। सूची के अनुसार इनके बैंक फ्रॉड की रक़म 3311 करोड़ है। इस कंपनी पर 14 बैंकों के एक समूह के साथ धोखाधड़ी का आरोप है। इस कंपनी के निर्देशकों में उदय देसाई, सुजय देसाई, सुनील वर्मा व अन्य हैं। ग़ौरतलब है कि बैंक ऑफ़ इंडिया और इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने 2020 में उदय देसाई और 13 अन्य लोगों के ख़िलाफ़ सीबीआई में धोखाधड़ी के मामलों की एफ़आईआर लिखवाई थी। इतना ही नहीं बैंकों द्वारा इस समूह के निर्देशकों के ख़िलाफ़ 'लुक आउट नोटिस' भी जारी करवाया गया था। परंतु इस मामले की जाँच कर रही एजेंसियाँ किन्हीं कारणों से इस गंभीर मामले में फुर्ती नहीं दिखा रही हैं। 2020 में जब इस मामले की एफ़आईआर दर्ज हुई थी तब यह मामला नीरव मोदी और मेहूल चौकसी के 13,000 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले के बाद दूसरा सबसे बड़ा मामला था। लेकिन इतने संगीन मामले के अपराधी आज तक खुले घूम रहे हैं।

वहीं इससे कई छोटे अपराध के मामले में यदि अपराधी ज़मानत लेता है तो जाँच एजेंसियाँ इसका विरोध करने हाई कोर्ट पहुँच जाती हैं। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत के आदेश के बाद जाँच एजेंसियों द्वारा अपनाए गए दोहरे मापदंड का भी पर्दाफ़ाश होता है। इसलिए जाँच एजेंसियों को संगीन मामलों में फुर्ती दिखानी चाहिए न कि चुनिंदा मामलों में ज़मानत का विरोध कर सुप्रीम कोर्ट की लताड़ का सामना करना चाहिए।

गठबंधन साथियों पर मेहरबानी का बजट

ऋतुपर्ण दवे

मोदी 3.0 का पहला बजट सामने है। कई राज्य खाली हाथ हैं। ले कि न गठबन्धन धर्म की रीत निभाता यह बजट हमेशा की तरह आंकड़ों, गणित और पहेलियों में उलझा हुआ है। आम आदमी बस इतना समझता है कि क्या सस्ता हुआ, क्या मंहगा, किसे क्या मिला और सीधे-सीधे टैक्स में कितनी बचत हुई? अभी इतना समझ आ रहा है कि मोबाइल और चार्जर सस्ते हुए और सोने-चांदी के दाम भी थोड़ा घटेंगे। प्राइवेट जॉब में युवाओं को आस है। टॉप देशी 500 कंपनियां 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का मौका देंगी और 5 हजार रुपए मासिक, और एकमुश्त 6 हजार की अतिरिक्त सरकारी मदद तथा इस दौरान कैंपस सुविधा मिलेगी। यह नियमित नौकरी तो नहीं होगी लेकिन पीएम इंटर्नशिप स्कीम की पात्रता शर्तों को भी पूरा करना होगा। वहीं 5 वर्षों में 20 लाख युवाओं को स्किल ट्रेनिंग की तैयारी भी है। रेलवे को रेकॉर्ड पैसा देने के बावजूद खास चर्चा नहीं हुई। सुरक्षा पर ही ध्यान रहा। बीते वित्त वर्ष में 700 करोड़ से अधिक लोगों ने सफर किया। चालू वित्त वर्ष में 2500 अतिरिक्त जनरल कोच बनेंगे। गठबंधन धर्म के बावजूद आम आदमी की खास जरूरत जिसमें सीनियर सिटीजन, वेटिंग लिस्ट और यात्री सुविधाओं का जिक्र तक नहीं हुआ। टीडीएस नियमावली आसान होगी और क्रिमिनल लॉ बाहर होंगे। जीवन बीमा पॉलसियों जिनका सम एश्योर्ड 10 प्रतिशत से ज्यादा हैं उनकी मैच्योरिटी पर भी 5 प्रतिशत टीडीएस कटता है जो घटाकर अब 2 प्रतिशत किया गया है। रियल एस्टेट भी बजट से निराश है। अब प्रॉपर्टी दो साल के लांग टर्म की श्रेणी में आएगी। पहले तीन साल में थी। मतलब इस सेक्टर को इंडेक्सेशन का फायदा नहीं मिलेगा। भाजपा ने खास सहयोगियों बाबू नीतिश और चंद्रबाबू को साधा जरूर लेकिन स्पेशल स्टैटस का दर्जा नहीं दिया। उनकी विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर धनवर्षा खूब की। बाढ़ प्रभावित राज्यों बिहार, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, असम सिक्किम को मदद का ऐलान हुआ तो मणिपुर में बाढ़ विस्थापितों को राहत या पुनर्वास की चर्चा तक नहीं हुई। उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ मणिपुर, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और गोवा को बजट में कुछ खास मिला नहीं। शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष तो और दीगर जरूरतों पर मरहम की घोषणाओं का महज इंतजार होता रहा। मध्यम तबके को साधने की कवायद जरूर दिखी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ घर बनाने का लक्ष्य है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल (पीपीपी) के तहत 30 लाख से अधिक आबादी वाले 14 बड़े शहरों में औद्योगिक कामगारों खातिर डॉरमेट्री जैसी सुविधाएं तो आधी आबादी को साधने हेतु उनके पोषण से लेकर स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता और कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल व शिशु गृह तैयार करने पर घोषणा हुई। इससे महिलाओं का घर व काम के बीच बेहतर ढ़ंग से तालमेल होगा। वहीं एक करोड़ घरों को सोलर पैनल के जरिए 300 यूनिट फ्री बिजली की जगमगाहट का इंतजार है।

सक्रिय है बांग्लादेशी, रोहिंग्यों को बसाने वाला गैंग

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश गैर भाजपा दलों की तुष्टिकरण की सियासत के चलते बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। काफी बड़ी संख्या में अराजक तत्व संगठित अपराध की तरह घुसपैठियों के फर्जी आधार और अन्य जरूरी कागजात तैयार करने का धंधा चला रहे हैंएजिसके बदले में इनको मोटी रकम तो मिलती ही हैएइसके अलावा कट्टरपंथी गजवा.ए.हिन्द का सपना भी देखते हैं। प्रदेश मे साल दर साल मुस्लिम घुसपैठियों की तादाद बढ़ती जा रही है। पांच वर्ष पूर्व पुलिस ने प्रदेश में अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को चिन्हित करने के लिए सर्वे किया था। तब पुलिस ने अनुमान जताया था कि प्रदेश में 10 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी और करीब 3 हजार रोहिंग्या नागरिक अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया था कि केवल लखनऊ में ही करीब एक लाख बांग्लादेशी नागरिकों ने अपना ठिकाना बना लिया है। लखनऊ के फैजाबाद रोड स्थित अकबरनगर जैसे कई इलाकों इनका जमावाड़ा देखा जा सकता है। यह इलाके पुलिस की जांच में दायरे में भी हैं। हालांकि सर्वे के बाद ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। अधिकतर मामलों में पाया गया कि स्थानीय नेताओं ने ही उनके भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र जैसे जन्म प्रमाण पत्रए आधार कार्डए राशन कार्ड बनवाने में मदद की थी। इनमें से अधिकतर ने असम के निवासी होने का दावा किया थाए जिसकी पड़ताल के लिए पुलिस की टीमें भेजी गई थीं। लखनऊ की तरह ही मुरादाबादए रामपुरए मुजफ्फरगरएबिजनौरएबरेली जैसे जिलों सहित उत्तराखंड तक भी इन घुसपैठियों की बड़ी तादात पहुंच चुकी हैंएसबके जन्म प्रमाण पत्र से लेकर आधार कार्ड आदि तक बना दिये गये हैं।

ऐसा नहीं है कि यह सब बातें किसी से छिपी हुई हैंएलेकिन तमाम स्वयंसेवी संगठनों के विरोध के बाद भी यह मामला ठंडे बस्ते से बाहर नहीं निकल पाता है। बीते वर्ष एडीजी कानून.व्यवस्था रहे प्रशांत कुमार के निर्देश पर रोहिंग्या नागरिकों की धरपकड़ के लिए कई जिलों में अभियान भी चलाया गया था।रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्र बनने के मामले का खुलासा होने के बाद पूरे प्रदेश में इसकी जांच के आदेश दिए गये हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो सभी जिलों के डीएम को जन्म प्रमाण पत्रों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। वहीं डीजीपी मुख्यालय की ओर से पुलिस को भी जांच में सहयोग करने का आदेश दिया गया है। प्रमाण पत्र बनवाने में पीएफआई के सदस्यों की भूमिका की जांच का जिम्मा एटीएस को सौंपा गया है। बता दें कि रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्र बनने का बड़ा मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। केरल निवासी पीएफआई के एक सदस्य और कर्नाटक निवासी युवक का जन्म प्रमाण पत्र बनने के मामले की जांच करने दोनों राज्यों की पुलिस रायबरेली पहुंची थी।

क्यों भगवान विष्णु ने दिया मां लक्ष्मी को श्राप

शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को होता है। जहां मां का वास होता है, वहां धन का कभी अभाव नहीं होता है। ये तो सभी जानते है कि मां लक्ष्मी का विवाह विष्णु का साथ हुआ है, लेकिन क्या आप जानते है भगवान विष्णु ने एक बार अपनी ही पत्नी को श्राप दे दिया था।।।

एक बार भगवान विष्णु बैकुण्ठ लोक में लक्ष्मी जी के साथ विराजमान थे। उसी समय उच्चैः श्रवा नामक अश्व पर सवार होकर रेवंत का आगमन हुआ। उच्चैः श्रवा अश्व सभी लक्षणों से युक्त, देखने में अत्यंत सुन्दर था। उसकी सुंदरता की तुलना किसी अन्य अश्व से नहीं की जा सकती थी। लक्ष्मी जी उस अश्व के सौंदर्य को एकटक देखती रह गई।

शुक्रवार मां लक्ष्मी का दिन है

विष्णु द्वारा बार-बार झक-झोरने पर भी लक्ष्मी जी को तनिक भी आभास नहीं हुआ कि विष्णु उन्हें पुकार रहे है। अब भगवान विष्णु को क्रोध आ गया और खींझकर लक्ष्मी को श्राप देते हुए कहा तुम इस अश्व के सौंदर्य में इतनी खोई हो कि मेरे द्वारा बार-बार झक झोरने पर भी तुम्हारा ध्यान इसी में लगा रहा, अतः तुम अश्वी हो जाओ।

जब लक्ष्मी का ध्यान भंग हुआ तो वे क्षमा मांगती हुई समर्पित भाव से भगवान विष्णु की वंदना की। साथ ही श्रीहरि से श्राप वापस लेने का आग्रह किया। तब विष्णु ने अपने श्राप का खत्म करने का उपाय लक्ष्मी को बताते हुए कहा कि श्राप तो पूरी तरह वापस नहीं लिया जा सकता। लेकिन तुम्हारे अश्व रूप में पुत्र प्रसव के बाद तुम्हे इस योनि से मुक्ति मिलेगी और तुम पुनः मेरे पास वापस लौटोगी।

जब विष्णु ने दिया मां लक्ष्मी को श्राप

भगवान विष्णु के शाप से अश्वी बनी हुई लक्ष्मी जी यमुना और तमसा नदी के संगम पर भगवान शिव की तपस्या करने लगी। भगवान शिव ने कहा कि देवी आप चिंता न करो। इसके लिए मैं विष्णु को समझाऊंगा कि वे अश्व रूप धारणकर तुम्हारे साथ रहें और तुमसे अपने जैसा ही पुत्र उत्पन्न करे ताकि तुम उनके पास शीघ्र वापस जा सको।

शिव ने बताया मां को श्राप से मुक्ति का मार्ग

कैलाश पहुंचकर भगवान शिव ने अपने एक गण-चित्ररूप को दूत बनाकर विष्णु के पास भेजा। चित्ररूप भगवान विष्णु के लोक में पहुंचे। भगवान विष्णु शिव का प्रस्ताव मान लिया और अश्व बनने के लिए तैयार हो गए। अब विष्णु भी अश्व का रूप धारण कर यमुना और तपसा के संगम पर और पहुंच गए। जहां लक्ष्मी जी अश्वी का रूप धारण कर तपस्या कर रही थी। कुछ ही समय पश्चात अश्वी रुपी माता लक्ष्मी के गर्भ से एक सुन्दर बालक का जन्म हुआ। तत्पश्चात लक्ष्मी जी वैकुण्ठ लोक श्री हरि विष्णु के पास चली गई। लक्ष्मी जी के जाने के बाद उस बालक के पालन पोषण की जिम्मेवारी ययाति के पुत्र तुर्वसु ने ले ली, क्योंकि वे संतान हीन थे और पुत्र प्राप्ति हेतु यज्ञ कर रहे थे। उस बालक का नाम हैहय रखा गया। कालांतर में हैहय के वंशज ही हैहयवंशी कहलाए।

मथुरा का 5500 साल पुराना मंदिर

जहां कृष्ण-बलराम छोड़कर गए थे अपनी गाय, किया था कंस के धोबी का वध

राक्षसों को पहुंचाया था यमलोक

द्वापर युग में जब कंस के अत्याचार अधिक बढ़ गए थे। तो कृष्ण, बलराम को जन्म लेना पड़ा। कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए बलराम और कृष्ण मथुरा आए। उन्होंने अनेको राक्षसों को जो कंस के द्वारा भेजे गए थे, उन्हें यमलोक पहुंचाया। द्वापर काल से ही भगवान शिव यहां के मंदिर में तपस्या में लीन थे। मथुरा में मौजूद भगवान शिव का एक 5500 वर्ष पुराना मंदिर आज भी द्वापर युग की याद दिलाता है।

गोकरनाथ मंदिर की कहानी

आज भी भगवान शिव का यह मंदिर अपने अंदर द्वापर काल की यादों को समेटे हुए है। मंदिर के सेवायत पुजारी अनु पंडित ने बताया कि भगवान गोकरण नाथ गाय के कान से पैदा हुए। यमुना के किनारे बने इसी मंदिर में भगवान शिव तपस्या करते थे। कृष्ण बलराम मथुरा आए और अपनी गायों को भगवान शिव के पास छोड़कर चले गए। भगवान शिव से कृष्ण बलराम ने यह आग्रह किया कि हम गायों को छोड़कर जा रहे हैं।

बलराम ने मांगे थे कंस के कपड़े

कंस का धोबी कपड़ों को धोबी घाट पर धो रहा था। तो कृष्ण बलराम को चमकते कपड़ों को देखकर उन्हें पहनने की जिद की। धोबी से कपड़े उन्होंने मांगे, तो धोबी ने कृष्ण बलराम से कपड़े देने से मना कर दिया। धोबी ने कहा कि यह महाराज कंस के कपड़े हैं। इसके बाद कृष्ण और बलराम का धोबी के साथ युद्ध शुरू हो गया और कृष्णा-बलराम धोबी घाट से यमलोक पहुंचा दिया।

5500 साल पुराना है मंदिर

धोबी का वध करने के बाद कृष्ण और बलराम भगवान शिव के पास पहुंचे। उन्होंने वहां से अपनी गायों को लिया और गोचरण के लिए चल दिए। भगवान शिव का यह मंदिर 5500 साल पुराना है। गोकर्ण महादेव की यह मूर्ति सभी प्रतिमाओं से अलग है। यहां पर अलौकिक और अजीब मूर्ति के दर्शन आपको होंगे। शिव जी काम और क्रोध दोनों को वश में करने का संदेश देते हैं।

क्या आपके घर में भी है एल्युमिनियम की अलमारी?

इन 4 नियमों को करें फॉलो, वास्तु दोष से मिलेगी मुक्ति

वास्तु शास्त्र में कई सारे उपाय मिलते हैं, जो हमारे घर में खुशहाली और समृद्धि लाने में सहायक सिद्ध होते हैं। जब भी कोई व्यक्ति घर बनाता है या उसमें कोई सामग्री रखता है तो वास्तु सलाह जरूर ली जाती है। यहां तक कि घर में कोई नई दीवार या अलग से अलमारी के लिए भी वास्तु में कई उपाय बताए गए हैं। खास तौर पर एल्युमिनियम की अलमारी के लिए एक निश्चित दिशा सहित महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं।

वास्तु के अनुसार, यदि आप अपने घर में एल्युमिनियम की अलमारी बनवा रहे हैं तो इसके लिए पश्चिम दिशा सबसे अच्छी मानी गई है। इससे आपके घर में सकारात्मकता आती है। इसके अलावा अन्य कई सारी बातों का ख्याल आपको रखना चाहिए। आइए जानते हैं इनके बारे में।

सही दिशा

जब आप अपने घर में अलमारी बनवाने के लिए एल्युमिनियम की धातु का उपयोग कर रहे हैं तो आप इसको सही दिशा में रखें। कई लोग ऐसी हल्की धातु वाली अलमारी को किसी भी दिशा में रख देते हैं। लेकिन यह अलमारी सामग्री रखने के साथ भारी हो जाती है। ऐसे में वास्तु के अनुसार, एल्युमिनियम की अलमारी को रखने के लिए पश्चिम दिशा अच्छी मानी गई है।

कपड़े रखें

यदि आपने घर में एल्युमिनियम की अलमारी को पश्चिम दिशा में रखा है तो उसमें अपने कपड़े रखें। इससे आपके घर में बरकत आती है। हालांकि अलमारी को बनवाते समय ध्यान रखें कि इसमें मिरर ना लगवाएं। हालांकि, इसमें आप कोई ट्रांसपेरेंट ग्लास लगवा सकते हैं। वहीं यदि मिरर लगवाना जरूरी है तो अंदर की तरफ लगवाएं।

कोटिंग का कलर

एल्युमिनियम की अलमारी पर कई लोग अपने हिसाब से कलर करवा लेते हैं। आजकल मैट कलर भी काफी पॉपुलर है। लेकिन वास्तु के अनुसार एल्युमिनियम की अलमारी पर सफेद या ऑफ व्हाइट कलर करवाना चाहिए। इसके अलावा आप वुडन के टीक कलर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ध्यान रखें, भूल कर भी काले रंग का उपयोग ना करें।

1 या 2 नहीं...भोलेनाथ पर अर्पण करें 11 बेलपत्र

घर में हमेशा बनी रहेगी खुशहाली; कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

सावन माह प्रवेश करते ही सभी शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ उमड पड़ती है। वहीं भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र का विशेष महत्व है, भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए बेलपत्र चढ़ाते हैं। माना जाता है कि अगर भक्त राम नाम लिखा बेलपत्र अर्पण करते हैं तो भगवान शिव जल्द प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं आवश्यक पूर्ण करते हैं।

हालांकि भक्त जितना मन चाहे उतना बेलपत्र अर्पण कर सकते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि क्यों 11 बेलपत्र ही चढ़ाना सर्वाधिक शुभ माना जाता है? इस प्रश्न का उत्तर हमें प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नन्द किशोर से मिला है, जिन्होंने शास्त्रों के प्रमाणों के साथ इस पर विस्तृत जानकारी दी है।

क्या कहते हैं देवघर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

देवघर के प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने कहा कि हिंदू धर्म में 11 अंक को शुभ और महत्वपूर्ण माना गया है। यह अंक अध्यात्मिकता और ईश्वरीय शक्ति का प्रतीक है।

भगवान शिव को 11 बेलपत्र चढ़ाने से उनकी कृपा शीघ्र प्राप्त होती है और भक्त के जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। वहीं शिवपुराण में उल्लेख है कि भगवान शिव को रूद्र कहा जाता है और रूद्र रूप एकादश है। इसलिए एक बेलपत्र एक मंत्र से एक रूद्र को चढ़ाते हैं तो भगवान शिव बेहद प्रसन्न होते हैं और घर में हमेशा खुशहाली रहती है। इसके साथ ही घर में धन की आवक बढ़ती है। यही कारण है कि भगवान शिव को 11 बेलपत्र अर्पण करने चाहिए।

क्या है पौराणिक कथा

ज्योतिषचार्य पंडित नन्द किशोर मुदगल ने एक पौराणिक कथा का जिक्र देते हुए बताया कि एक बार देवी पार्वती ने भगवान शिव से पूछा कि उन्हें सबसे अधिक प्रिय क्या है। तब भगवान शिव ने कहा कि उन्हें बेलपत्र सबसे प्रिय है और विशेष रूप से 11 बेलपत्र चढ़ाने से वह अत्यंत प्रसन्न होते हैं। यह कथा हमें यह बताती है कि 11 बेलपत्र का महत्व भगवान शिव के प्रति उनकी विशेष कृपा को दर्शाता है।

> किसी भी काम का परिणाम हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए परिणाम की चिंता किए बिना हमें सकारात्मक सोच के साथ अपने काम पर ही ध्यान देना चाहिए।

बेलपत्र चढ़ाने के नियम

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि बेलपत्र अर्पण करने के कुछ नियम होते हैं कहा जाता है कि 'त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रियायुधम् त्रिजन्मपाप संहारं एक बिल्वं शिवार्पणम्' यानी बेलपत्र भगवान शिव को अति प्रिय है और बेलपत्र तीन दल का होना चाहिए।

कही से भी कटा फटा नहीं होना चाहिए। अगर उस बेलपत्र में राम नाम लिख कर भगवान शिव को अर्पण करते हैं तो कई जन्मों के पाप, कष्ट, रोग, दोष सब समाप्त हो जाते हैं और जीवन में सुख समृद्धि की वृद्धि होती है।

क्या है शास्त्रों में प्रमाण

शिवपुराण और स्कंदपुराण में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि भगवान शिव को 11 बेलपत्र चढ़ाने से भक्त को विशेष लाभ प्राप्त होता है। इन शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि 11 बेलपत्र चढ़ाने से भक्त के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

चातुर्मास में शयन निद्रा में चले जाते हैं भगवान विष्णु देव

चातुर्मास की शुरुआत 17 जुलाई से हो चुकी है, यानी कि भगवान विष्णु 4 महीने के लिए अपनी शयन निद्रा में जा चुके हैं। इसकी अवधि पूरे 4 महीने की होती है। यह चातुर्मास हर साल चैत्र आषाढ़ शुक्ल एकादशी से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक चलता है। हिंदू संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस चातुर्मास में भगवान विष्णु के पाताल लोक में शयन निद्रा में चले जाने के कारण शुभ और मांगलिक कार्यों पर हिंदू धर्म में पूर्णतः विराम लग जाता है। हिंदू धर्म में जिस दिन से यह चातुर्मास लगता है, उस दिन को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस चातुर्मास की सबसे खास बात यह है कि अगर इसमें, भगवान विष्णु 4 महीने के लिए पाताल लोक में शयन निद्रा में चले जाते हैं, तो उनके बाद इस सृष्टि की कमान कौन से भगवान संभालते हैं। आध्यात्मिक गुरु पंडित हरिमोहन शास्त्री के मुताबिक इस चातुर्मास के समय अलग-अलग भगवान सृष्टि की कमान संभालते हैं। इस समय ये देव कर रहे हैं सृष्टि का संचालन भगवान विष्णु चातुर्मास लगने के कारण अपनी शयन निद्रा में चले गए हैं। इसके बाद 17 जुलाई से लेकर 21 जुलाई तक का जो कार्यकाल रहता है, वह गुरु पूर्णिमा का पर्व होने के कारण गुरुओं के हाथ में रहता है। वहीं 22 जुलाई से सावन मास शुरू होने के कारण 9 अगस्त तक सृष्टि की कमान देवों के देव महादेव के हाथ में रहने वाली है। पूरे सावन मास के दौरान शिवजी ही इस सृष्टि का संचालन करने वाले हैं। इसके बाद 19 अगस्त से 26 अगस्त तक कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व होने के कारण सृष्टि की कमान श्री कृष्ण के हाथों में रहने वाली है और इसके बाद 26 अगस्त से और 17 सितंबर तक अनंत चतुर्दशी होने के कारण सृष्टि की कमान प्रथम पूज्य भगवान गणेश के हाथ में रहने वाली है।

अक्टूबर में मां दुर्गा करेंगी सृष्टि का संचालन

वहीं इसके बाद अश्विन मास लगने के कारण इस सृष्टि का संचालन पितृ देवताओं के हाथों में जाने वाला है, यानी की 2 अक्टूबर तक इस सृष्टि का संचालन पितृ देवता करने वाले हैं। वहीं 2 अक्टूबर के बाद से 12 अक्टूबर तक विजयादशमी का पर्व होने के कारण माता दुर्गा इस सृष्टि का संचालन करने वाली हैं और इसके बाद, नवंबर माह में दिवाली का त्यौहार आने के कारण धन की देवी मां लक्ष्मी इस सृष्टि का संचालन करने वाली हैं।

आध्यात्मिक गुरु पं हरिमोहन शर्मा के मुताबिक, दिवाली का त्यौहार जाने के बाद सृष्टि का संचालन नदियों के हाथ में रहने वाला है, यानी 2 नवंबर से 11 नवंबर तक इस सृष्टि का संचालन नदियां करने वाली हैं। इसमें भी एक विशेष बात यह है कि उस समय गौ माता भी इस सृष्टि का संचालन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

चातुर्मास में इन बातों का रखें विशेष ख्याल

इस चातुर्मास में सभी राशियों के जातकों को जितना संभव हो सके, बाहर का खाना नहीं खाना चाहिए। केवल घर का ही सात्विक भोजन करना चाहिए। दान और उपवास का इसमें विशेष महत्त्व रहता है। इसलिए अच्छी तिथि और बार के अनुसार इसमें उपवास जरूर करना चाहिए। इसके अलावा इस चातुर्मास के दौरान मनुष्य को जितना हो सके, उतना विकारों का त्याग जरूर करना चाहिए।

शिवांगी जोशी ने हिना खान के कैंसर पर दी प्रतिक्रिया बताया फाइटर, बोलीं- जल्द करेंगी मुलाकात

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री शिवांगी जोशी ने हाल ही में हिना खान के कैंसर पर प्रतिक्रिया दी है। दोनों अभिनेत्रियों को सीरीयल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से पहचाना मिली थी।

शो में हिना ने शिवांगी की मां का किरदार निभाया था। शिवांगी जोशी ने हिना खान को फाइटर बताया है। इसके साथ ही इस बात का खुलासा किया है कि वे अभी भी एक-दूसरे के संपर्क में हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह जल्द ही हिना से मिलने की योजना बना रही हैं और उनके ठीक होने की उम्मीद कर रही हैं।

शिवांगी ने हिना खान को बताया फाइटर

शिवांगी जोशी ने हाल ही में एक बातचीत में हिना खान के कैंसर को लेकर बात की। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं अभी भी उनके संपर्क में हूं। हमने कल बात की थी। वह ठीक हैं।

वह बहुत मजबूत हैं। वह एक फाइटर हैं और जल्द ही ठीक हो जाएंगी। हम सब उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। मैं जल्द ही उनसे मिलूंगी। वह बहुत जल्द ठीक हो जाएंगी।'

सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दी थी जानकारी

हिना खान ने 28 जून को पुष्टि की थी कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है और वह तीसरे स्टेज पर हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए सभी को इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने एक लंबा नोट साझा कर बताया था कि वह ठीक हैं और उनका इलाज शुरू हो चुका है। उनके इस पोस्ट के बाद हिना के चाहने वाले को उनकी चिंता सताने लगी। सभी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

काम पर लौटीं हिना खान

अभिनेत्री काफी मजबूती से कैंसर के खिलाफ जंग लड़ रही हैं। कीमोथैरेपी के बाद उन्होंने अपने बाल छोटे कराए हैं और उन्होंने खुद अपने बाल काटते हुए एक भावुक वीडियो साझा किया था। इलाज के बीच हिना अपने काम पर भी वापस लौट आई हैं। उन्होंने पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी।

'इतनी हसीन स्त्री, देखी नहीं कभी', तमन्ना की खूबसूरती पर मंत्रमुग्ध हुईं श्रद्धा कपूर

स्त्री 2 की लीड अदाकारा श्रद्धा कपूर ने हाल ही में तमन्ना भाटिया की तारीफ की है। ये तारीफ उन्होंने आज की रात गाने की रिलीज इवेंट में उनके लुक पर की जहां तमन्ना लाल साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आईं। आज की रात गाने की रिलीज के बाद से ही एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ट्रेंड कर रही हैं।

रिलीज इवेंट में तमन्ना ने लूटी महफिल

श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'स्त्री 2' का बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। वहीं, अब बुधवार को 'स्त्री 2' का पहला गाना 'आज की रात' रिलीज किया गया, जो तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया है। सॉन्ग रिलीज के लिए एक ग्रैंड इवेंट रखा गया। जहां, दोनों एक्ट्रेसेस बला की खूबसूरत बनकर पहुंचीं।

'स्त्री 2' के इवेंट में तमन्ना भाटिया और श्रद्धा कपूर रेड कलर के आउटफिट में पहुंची थीं। तमन्ना साड़ी तो श्रद्धा ने अनारकली सूट कैरी किया था और दोनों एक- दूसरे को बराबर की टक्कर दे रही थीं।

तमन्ना की खूबसूरती पर फिदा हुईं श्रद्धा

तमन्ना भाटिया ने 'स्त्री 2' के इवेंट का लुक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया। जहां फैंस ने जमकर उनकी तारीफ की। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान श्रद्धा कपूर के कमेंट ने खींचा, क्योंकि तमन्ना भाटिया की खूबसूरती से वो भी मंत्रमुग्ध नजर आईं। श्रद्धा कपूर ने अपनी को-स्टार की तारीफ करते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा, इतनी हसीन स्त्री, देखी नहीं कभी।

फैंस ने की श्रद्धा की तारीफ

श्रद्धा कपूर के इस कमेंट ने फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोरीं। हालांकि, फैंस ने श्रद्धा के कमेंट पर रिप्लाई करते हुए उनकी दिल खोलकर तारीफ की और कहा कि आप आईना देख लो सबसे हसीन स्त्री दिख जाएगी। 'आज की रात' गाना, जिसमें तमन्ना भाटिया ने अपने डांस का जलवा बिखेरा है, इस समय सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। इस गाने को फैंस से काफी प्यार मिल रहा है और इसे यूट्यूब पर लाखों व्यूज मिल चुके हैं। गाने की धुन और तमन्ना की अदाकारी ने इसे एक हिट बना दिया है। उनके इस डांस नंबर की तुलना उनके पिछली हिट फिल्म जेलर के गाने कावला से हो रही है। इस गाने भी सोशल मीडिया पर खूब धूम मचाई थी।

दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं साउथ की फेमस एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष, फ्लॉन्ट किया बेबी बंप, बोलीं- 'राउंड 2'

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में काम करने वाली एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष ने फैंस को गुड न्यूज दी है। वो अपने दूसरे बच्चे के लिए प्रेग्नेंट हैं। साउथ अभिनेत्री ने खुद इंस्टाग्राम पर अपनी बेबी बंप वाली तस्वीरों को शेयर किया है। इसमें उन्हें अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए देखा जा सकता है। आपको बता दें कि एक्ट्रेस ने साल 2022 में एक बेटी को जन्म दिया था। उन्होंने अपनी पहली प्रेग्नेंसी की तस्वीरों को भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसे उन्होंने खूब इन्जॉय भी किया था। अब दूसरी प्रेग्नेंसी के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। शिल्पा शेट्टी के साथ साल 2021 में फिल्म 'हंगामा 2' में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष ने 25 मई को इंस्टाग्राम अकाउंट से बेबी बंप की तस्वीरों को शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बेबी बंप की फोटोज को शेयर कर शानदार कैप्शन भी लिखा है, 'राउंड 2 पैंट बिल्कुल भी फिट नहीं आ रही है।' एक्ट्रेस के गुडन्यूज शेयर करते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। फोटोज में अगर प्रणिता सुभाष के लुक की बात की जाए तो वो जीन्स के साथ ब्लैक कलर की मोनोकिनी में नजर आ रही हैं। वहीं, उनकी पैंट की बटन खुली हुई है। वो अपने बेबी बंप पर हाथ रखे हुए नजर आ रही हैं।

3 साल पहले प्रणिता ने की थी बिजनेसमैन से शादी

आपको बता दें कि प्रणिता सुभाष ने 3 साल पहले 30 मई, 2021 को बेगलुरु बेस्ट बिजनेसमैन से शादी की थी। उनके पति नीतिन राजू हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस को शादी की जानकारी देकर हैरान कर दिया था क्योंकि एक्ट्रेस ने सीक्रेट वेडिंग की थी। इसके बाद 2022 में प्रणिता ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। उन्होंने बेटी को जन्म दिया था।

बहरहाल, अगर इसके अलावा प्रणिता सुभाष की प्रोफेशनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने साल 2010 में फिल्म 'बावा' से साउथ फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके बाद वो साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म Attarintiki Daredi और 2016 में आई Brahmotsavam जैसी फिल्मों में नजर आईं। आखिरी बार एक्ट्रेस को कन्नड़ की रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'रमन्ना अवतार' में देखा गया था। इसे 2024 में ही रिलीज किया गया था। फिल्मों और निजी लाइफ के लिए अलावा एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और खुद से जुड़ी पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं।

इमरान हाशमी बोले- ऑन स्क्रीन किस करना कभी बुरा नहीं लगा, यह मेरा काम है

फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़े अभिनेता की कोई न कोई छवि बन ही जाती है। कोई एक्शन फिल्मों से जाना जाता है तो कोई कॉमेडी के लिए तो कोई रोमांटिक किरदार करने के लिए, लेकिन इमरान हाशमी की छवि सबसे अलग रही है। उन्हें सीरियल किसर का टैग मिला था, क्योंकि अपने करियर की शुरूआती कई फिल्मों में उन्होंने किसिंग सीन किए थे। हाल ही में, इमरान ने फिल्मों में अपने किसिंग सीन को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की। 'मर्डर' और 'आशिक बनाया आपने' समेत कई फिल्मों में किस सीन देने वाले इमरान हाशमी ने एनडीटीवी को एक साक्षात्कार दिया। उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ऑन स्क्रीन किस करने से नफरत है। इमरान ने अपना जवाब 'नहीं' में देते हुए कहा कि उन्हें कभी भी ऐसा करने से नफरत नहीं हुई, क्योंकि यह महज उनका काम है।

इमरान से यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी ऑन स्क्रीन किस करने का आनंद लिया है। इस सवाल का जवाब इमरान ने हां में दिया। हालांकि, उन्होंने अभिनेत्री का नाम नहीं बताया। साल 2014 में इमरान हाशमी

करण जौहर के शो कॉफी विद करण में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने बताया था कि वो किस सीन के बदले अपनी पत्नी परवीन को खरीददारी कराते थे और वो शायद सात अंकों के बिल वाली शॉपिंग करती हैं। इमरान से उनके इस बयान को लेकर भी एक सवाल पूछा गया कि क्या वो अभी भी पत्नी को किसिंग सीन के बदले हैंडबैग खरीदवाते हैं। इस पर इमरान हाशमी ने कहा कि अब यह पुरानी बात हो चुकी है। अब ऐसा नियम नहीं है। आजकल हैंडबैग की कीमत कितनी है, आप जानते ही हैं।

शादीशुदा एक्टर को डेट कर रहीं साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी ?

पहले भी टेक्निशियन संग उड़ चुकी शादी की अफवाह

इन दिनों नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' काफी चर्चा में है। इसमें रणबीर कपूर राम तो साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता का रोल प्ले करते हुए नजर आने वाली हैं। इसी बीच एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं।

सिनेमा जगत में एक्टर्स की पर्सनल और लव लाइफ चर्चा में आना आम बात है। फिर चाहे बॉलीवुड हो या फिर साउथ। एक्टर्स अक्सर किसी ना किसी या फिर अपने को-एक्टर्स को डेट करने की वजह से हेडलाइन्स में आ ही जाते हैं। ऐसे में अब साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी डेटिंग को लेकर एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं। नितेश तिवारी की 'रामायण' में सीता के रोल के लिए फाइनल हुईं एक्ट्रेस साई को लेकर खबर सामने आ रही है कि वो किसी शादीशुदा और दो बच्चों के पिता को डेट कर रही हैं। हालांकि, इस पर उनकी ओर से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है।

साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी लंब समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। इसी बीच अब शादीशुदा और दो बच्चों के पिता के साथ उनकी डेटिंग की खबरों ने

बवाल ही मचा दिया है। कहा ये भी जा रहा है कि वो उम्र में काफी बड़े एक्टर संग शादी कर सकती हैं। लेकिन, अभी तक उस एक्टर का नाम सामने नहीं आया है। केवल उसे इंडस्ट्री का स्टार एक्टर कहा जा रहा है। अब इन खबरों में कितनी सच्चाई है इस पर कोई ऑफिशियल रिएक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन, एक्ट्रेस ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बार फिर से लाइमलाइट बटोर ली है। वहीं, उनके फैंस की ओर से डेटिंग की खबरों को अफवाह बताया जा रहा है।

आपको बता दें कि साई पल्लवी ने ना तो पहले शादी और डेटिंग की अफवाहों पर रिएक्शन दिया और ना ही अब। माना जाता है कि वो अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद करती हैं।

कॉलीवुड टेक्निशियन से रही शादी की चर्चा

गौरतलब है कि साई पल्लवी कोई पहली बार अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में नहीं आई हैं। इसके पहले भी उनकी डेटिंग और शादी खबरें मीडिया में आती रही हैं। हाल ही में साउथ एक्ट्रेस का नाम कॉलीवुड टेक्निशियन के साथ जोड़ा गया था। इसके पहले 'गार्गी' एक्ट्रेस का नाम को-एक्टर संग जोड़ा गया था। एक तस्वीर भी सामने आई थी। बाद में खुलासा हुआ था कि वो कोई रियल का नहीं बल्कि रील का मामला का था। वो उनकी किसी फिल्म का एक सीन था।

साई पल्लवी का वर्कफ्रंट

बहरहाल, इन सबसे परे अगर साई पल्लवी के प्रोफेशनल फ्रंट की बात की जाए तो वो जल्द ही फिल्म 'अमरान' में नजर आने वाली हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस नागा चैतन्य के साथ फिल्म 'थंडल' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, उनके पास बॉलीवुड का भी बड़ा प्रोजेक्ट है। वो रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'रामायण' में नजर आने वाली हैं।

बड़ी कमर्शियल फिल्में नहीं करतीं जान्हवी कपूर, क्योंकि वे आसान होती हैं

इन दिनों जान्हवी कपूर निर्देशक सुधांशु सरिया की फिल्म 'उलझ' को लेकर लगाता सुर्खियों में बनी हुई हैं। 'उलझ' से पहले जान्हवी शरण शर्मा निर्देशित फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इस फिल्म में उन्होंने राजकुमार राव के साथ अभिनय किया था। जान्हवी ने फिल्मों को लेकर अपनी राय व्यक्त की है।

जान्हवी अपनी आगामी फिल्म 'उलझ' के प्रमोशन में लगातार व्यस्त हैं। जान्हवी के फिल्म करियर पर एक नजर डाले तो 'उलझ', 'मिली' और 'गुडलक जेरी' जैसी कम व्यावसायिक फिल्में ज्यादा देखने को मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने अपनी फिल्मों को लेकर कहा कि उन्हें इस तरह के आसान प्रोजेक्ट अपनाने और एक बड़ी व्यावसायिक फिल्म करने से ज्यादा संतोषजनक लगते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने कहा, "मैं बहुत ही आसान सफर चुन सकती थी। मैं इस फिल्म की जगह या मेरे पिछले कुछ फिल्मों की जगह, मैं बड़ी कमर्शियल फिल्में कर सकती थी, जहां ग्लैमर होता जिसकी वजह से आसानी से पॉपुलैरिटी पाई जा सकती है। यहां तक की जिसमें बॉक्स ऑफिस का नंबर भी गारंटीड होता है, यानी की सफलता तय होती है। वो बहुत आसान जर्नी है, लेकिन जैसी फिल्में मैं करती हूं उसमें बहुत जोखिम है। मैंने जो प्रोजेक्ट किए हैं, उनके बजाय मैं एक ग्लैमरस भूमिका कर सकती थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जान्हवी ने आगे कहा, अगर हम बॉक्स ऑफिस को देखें तो मैंने हमेशा से ही जोखिम वाली फिल्में चुनी हैं, जो कि साधारण होने की वजह से हिट होने की तुलना में अधिक असफल फिल्में रही हैं। लेकिन मुझे लगता है कि एक कलाकार के रूप में मेरा विकास अधिक संतोषजनक सफर रहा है।

फिल्म 'उलझ' में जान्हवी कपूर ने सुहाना का किरदार निभाया है, जो लंदन दूतावास में अपने महत्वपूर्ण कार्य के दौरान एक विश्वासघाती इंसान की साजिश में उलझ जाती है। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित उनकी आगामी फिल्म 'उलझ' में गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, आदिल हुसैन, राजेंद्र गुप्ता, राजेश तैलंग, मेयांग चांग और जितेंद्र जोशी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

प्रभास की नई फिल्म का निर्देशन करेंगे हनु राघवपुडी

अभिनेता प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा रही है। प्रभास समेत फिल्म के तमाम कलाकार इसके प्रदर्शन से गदगद है। इसी बीच, अब प्रभास की नई फिल्म को लेकर जानकारी आना शुरू हो गई है। उनकी नई फिल्म की शूटिंग अगले महीने शुरू हो जाएगी।

प्रभास जल्द ही हनु राघवपुडी के निर्देशन में बन रही फिल्म में अभिनय करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म पर ताजा अपडेट आ चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का एलान 22 अगस्त, 2024 को किया जाएगा। इतना ही नहीं फिल्म की शूटिंग भी उसी दिन शुरू हो जाएगी।

हनु राघवपुडी की यह फिल्म रोमांटिक ड्रामा होगी। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग के लिए सेट बनाने का काम जारी है। 'सलार' और 'कल्कि 2898 एडी' में एक्शन के बाद अब प्रभास के प्रशंसक उनका रोमांटिक अंदाज देखने के लिए उतावले हो रखे हैं। प्रभास द्वारा फिल्म की शूटिंग के लिए तारीख तय किए जाने की भी चर्चा है।

हाल ही में, खबर आई थी कि पाकिस्तानी अभिनेत्री सजल अली भी प्रभास की इस फिल्म में

अभिनय करती नजर आएंगी। वो इससे पहले 'मॉम' में भी काम कर चुकी हैं। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक एलान होना बाकी है। प्रभास की बात करें तो वो 'कल्कि 2898 एडी' के बाद से ब्रेक पर चल रहे हैं। वो अपनी नई फिल्म 'द राजा साब' से भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन मारुति द्वारा किया जा रहा है। प्रभास अगले महीने से इसकी शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगे।

प्रभास 'द राजा साब' और हनु राघवपुडी की फिल्म के अलावा 'एनिमल' और 'कबीर सिंह' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' में काम करते दिखाई देंगे। फिलहाल इसका काम अटका हुआ है, जिसके चलते प्रभास अपनी बाकी दोनों फिल्मों को निपटाने की कोशिश में हैं।

विजय देवरकोंडा की 'वीडी 12' में अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे की एंट्री

विजय देवरकोंडा अपनी नई फिल्म 'वीडी 12' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसका निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 2025 में रिलीज होगी। अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हो पाया था कि कौन सी अभिनेत्री फिल्म में मुख्य किरदार निभाएंगी, लेकिन अब इस राज से परदा उठ गया है, क्योंकि उस अभिनेत्री ने खुद ही इसकी जानकारी दे दी है।

'वीडी 12' में विजय देवरकोंडा के साथ अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे

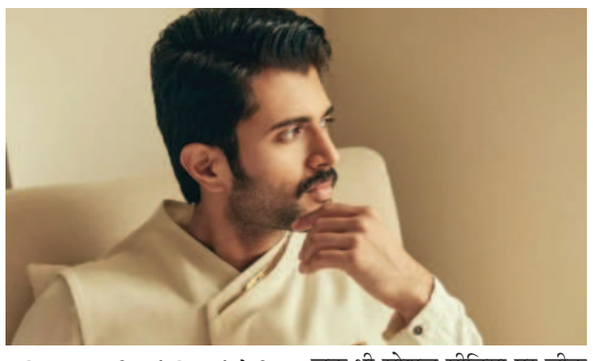

अभिनय करती हुई दिखाई देंगी। वो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मिस्टर बच्चन' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनकी और रवि तेजा की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होने वाली है। इसका निर्देशन हरीश शंकर ने किया है।

भाग्यश्री बोरसे के 'वीडी 12' से जुड़ने का खुलासा खुद उन्हीं की एक इंस्टाग्राम स्टोरी से हुआ है। उन्होंने हाल ही में, एक फोटो को अपनी स्टोरी में पोस्ट किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग होती हुई दिख रही है। भाग्यश्री ने इस फोटो के साथ लिखा- हां अन्ना, मैं भी। उन्होंने इस तस्वीर में कोलंबो की लोकेशन भी लिखी है।

'वीडी 12' के निर्माताओं ने खुद ही इस बात की जानकारी दी थी कि फिलहाल श्रीलंका में फिल्म की शूटिंग चल रही है। हाल ही में, फिल्म से विजय देवरकोंडा का लुक भी सोशल मीडिया पर लीक हो गया था, जिसके बाद निर्माताओं ने सभी से गुजारिश की थी कि इसे साझा न किया जाए और जानकारी देते हुए कहा था कि जल्द ही 'वीडी 12' का फर्स्ट लुक जारी किया जाएगा। फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत सुनने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट और फॉर्च्यून फोर सिनेमा द्वारा किया जा रहा है।

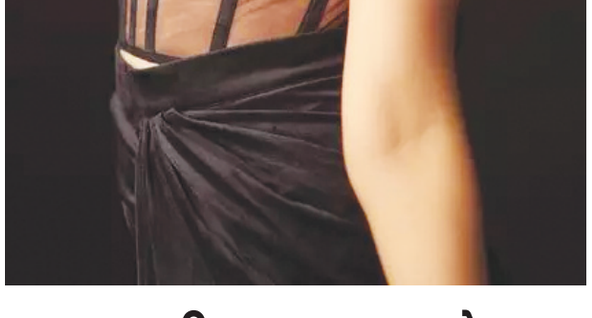

जब अजय देवगन ने एक आंख से कर डाली खाकी फिल्म की शूटिंग

अजय देवगन की गिनती हिंदी फिल्मों के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में होती है। एक्शन, इमोशनल से लेकर कॉमेडी किरदारों को निभाने तक में वह माहिर माने जाते हैं। अभिनेता जल्द ही औरों में कहां दम था नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ तब्बू भी हैं। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म को लेकर लगातार चल रही चर्चाओं के बीच आज के थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको अजय देवगन से जुड़ा किस्सा ही बताने जा रहे हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करने वाले अजय देवगन ने एक फिल्म की शूटिंग केवल एक आंख के साथ की है। जी हां, आपने बिल्कुल ठीक सुना...इस बात का खुलासा अजय के मेकअप आर्टिस्ट हरीश ने किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने एक बातचीत के दौरान बताया था कि फिल्म खाकी की शूटिंग अजय देवगन को एक आंख के साथ ही करनी पड़ी थी। हरीश के मुताबिक

फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अजय देवगन के मेकअप के लिए बुलाया गया था।

इस दौरान उन्हें कुछ दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया। हरीश के अनुसार फिल्म में अजय देवगन की आंखों के साथ कुछ अलग करना था। इसलिए उन्होंने अजय और निर्देशक के निर्देशों का पालन करते हुए अभिनेता की आंखों में पैच लगा दिए।

इस पैच के कारण अजय को परेशानी का सामना पड़ा। हरीश के मुताबिक शूटिंग के दौरान अजय की एक आंख बंद ही रहती थी और पूरी शूटिंग उन्होंने ऐसे ही की। वर्क फ्रंट की बात करें तो औरों में कहां दम था के बाद अजय देवगन जल्द ही सिंघम अगेन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को दिवाली के मौके पर रिलीज करने की तैयारी है।

'सजना है मुझे सजना के लिए...', पद्मा खन्ना पर फिल्माया गया था ये गाना

साल 1987 में दूरदर्शन पर ऑनएयर हुआ रामायण सबसे पसंदीदा पौराणिक शोज में से एक रहा है। इसके हर किरदार में दर्शकों के दिलों में एक अलग जगह बनाई है। श्रीराम और माता सीता के किरदार के अलावा कैकेई की भूमिका को काफी पसंद किया गया था। क्या आपको पता है कि रामानंद सागर के शो में नजर आईं पद्मा खन्ना अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन पत्नी भी बन चुकी हैं। रामानंद सागर की रामायण में श्रीराम से लेकर रावण और महाबली हनुमान तक हर किरदार ने दर्शकों के दिलों में आज भी खास जगह बनाई हुई है। आज भी जब ये शो री-टेलीकास्ट किया जाता है, तो फैंस की उत्सुकता बढ़ जाती है। अरुण गोविल से लेकर दीपिका चिखलिया तक एक्टर्स जहां भी जाते हैं, तो उन्हें वही प्यार और सम्मान फैंस देते हैं। रामानंद सागर की रामायण में उस दौर में एक और किरदार था, जिन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थी। वह किरदार था राजा दशरथ की तीसरी और सबसे प्रिय पत्नी कैकेई का, जिन्होंने श्री राम को वनवास भेजा था। इस किरदार को अभिनेत्री पद्मा खन्ना ने निभाया था। क्या आप जानते हैं कि रामायण में कैकेई का किरदार अदा करने से पहले पद्मा खन्ना अमिताभ बच्चन की पत्नी

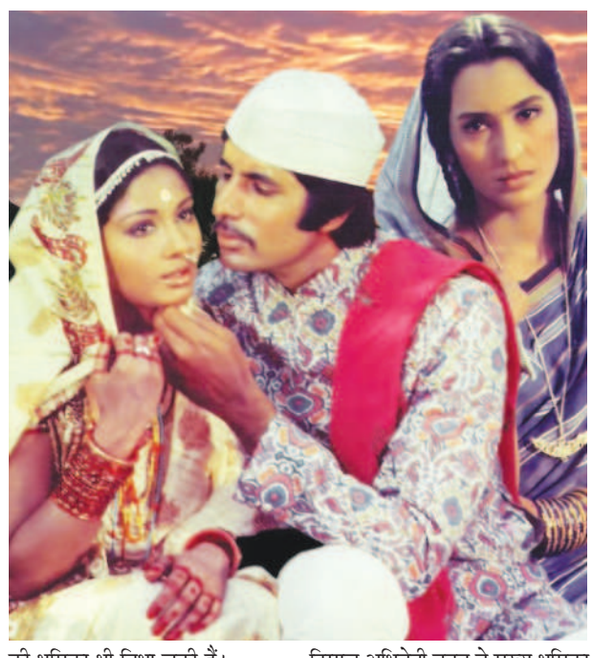

की भूमिका भी निभा चुकी हैं।

अमिताभ बच्चन की बनी थीं पत्नी

मैं तो सज गई रे, सजना के लिए... एक समय ऐसा था जब शीशे के सामने बैठी शादीशुदा महिला की जुबान पर ये गाना जरूर आता था और वह साज-श्रृंगार करते हुए इस गाने को गुनगुनाती थी। ये गाना साल 1973 में फिल्म सौदागर में फिल्माया गया था,जिसमें अमिताभ बच्चन और दिग्गज अभिनेत्री नूतन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। नूतन के अलावा इस फिल्म में पद्मा ने भी मुख्य किरदार अदा किया था। ये गाना भी फिल्म में उन पर ही फिल्माया गया था, जिसे काफी प्यार मिला था।

क्या थी सौदागर की कहानी

फिल्म की कहानी गुड़ बेचकर गुजारा करने वाले दो लोगों की कहानी है। सौदागर में एक्ट्रेस ने फूलबानो की भूमिका निभाई थी, जिनसे अमिताभ बच्चन को प्यार हो जाता है और वह उनसे शादी कर लेते हैं। फिल्म में मोती का किरदार फूलबानो से ये उम्मीद करता है कि वह भी मजुबी जैसा गुड़ बनाए, लेकिन वह सारे गुड़ जला देती है और मोती का बिजनेस ठप पड़ने लगता है और धीरे-धीरे दोनों के रिश्ते में भी कड़वाहट आने लगती है।

ऐसे ही फिल्म की कहानी आगे बढ़ती है। फिल्म के अंत में ये दिखाया गया है कि फूल बानो जो मोती और मुजबी की बातें सुन रही होती है, जब उसे सच्चाई पता चलती है, तो वह नूतन को गले लगाती है और कहानी यही पर अंत हो जाती है। पद्मा खन्ना अपने जमाने की मशहूर अभिनेत्री रह चुकी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 1966 में फिल्म बीवी और मकान से की थी। उसके बाद उन्होंने ये जिंदगी कितनी हसीन है, साज और आवाज, बहारों के सपने, हीर रांझा, जॉनी मेरा नाम, प्यार दीवाना, सौदागर और दाग जैसी फिल्मों में काम किया। हिंदी सिनेमा के अलावा उन्होंने भोजपुरी, गुजराती, उड़िया, पंजाबी, मराठी और तेलुगु भाषा की भी कई फिल्में की।

कभी भूलेंगे नहीं : मोगेम्बो से लेकर शेरा हैं अमरीश पुरी के ये यादगार किरदार

अमरीश पुरी हिंदी सिनेमा का एक ऐसा नाम हैं, जो अपने पीछे कई ऐसी यादगार फिल्में छोड़कर गए हैं, जिन्हें ऑडियंस आज भी बड़े चाव से देखती हैं। उनकी फिल्मों को देखकर ऐसा महसूस होता है, मानों वह आज भी हमारे आसपास ही हों।

बहु प्रतिभाशाली अभिनेता रहे अमरीश पुरी ने अपने पूरे फिल्मी करियर में तकरीबन 450 से अधिक फिल्मों में काम किया। स्क्रीन पर दिग्गज अभिनेता ने हर तरीके का किरदार निभाया।

सीधे सादे पिता के रूप में उन्होंने दर्शकों का दिल तो जीता ही, लेकिन जब वह विलेन बनकर स्क्रीन पर आए और अपने दमदार डायलॉग्स बोले तो उनके सामने हीरो भी फीके पड़ गए। विलेन के रूप में मोगेम्बो तो उनका यादगार किरदार है ही, लेकिन उनके इन सात खतरनाक किरदारों को भी भूलना किसी भी प्रशंसक के लिए नामुमकिन है।

भैरोनाथ

श्रीदेवी और ऋषि कपूर स्टारर फिल्म 'नगीना' तो आपको अच्छे से याद होगी। पहली महिला सुपरस्टार के जितनी खूबसूरत नागिन दोबारा शायद ही फैंस को ऑनस्क्रीन देखने को मिले।

1986 में रिलीज हुई फिल्म में श्रीदेवी और ऋषि कपूर ने जहां पॉजिटिव भूमिका निभाई थी, तो वहीं इस फैंटेसी रोमांस फिल्म में अमरीश पुरी ने भैरोनाथ सपेरे का किरदार निभाया था। इस नेगेटिव रोल में उन्होंने खुद को ऐसे ढाला था, मानों वह सच के सपेरे हो। उनकी एक्टिंग मूवी में काफी शानदार थी।

बलराज

साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'नायकः द हीरो' में अमरीश पुरी ने महाराष्ट्र के भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री बलराज का किरदार अदा किया था। उनका ये किरदार आज भी फैंस के दिल में बसा हुआ है। फिल्म में उनके और अनिल कपूर के बीच जो आमना-सामना हुआ, उसने फिल्म को काफी दिलचस्प मोड़ दिया था। उनका ये किरदार ऑडियंस के लिए यादगार बन गया था।

भुजंग

साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'त्रिदेव' में अमरीश पुरी ने विलेन भुजंग का किरदार निभाया था, जिसकी मौजूदगी ही लोगों को डराने के लिए काफी है। नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्रॉफ और सनी देओल स्टारर इस फिल्म की सफलता में उनका एक बहुत बड़ा हाथ है, क्योंकि पूरी मूवी में उनके किरदार ने एक अलग इम्पेक्ट छोड़ा था।

ठाकुर दुर्जन सिंह

बिग स्क्रीन पर विलेन बने अमरीश पुरी को कई बार अंत में सुधरते हुए दिखाया गया है, तो कभी उन्होंने ऐसे किरदार निभाए हैं, जो इतने निर्दयी हैं, जो लाचार और बेबस आदमी को शेर के सामने डालने से पहले कतई नहीं सोचते। ऐसा ही एक निर्दयी किरदार उन्होंने शाह रुख खान और सलमान खान स्टारर फिल्म 'करण-अर्जुन' में निभाया था। उनके किरदार का नाम ठाकुर दुर्जन सिंह था, जो पावर के लिए किसी भी हद तक कुछ कर सकता है।

शेरा

साल 1987 में रिलीज हुई फिल्म 'लोहा' में अमरीश पुरी ने शेर उर्फ शेरा का किरदार अदा किया था। फिल्म में उनका अभिनय और लुक तो दमदार था ही, लेकिन इसी के साथ उनकी आइब्रो से लेकर उनकी मूंछों तक ने लोगों को डराकर रख दिया था।

मोगेम्बो

अनिल कपूर और श्रीदेवी स्टारर फिल्म 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी ने मोगेम्बो का किरदार अदा किया था। इस फिल्म में उनके कॉस्टयूम से लेकर उनके हेयर-डॉयलॉग्स और खूंखार लुक हर चीज ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री के पसंदीदा और सबसे बड़े विलेन्स में से एक बनाया।

मोला राम

इंडियन सिनेमा का सबसे खतरनाक विलेन बनने से पहले अमरीश पुरी ने खूंखार किरदार निभाकर इंटरनेशनली अपने किरदार की छाप छोड़ी थी।

उन्होंने साल 1984 में स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म 'इंडियाना जोन्स एंड द टेंपल ऑफ डूम' में उन्होंने 'मोला राम' का किरदार अदा किया था। उस समय पर अमरीश पुरी को अपने इस किरदार के लिए काफी नफरत का सामना करना पड़ा था।

सलमान खान ने परिवार के साथ मनाया एक्स गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर का जन्मदिन

सलमान खान ने कभी भी यूलिया वंतूर के साथ अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है, लेकिन अक्सर दोनों सुर्खियां बटोरते रहते हैं। आज भी उनकी एक तस्वीर वायरल हुई है। सलमान खान अपनी कथित गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर का जन्मदिन अपने परिवार के सदस्यों के साथ मनाते नजर आए। सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।

सलमान खान और उनका पूरा परिवार और गायिका यूलिया वंतूर के साथ बहुत करीबी रिश्ता साझा करते हैं। अभिनेता ने सुल्तान की 'जग घूमेया' और एक्शन-थ्रिलर राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई के लिए 'सीटी मार' जैसी फिल्मों के लिए भी यूलिया के साथ काम किया है। हाल ही में, अभिनेत्री ने बुधवार को अपना 44वां जन्मदिन मनाया

और खान परिवार के साथ जन्मदिन मनाने की उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गईं।

इस खास मौके पर उन्हें उनके दोस्तों और चाहने वालों ने दिल खोलकर शुभकामनाएं दीं। इस बीच, सलमान खान के जीजा अतुल अग्निहोत्री ने भी एक पोस्ट के जरिए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पोस्ट की गई तस्वीर में देखा जा सकता है कि यूलिया अभिनेता के परिवार के साथ अपना खास दिन मना रही हैं।

फोटो को अतुल अग्निहोत्री ने अपने सोशल हैंडल पर शेयर किया है। अरहान खान, आयुष शर्मा और परिवार के सभी सदस्य कैमरे के लिए पोज देते हुए देखे जा सकते हैं। परिवार के ज्यादातर लोग काले रंग के कपड़े पहने नजर आ रहे हैं। हाल ही में, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की भव्य संगीत नाइट में, इस जोड़ी ने 'ओओ जाने जाना' पर डांस किया।

हाथ में गिलास पकड़े सलमान ने यूलिया वंतूर के साथ डांस करते हुए जश्न का लुत्फ उठाया। इस बीच, सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह फिलहाल अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर' में व्यस्त हैं। इसमें रश्मिका मंदाना, प्रतीक बब्बर और सत्यराज अहम भूमिका में हैं।

इन 9 एक्सप्रेस-वे पर दौड़ेगा 'विकसित भारत' का सपना, ये रहा निर्मला सीतारमण का पूरा प्लान

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में 'विकसित भारत' के लक्ष्य को पाने का जिक्र बार-बार किया। सरकार ने 2047 तक भारत को दुनिया के डेवलप्ड नेशंस की कतार में शामिल करने का टारगेट रखा है। इसकी छाप 2024-25 के पूर्ण बजट में भी दिखती है। निर्मला सीतारमण ने इसके लिए बाकायदा ग्रोथ के 9 एक्सप्रेस-वे तैयार करने की बात भी कही है। दरअसल इस बार के बजट में सरकार ने 9 प्राथमिकताओं को तय किया है। इसमें देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के साथ-साथ लगभग हर वर्ग को साधने की कोशिश की गई है। चलिए डालते हैं एक नजर निर्मला सीतारमण के इस 9 एक्सप्रेस-वे प्लान पर।

बजट की प्राथमिकताएं

सरकार ने बजट में कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट पर फोकस करने, मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, मैन्यूफैक्चरिंग एंड सर्विसेस, शहरी

विकास, ऊर्जा संरक्षण, बुनियादी ढांचे का विकास, इनोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और नई पीढ़ी के आर्थिक सुधारों पर जोर दिया है। बजट में इन्हीं 9 पॉइंट्स पर सरकार का फोकस भी दिखता है। ये है सरकार का पूरा प्लान बजट के प्रावधानों को पढ़ेंगे, तब आप समझ पाएंगे कि सरकार ने विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए इन्हीं 9 ग्रोथ एक्सप्रेस-वे पर चलने का प्लान बना लिया है। कृषि सेक्टर में सरकार का फोकस जैविक खेती, बायो इनपुट सेंटर और नेचुरल फार्मिंग पर है। ये भारत के कृषि एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए ध्यान में रखकर लिया गया फैसला है। रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के लिए बजट में 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना', एम्प्लॉयर्स को प्रोत्साहन और वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर फोकस किया गया है। इसी के साथ 1000 आईआईटी को अपग्रेड करना, आदिवासियों के लिए पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान और पूर्वोत्तर के क्षेत्रों में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की 100 ब्रांच खोलने का विचार देश के मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय के लिए किया गया प्रावधान है। वहीं सरकार ने टैक्सेशन को सिंपलीफाई करने की शुरुआत के साथ नई पीढ़ी के आर्थिक सुधार को गति दी है, तो एंजल टैक्स को खत्म करके स्टार्टअप को ग्रोथ और इनोवेशन पर फोकस बढ़ाने की बात कही है। एग्री स्टार्टअप की मदद तो खुद सरकार करेगी। इतना ही नहीं देश में शहरी विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए सरकार ने 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कैपिटल एक्सपेंडिचर बजट रखा है। वहीं सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने पर भी सरकार का फोकस है।बजट के प्रावधानों को पढ़ेंगे, तब आप समझ पाएंगे कि सरकार ने विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए इन्हीं 9 ग्रोथ एक्सप्रेस-वे पर चलने का प्लान बना लिया है। कृषि सेक्टर में सरकार का फोकस जैविक खेती, बायो इनपुट सेंटर और नेचुरल फार्मिंग पर है। ये भारत के कृषि एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए ध्यान में रखकर लिया गया फैसला है। रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के लिए बजट में 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना', एम्प्लॉयर्स को प्रोत्साहन और वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर फोकस किया गया है।

'खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी वसूलने का कानूनी अधिकार', सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को झटका

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को झटका देते हुए कहा है कि राज्यों के पास संविधान के तहत खदानों और खनिज वाली भूमि पर रॉयल्टी वसूलने का विधायी (कानूनी) अधिकार है। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी और पीठ के सात न्यायाधीशों की ओर से फैसला पढ़ते हुए कहा कि संसद के पास संविधान की सूची दो की प्रविष्टि 50 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है। संविधान की सूची-II की प्रविष्टि 50 खनिज विकास से संबंधित नियमों और खनिज अधिकारों पर करों से संबंधित है। बहुमत के फैसले को पढ़ते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ का 1989 का फैसला गलत है जिसमें कहा गया था कि रॉयल्टी एक कर है। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिये और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने इससे असहमति व्यक्त की। यमूर्ति नागरत्ना ने अपना फैसला पढ़ते हुए कहा कि राज्यों के पास खदानों और खनिजों वाली भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता नहीं है। पीठ ने इस बेहद विवादास्पद मुद्दे पर फैसला किया कि क्या खनिजों पर देय रॉयल्टी खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत कर है, और क्या केवल केंद्र को इस तरह की वसूली करने की शक्ति है या राज्यों के पास भी अपने क्षेत्र में खनिज वाली भूमि पर लेवी लगाने का अधिकार है? संविधान पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति जार्ज मसीह शामिल हैं।

तीन दिन में सोना 5,000 सस्ता हुआ

आज 974 रुपए गिरकर 69,194 प्रति 10 ग्राम बिक रहा, चांदी 81,801 रुपए/किलो पर आई

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद से 3 दिन में सोना 5,000 रुपए और चांदी 6,400 रुपए सस्ती हो चुकी है।

सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 15% से घटाकर 6% कर दिया है। इससे भाव में ये गिरावट आई है।

बजट के दो दिन बाद, यानी आज 25 जुलाई को सोना 974 रुपए गिरकर 68,177 रुपए पर आ गया है।

23 जुलाई को इसमें 3,616 रुपए और 24 जुलाई को 451 रुपए गिरावट आई थी। वहीं चांदी आज 3,061 रुपए गिरकर 81,801 रुपए प्रति किलो पर आ गई है।

सोने की मांग बढ़ेगी, कीमतें ज्यादा नहीं घटेंगी

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के अनुसार इस बार बजट में सोना-चांदी पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी 15% से घटाकर 6% कर दी है।

'इससे इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। लेकिन कस्टम ड्यूटी घटने के बाद आने वाले दिनों में सोने की मांग और तेजी से बढ़ेगी। अभी सोने और चांदी में गिरावट भले हुई है, लेकिन इसे केवल ड्यूटी एडजस्टमेंट कह सकते हैं। कुछ दिन अगर सोना गिरा भी तो यह फिर कवर कर

लेगा। अमेरिका में चुनाव और वैश्विक तनाव को देखते हुए सोने और चांदी के दाम अधिक नहीं गिरेंगे। यह खरीद का अच्छा मौका है।

इस साल अब तक 4,800 रुपए से ज्यादा बढ़ चुके हैं सोने के दाम

इस साल अब तक सोने के दाम 4,800 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं।

साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 68,177 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 81,801 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 8,400 रुपए बढ़ चुकी है। हैदराबाद में आज का सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 69,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 64,000 रुपये है।

रतन टाटा की फेवरेट कंपनी ने निवेशकों पर बरसाए पैसे

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा मोटर्स रतन टाटा के दिल के कितने करीब है, यह सब इतिहास के पन्नों पर दर्ज है. रतन टाटा की फेवरेट कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर्स गुरुवार को बाजार की गिरावट में भी रॉकेट की तेजी से भाग रहे हैं और रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए. गुरुवार को टाटा मोटर्स के शेयर में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और इसका भाव 1084 रुपये के पार निकल गया है. ऑटोमोबाइल सेक्टर की दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स का शेयर अपने निवेशकों के लिए लगातार फायदे का सौदा साबित हो रहा है और बीते 5

1 लाख के बना दिए 8 लाख

साल में ही इसने निवेशकों को 633.67% की कमाई कराई है.

52-वीक के हाई पर शेयर

टाटा मोटर्स का शेयर गुरुवार को सुबह 9 बजे 1034 रुपये लेवल पर ओपन हुआ था. अपनी धमाकेदार शुरुआत के साथ ही महज डेढ़ घंटे के अंदर कारोबार के दौरान ये 1084 रुपये के पार निकल गया. सुबह 11.17 बजे पर टाटा मोटर्स का शेयर 5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त लेते हुए 1079 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं, कारोबारी सत्र के दौरान शेयर ने 11.09 मिनट पर 1084 रुपए का रिकॉर्ड हाई भी बनाया है. कंपनी के मार्केट कैप की बात करें तो ये 3,56,895.62 करोड़ हो गया है.

1 लाख को बना दिया 8 लाख

टाटा ग्रुप की इस ऑटोमोबाइल कंपनी का शेयर अपने निवेशकों के लिए मल्टीबैगर साबित हुआ है. इसकी परफॉर्मेंस पर नजर डालें, तो महज 5 साल में ही टाटा मोटर के शेयर में पैसे लगाने वाले निवेशकों को 633.81 फीसदी से ज्यादा का मल्टीबैगर रिटर्न मिला है. दूसरे शब्दों में समझें तो अगर 5 साल पहले अगर किसी निवेशक ने इस कंपनी के शेयरों में एक लाख रुपये का निवेश किया होगा और उसे अब तक होल्ड रखा होगा, तो उसका निवेश बढ़कर 8 लाख रुपये से ज्यादा हो गया होगा.

नोमुरा ने इस टाटा स्टॉक को दी बाय रेटिंग

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयरों की बेहतरीन परफॉर्मेंस को देखते हुए ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने इस शेयर को लेकर अपने पूर्व में दिए गए टारगेट में बदलाव किया है. नोमुरा ने टाटा मोटर्स के शेयर को 'बाय' रेटिंग दी है और कहा है कि इस टाटा स्टॉक में अभी भी कमाई का मौका नजर आ रहा है. इसके साथ ही ब्रोकरेज फर्म ने टाटा मोटर्स को 1,294 रुपये का नया टारगेट प्राइस दिया है.

बजट में सरकार ने किया इशारा

अब चीन पर हो सकती है मेहरबान, हट सकती है ये पाबंदी

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार अब चीन पर थोड़ी मेहरबानी दिखाने का विचार कर रही है। गलवान घाटी की घटना के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी बनी हुई है। चीन की कई कंपनियों को देश से बाहर का रास्ता भी दिखाया गया है। इतना ही नहीं चीनी कंपनियों के भारत में निवेश करने पर भी पाबंदी है। लेकिन अब सरकार कुछ कंपनियों के भारत में निवेश को मंजूरी दे सकती है। इस बारे में जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से ईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार चीन की कुछ कंपनियों के निवेश को मंजूरी देने के विकल्पों पर विचार कर रही है। ये मुख्य तौर पर सोलर मॉड्यूल्स और क्रिटिकल मिनरल्स सेक्टर में काम करने वाली कंपनियां हैं।

चीन की कंपनियों के पास अच्छी टेक्नोलॉजी

खबर के मुताबिक वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में हाई टेक्नोलॉजी की जरूरत वाले सोलर मॉड्यूल और क्रिटिकल मिनरल्स सेक्टर के लिए चीनी कंपनियों के निवेश का मुद्दा टेबल पर है। इस सेक्टर में काम करने वाली कुछ चीनी कंपनियों को निवेश पर पाबंदी के नियमों से छूट देने को लेकर बातचीत चल रही है, हालांकि ये बातचीत अभी प्राइवेट ही है और इस मुद्दे पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं किया गया है।

क्रिटिकल मिनरल्स में लीथियम से बनने वाली बैटरी भी आती हैं। सरकार ने बजट में बैटरी और सोलर मॉड्यूल पर सीमाशुल्क को कम भी किया है, जो देश की ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा परिवर्तन और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की जरूरतों के मुताबिक हैं। सोलर और ईवी दोनों पर ही सरकार का बड़ा फोकस है।

ज्यादा निवेश आकर्षित करने की जरूरत

इतना ही सरकार के आर्थिक सर्वे 2023-24 में ये साफ कहा गया है कि देश को और अधिक निवेश आकर्षित करने की जरूरत है। इसलिए भी सरकार चीनी कंपनियों के निवेश को मंजूरी देने पर विचार कर रही है। रॉयटर्स की भी एक खबर में सरकार के चीन पर मेहरबानी दिखाने की संभावना को लेकर चर्चा की गई है।

बजट में भी सरकार ने एंजल टैक्स को खत्म करने और विदेशी कंपनियों के कॉरपोरेट टैक्स को 40 से घटाकर 35 प्रतिशत करने जैसे प्रावधान किए हैं।

अडानी की 'एनर्जी', एक जगह हुआ 1190 करोड़ का घाटा

तो दूसरी जगह से ऐसे कमाया 16,584 करोड़

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। उद्योगपति गौतम अडानी देश के दूसरे सबसे अमीर इंसान हैं. उनका अडानी ग्रुप देश में पोर्ट और एयरपोर्ट मैनेजमेंट में तो सबसे आगे है ही, वहीं एनर्जी सेक्टर में भी ये दुनिया की टॉप कंपनियों में शुमार होता है. उनकी एनर्जी कंपनियों में से एक को जहां 1190 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ है, वहीं दूसरी कंपनी ऐसा धमाल मचा रही है कि उसका मार्केट वैल्यूएशन करीब 6 घंटे में 16,584 करोड़ रुपए बढ़ गया है.अडानी ग्रुप दुनिया की टॉप ग्रीन एनर्जी कंपनी में से एक है. समूह की अडानी ग्रीन ने हाल में अपनी प्रॉफिट डिटेल्स भी शेयर की थीं. वहीं ग्रुप की एक और कंपनी है अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस जो देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी है. इसी कंपनी को अप्रैल-जून तिमाही में तगड़ा नुकसान हुआ है.अडानी एनर्जी सॉल्युशंस

लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 1,190.66 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ है. इसकी मुख्य वजह कंपनी के खर्चों का बेहताशा बढ़ना है. बीते वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही (अप्रैल-जून) में कंपनी ने 181.98 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट कमाया था.अडानी एनर्जी सॉल्युशंस लिमिटेड ने शेयर बाजार को जो जानकारी दी है उसके हिसाब से इस दौरान उसकी टोटल इनकम बढ़कर 5,489.97 करोड़ रुपए हो गई है. जबकि बीते वित्त वर्ष 2023-में कंपनी की इनकम 3,772.25 करोड़ रुपए थी. जबकि इस दौरान कंपनी का खर्च 3,124.69 करोड़ से बढ़कर 4,443 करोड़ रुपए हो गया है.वहीं गुरुवार को अडानी ग्रुप की ही एक और कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने धमाल मचा दिया. शेयर मार्केट में इसका शेयर प्राइस 8 प्रतिशत तक चढ़ गया. इसकी वजह कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही में 629 करोड़ रुपए का प्रॉफिट बुक करना रही. ये, 2023-24 की इसी तिमाही के 323 करोड़ रुपए के प्रॉफिट से 95 प्रतिशत अधिक है.वहीं स्टॉक मार्केट में कंपनी का शेयर प्राइस दिन में 7.80 प्रतिशत चढ़कर 1,850 रुपए के भाव तक पहुंच गया. जबकि शाम होने तक ये 6.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,820.70 रुपए पर बंद हुआ. एनएसई पर भी कंपनी का शेयर 7.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,849 रुपए तक चला गया।

दुनिया के 1% अमीरों की संपत्ति में 10 वर्ष में आया 42 ट्रिलियन डॉलर का उछाल, अरबपतियों पर घटा टैक्स का भार

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। निया के टॉप एक फीसदी अमीरों की संपत्ति में पिछले एक दशक में 42 ट्रिलियन डॉलर का उछाल आया है. दुनिया के अमीरों ने 42 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति बनाने में जो सफलता हासिल की है ये दुनिया की आधी आबादी की कुल संपत्ति से 36 गुना ज्यादा है. ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया है. अपनी रिपोर्ट में ऑक्सफैम ने कहा कि इतना संपत्ति बनाने के बावजूद ये अरबपति अपने कुल संपत्ति का केवल 0.5 फीसदी ही टैक्स का भुगतान करते हैं.

ब्राजील में हो रहे जी20 समिट से पहले नॉन-प्रॉफिट आर्गेनाइजेशन के तौर पर कार्य करने वाली ऑक्सफैम ने ये डेटा जारी किया गया है. अपनी इस रिपोर्ट में ऑक्सफैम ने बताया कि पिछले एक दशक में दुनियाभर में एक फीसदी अमीरों की संपत्ति में 42 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला है. रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के अरबतियों ने ये 42 ट्रिलियन डॉलर संपत्ति जो बनाने में पिछले एक दशक में सफलता हासिल की है वो दुनिया के 50 फीसदी सबसे गरीब आबादी की संपत्ति से 36 गुना ज्यादा है. ऑक्सफैम के मुताबिक 80 फीसदी ये अरबपति जी-20 देशों में रहते हैं. अरबपतियों पर घटा टैक्स का बोझ ऑक्सफैम ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इतनी संपत्ति जुटाने के बाद भी इन अमीरों पर टैक्स की देनदारी घटी है जिससे दुनियाभर में असमानता बढ़ती जा रही है.

लगातार चौथे दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

एक्सिस बैंक के खराब नतीजों के चलते गिरा निफ्टी बैंक

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बजट पेश होने के बाद से भारतीय शेयर बाजार में जारी गिरावट का सिलसिला गुरुवार के कारोबारी सत्र में भी देखने को मिला है. हालांकि निचले लेवल से आज के सत्र में बाजार में रिकवरी देखने को मिली है. बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स में बिकवाली के चलते बाजार ये गिरावट देखने को मिली है. आज के सत्र में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों से रौनक गायब हो गई. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 109 अंकों की गिरावट के साथ 80039 अंकों पर क्लोज हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 7 अंकों की गिरावट के साथ 24,406 अंकों पर क्लोज हुआ है. इस हफ्ते के चारों कारोबारी सेशन में बाजार गिरकर बंद हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स

आज के कारोबारी सत्र में टाटा मोटर्स 6.17 फीसदी, एल एंड टी 2.94 फीसदी, सन फार्मा 2.81 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.67 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.72 फीसदी, पावर ग्रिड 0.61 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.59 फीसदी, टीसीएस 0.39 फीसदी, एचसीएल टेक 0.23 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि एक्सिस बैंक का शेयर 5.19 फीसदी, नेस्ले 2.49 फीसदी, आईसीआईसीआई 2.02 फीसदी, टाइटन 1.95 फीसदी, टाटा स्टील 1.78 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.21 फीसदी, आईटीसी 0.86 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

मार्केट कैप में उछाल

शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद ऑटो स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार के मार्केट वैल्यू में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.92 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 449.42 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 50,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी आई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-19 बजे
चंद्र-	मीन	मे	सिंह-	07-32 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-	09-38 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला-	11-44 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक-	13-53 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु-	16-07 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	18-13 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-04 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष-	21-42 बजे
			वृष-	23-18 बजे
			मिथुन-	01-03 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -05-57 सूर्यास्त. -18-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 23-30 तक उपरान्त सप्तमी
मास - श्रावण कृष्ण , शुक्रवार 26 July
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 14-30 तक उपरान्त रेवती
योग - सुकर्मा 01-31 तक उप धृति
करण- गर 12-42 तक उप वणिज
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध अमृत सिद्धि योग
व्रत -त्योहार - 14-30 से

विशेष:- राशिफल "ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:46 से 12:23 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	05:57 - 07:32 शुभ	रोग	18:47 - 20:13 अशुभ
लाभ	07:32 - 09:09 शुभ	काल	20:13 - 21:36 अशुभ
अमृत.	09:09 - 10:46 शुभ	लाभ	21:36 - 22:59 शुभ
काल	10:46 - 12:23 अशुभ	उत्पात	22:59 - 00:23 अशुभ
शुभ	12:23 - 13:59 शुभ	शुभ	00:23 - 01:46 शुभ
रोग	13:59 - 15:36 अशुभ	अमृत	01:46 - 03:09 शुभ
उत्पात	15:36 - 17:13 अशुभ	चंचल.	03:09 - 04:32 शुभ
चंचल	17:13 - 18:47 शुभ	रोग	04:32 - 05:57 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

क्या बाबरी की तरह गिराई जानी थी कोल्हापुर की मस्जिद

छत्रपति शिवाजी के राज में सेफ रही मजार, वंशज के समर्थक बने दुश्मन

कोल्हापुर, 25 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 1660 की बात है। महाराष्ट्र के बीजापुर की आदिलशाही फौज ने पुन्हाना का किला घेर रखा था। छत्रपति शिवाजी इसी किले में थे। 4 महीने तक घेराबंदी नहीं टूटी। रसद खत्म हो रही थी, इसलिए छत्रपति शिवाजी ने किला छोड़ने का फैसला लिया। बीजापुर की फौज को चकमा देकर विशालगढ़ किला पहुंच गए। छत्रपति शिवाजी की शरणगाह बने इस किले से करीब 2 किमी पहले हजरत मलिक रेहान मीरा साहब की मजार है। इतिहासकार इंद्रजीत सावंत बताते हैं कि छत्रपति शिवाजी के दौर में भी ये मजार सुरक्षित रही। उनके बाद उनके पेशवाओं और वारिसों ने भी इसका संरक्षण किया।

अब 2024 की बात

विशालगढ़ किले से करीब 6 किमी दूर है गजापुर गांव। 14 जुलाई को करीब 500 लोगों ने इस गांव पर हमला किया। एक मस्जिद में घुस गए और हथौड़ों से उसे तोड़ने की कोशिश की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हमलावर कह रहे थे कि इस मस्जिद को भी अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तरह तोड़ देंगे। एक आरोप ये भी है कि हमला करने आए लोग शिवाजी के वंशज संभाजी राजे भोसले की अपील पर आए थे। संभाजी राजे भोसले के पिता छत्रपति शाहू महाराज कांग्रेस में हैं और कोल्हापुर से सांसद हैं।

संभाजी राजे भोसले के समर्थकों ने मुस्लिमों के किसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाया हो, ऐसा पहली बार नहीं है। इससे पहले 13 और 14 जुलाई को किले के पास वाली मजार में तोड़फोड़ करने की कोशिश की गई थी। पिछले साल फरवरी में भी मजार के गेट को निशाना बनाकर छोटी तोप जैसे दिखने वाले हथियार से रॉकेट दागा गया था।

कोल्हापुर से करीब 90 किमी दूर बसे गजापुर गांव में 700 से ज्यादा परिवार रहते हैं। 14 जुलाई को भीड़ ने गांव पर हमला कर दिया। पहले गांव के बाहर बनी मस्जिद और कब्रिस्तान को तोड़ने की कोशिश की। फिर 40 से ज्यादा घरों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। सामान भी लूट लिया। पुलिस की टीम पहुंची, तो भीड़ ने उस पर भी पथराव किया। हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस ने 500 अज्ञात लोगों पर आतंक फैलाने, बलवा करने और हत्या की कोशिश की धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले में अब तक 25 लोग अरेस्ट किए गए हैं।

गजापुर गांव के मुस्लिमवाड़ी मोहल्ले में सबसे ज्यादा हिंसा हुई है। गजापुर गांव में घुसते ही जगह-जगह टूटी कारें, बाइक, जले मकान और लुटी दुकानें दिखने लगती हैं। गांव में सड़क किनारे पुलिसवाले तैनात हैं। मेन रोड से करीब 50 मीटर दूर बनी मस्जिद के कंपाउंड की दीवार टूट गई है। खिड़कियां भी टूटी हुई हैं। अंदर एक हिस्से में टूटा साउंड सिस्टम, अलमारी, इनवर्टर और बक्सा रखा है। मस्जिद की हालत देखकर अंदाजा हो जाता है कि उसके पिलर और मीनारें तोड़कर पूरी तरह ढहाने की तैयारी थी।

मस्जिद के निकट ही हनीफा का घर है। 7 दिन बाद भी उनके घर पर चीजें जस की तस पड़ी हैं। भीड़ ने उनकी दुकान तोड़ दी थी। हमले के बारे में हनीफा बताती हैं, 'उस दिन मैं, बहू और

उसके दो बच्चे घर में थे। भीड़ मस्जिद में तोड़फोड़ कर रही थी। हम खिड़की से सब देख रहे थे।' 'इसके बाद वे लोग हमारे घर की तरफ आ गए। उन्होंने शेड में खड़ी हमारी दो कारें तोड़ दीं। फिर तलवार और रॉड से घर का दरवाजा तोड़ने लगे। दरवाजा टूटने से पहले हम दूसरे गेट से भाग निकले। उन लोगों पर खून सवार था। उन्होंने बच्चों के खिलौने काट दिए, उनमें आग लगा दी। अगर हम उनके हाथ लग जाते, वे हमारा भी यही हाल करते। जान बचाने के लिए हम सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक जंगल में छिपे रहे। बच्चे भूख से तड़प रहे थे, लेकिन हम बाहर नहीं आए। हनीफा आरोप लगाती हैं कि हमें बचाने पुलिस नहीं आई। सब मस्जिद को बचा रहे थे। हमारे सामने हमारा घर लुट रहा था और हम देख रहे थे। भीड़ में शामिल लोग हमारे पैसे और 5 तोला सोने के गहने लूट ले गए।

मुस्लिमवाड़ी मोहल्ले में ही 65 साल की आयशा मोहम्मद रहती हैं। भीड़ ने उनके घर में तोड़फोड़ की और लूटपाट कर आग लगा दी। बचने के लिए आयशा बहू और बच्चों के साथ भाग निकलीं। वे बताती हैं, 'उस दिन बारिश हो रही थी, इसलिए आग बार-बार बुझ रही थी। आग बुझती तो वे फिर से आग लगा देते। उनके पास तलवार, भाले, हथौड़े और फावड़े थे।

गजापुर में 40 साल से रह रहे इमाम बताते हैं, '4 दिन से हिंदू संगठन अपने सोशल मीडिया पेज पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे। लोगों से 14 जुलाई को विशालगढ़ में होने वाली महाआरती में शामिल होने के लिए कहा जा रहा था। इनमें संभाजी महाराज का संगठन भी था। दोपहर 12:30 बजे मैं मस्जिद में ही था। हम 10-12 लोग बैठे हुए थे। तभी किले की ओर से 50 और नीचे की तरफ से 100 से ज्यादा लोग आए और मस्जिद में घुस गए। कुछ लोग मस्जिद की मीनार तोड़ने लगे, कुछ अंदर तोड़फोड़ कर रहे थे। ये सब शाम 6 बजे तक चला।

इमाम बताते हैं, 'भीड़ में शामिल लोग कह रहे थे कि इसे भी बाबरी मस्जिद की तरह गिरा देंगे। जिन घरों में उन्होंने तोड़फोड़ की, उसकी नेम प्लेट पर भगवा रंग का पेंट कर दिया। 51 गाड़ियों में तोड़फोड़ की है। घरों का सामान लूट लिया, औरतों के पीछे तलवार लेकर दौड़े। लोग इतना डर गए थे कि जंगल से लौटना नहीं चाहते थे। गांव के 80% पुरुष घर छोड़कर चले गए हैं।

कोल्हापुर मुस्लिम बोर्डिंग के चेयरमैन गनी अजरेकर हमले के बाद सबसे पहले गांव में पहुंचे थे। वे आरोप लगाते हैं, 'हमला भले 14 जुलाई को हुआ, लेकिन इसकी प्लानिंग 3-4 जुलाई से चल रही थी। सोशल मीडिया पर पुणे, सोलापुर और कोल्हापुर के लोगों के वीडियो-पोस्ट वायरल हो रहे थे। इसमें लोग कह रहे थे कि बाबरी विध्वंस के समय हमें मौका नहीं मिला, लेकिन इस मस्जिद को गिराकर हम अपना सपना पूरा करेंगे।'

गनी अजरेकर बताते हैं, '7 जुलाई को कोल्हापुर के 20 से ज्यादा हिंदू संगठनों के लोग अतिक्रमण हटाने के नाम पर पहुंचे थे। वहां उन्हें पता चला कि मामला कोर्ट में है और अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है, तो वे लौट गए।'

'इसके बाद पूर्व राज्यसभा सांसद संभाजी राजे छत्रपति की एंट्री हुई। उनके संगठन ने किले के आसपास से अतिक्रमण हटाने के लिए 13 और फिर 14 जुलाई को लोगों को विशालगढ़ आने के लिए कहा।' आंदोलन का नाम रखा 'चलो विशालगढ़।

गनी अजरेकर कहते हैं, 'अगर किसी ने अतिक्रमण किया भी है, तो उसे हटाने की जिम्मेदारी प्रशासन की थी, न कि दंगाइयों की।' वे आरोप लगाते हैं कि हमले के वक्त एसपी महेंद्र पंडित भी मस्जिद के पास थे। गनी कहते हैं, 'माइनॉरिटी कमीशन के सामने एसपी ने कहा है कि हमले के दौरान उनके हाथ में चोट लगी है। एसपी के साथ हमेशा 15-20 पुलिसवाले रहते हैं। इतनी पुलिस भीड़ को काबू नहीं कर पाई।'

वहीं, कोल्हापुर एसपीमहेंद्र पंडित ने कहा कि घटना से तीन दिन पहले से विशालगढ़ में पुलिस तैनात थी। रविवार को भी 350 जवान और 50 अधिकारी मौजूद थे। हमने संभाजी राजे से अपील की थी कि वे विरोध-प्रदर्शन आगे न बढ़ाएं, क्योंकि भीड़ को कंट्रोल नहीं किया जा सकता।

मुस्लिमवाड़ी गांव में हजरत मलिक रेहान मीरा साहब की मजार है। कई साल से यहां अतिक्रमण हटाने की मांग हो रही है। यहां भी दो बार हमले की कोशिश हो चुकी है। मजार के पास मिलीं मलिका बताती हैं, 'किले की तरफ से आई भीड़ ने हमारे घरों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। वे टारगेट करके हमारे घरों पर हमला कर रहे थे। भीड़ बाहर की थी, लेकिन उन्हें पता था कि कौन सा घर हिंदू का है और कौन सा मुसलमान का है। उन्हें हमारे बीच के ही कुछ लोग सपोर्ट कर रहे थे।'

इस हिंसा के लिए संभाजी राजे के स्वराज्य संगठन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। संगठन के प्रवक्ता सुखदेव गिरी ने बताया कि हम कई साल से विशालगढ़ में हुए अतिक्रमण के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। 14 जुलाई को हमने शिवभक्तों को किले के आसपास अतिक्रमण हटाने के लिए बुलाया था। हमारा मकसद मुस्लिमवाड़ी में तोड़फोड़ का नहीं था। वहां हुई हिंसा का हम समर्थन नहीं करते हैं। पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है। हिंसा करने वाले हमारे संगठन से नहीं थे और न ही वे कोल्हापुर के रहने वाले थे। हम उन्हें पहचानते भी नहीं हैं।' हिंसा में संभाजी राजे के शामिल होने के सवाल पर सुखदेव कहते हैं, 'राजे ने गढ़ के पास हुए अतिक्रमण को हटाने की अपील की थी। हमारा उद्देश्य वहां हो रहे गलत काम बंद करवाने का था। संभाजी राजे दोपहर एक बजे गजापुर गांव पहुंचे, तब तक हिंसा खत्म हो चुकी थी। उन्होंने भीड़ को कंट्रोल करने और लोगों को वापस भेजने का काम किया। उन पर लग रहे आरोप गलत हैं। अगर वे हिंसा में शामिल होते, तो क्या पुलिस उनके खिलाफ केस दर्ज नहीं करती। वहां सिर्फ मुसलमानों ने ही नहीं, हिंदुओं ने भी अतिक्रमण किया है। हम पूरा अतिक्रमण हटाना चाहते थे।

सिर्फ संभाजी राजे का संगठन ही नहीं, कोल्हापुर में 20 से ज्यादा हिंदू संगठनों से मिलकर बना 'सकल हिंदू समाज' भी छत्रपति शिवाजी के किलों के पास से अतिक्रमण हटाने के लिए आंदोलन कर रहा है। दोनों का मकसद एक होने के बावजूद सकल हिंदू समाज ने संभाजी राजे के आंदोलन से दूरी बना रखी है। हिंदू एकता आंदोलन के अध्यक्ष गजानन नामदेव बताते हैं कि हम कई साल से अतिक्रमण के खिलाफ काम कर रहे हैं। संभाजी राजे अचानक 10 दिन पहले सामने आए। सकल हिंदू समाज का कोई कार्यकर्ता तोड़फोड़ में शामिल नहीं था।'

हालांकि, इसी संगठन के जिला अध्यक्ष दीपक देसाई हिंसा करने वालों का समर्थन करते हैं। वे आरोप लगाते हैं, 'शिवभक्त किले पर महाआरती करने गए थे। इसी दौरान मुस्लिम महिलाओं ने उन पर पथराव कर दिया। किले के पास ज्यादातर मुस्लिमवाड़ी में रहने वाले लोगों की दुकानें हैं। इसी वजह से हिंसा भड़की।'

सरगुजा में फूड प्वाइजनिंग से एक की मौत

पांच की हालत बिगड़ने की खबर; स्वास्थ्य टीम कर रही जांच

सरगुजा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के उदयपुर ब्लॉक अंतर्गत दूरस्थ ग्राम खुज्जी में फूड प्वाइजनिंग से एक ही परिवार के पांच सदस्य बीमार हो गए। इनमें 15 वर्षीय बालिका की मौत होने की खबर है। वहीं फूड प्वाइजनिंग से मौत की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य अमले ने गांव में स्वास्थ्य कैंप लगाया एवं घर-घर पहुंचकर पीड़ितों की जानकारी ले रहे है।

मृतका के परिवार के अन्य सदस्य खतरे के बाहर हैं। जानकारी के अनुसार, उदयपुर से करीब 30 किमी दूर स्थित ग्राम खुज्जी निवासी नारायण मझवार के परिवारजनों ने शनिवार को भाजी की सब्जी बनाई थी। इसे खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य उल्टी-दस्त का शिकार हो गए। मंगलवार को गंभीर रूप से पीड़ित नारायण मझवार की पुत्री फुलमतिया 15 वर्ष की मौत होने की खबर मिल रही है।

वहीं अन्य सदस्यों की हालत भी बिगड़ गई। पंचायत के सचिव व मितानिन की सूचना पर उदयपुर से स्वास्थ्य अमला गांव में पहुंचा एवं पीड़ित नारायण मझवार, उसकी पत्नी बंधई, दो पुत्र आकाश व बैसाखू का उपचार शुरू किया। अंबिकापुर से मेडिकल ऑफिसर वाईके किंडो की टीम भी खुज्जी पहुंची।

गांव में ही कैंप कर उपचार के बाद चारों पीड़ितों की हालत अब खतरे से बाहर है। स्वास्थ्य अमले ने गांव के अन्य घरों में भी जांच की, लेकिन डायरिया के मरीज नहीं मिले। मौसमी बीमारियों के जो पीड़ित मिले, उन्हें दवाएं दे दी गई हैं। उदयपुर बीएमओ डा. डीएम कामरे ने बताया कि पीड़ित नारायण मझवार के परिवार का उपचार अब भी चल रहा है। उन्हें पूरी तरह से स्वस्थ होने में और दो से तीन दिनों का समय लग सकता है।

स्वास्थ्य विभाग की पूछताछ में नारायण मझवार ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने भाजी खाई थी। जंगली भाजी की सब्जी के साथ चावल खाया था, जिसके बाद सभी की तबियत बिगड़ी। सभी के उल्टी-दस्त पीड़ित होने के बावजूद तत्काल उनका उपचार नहीं कराया गया। मृतका की एक बहन सुकवारो कस्तूरबा आश्रम उदयपुर में रहती है, जो सुरक्षित है।

मृतका के भाई बैसाखू ने कहा कि उन्होंने बाड़ी की बोदेला भाजी खाई थी, जो गांव के अन्य लोग भी खाते हैं। इसके पूर्व भी वे भाजी खा चुके हैं, लेकिन बीमार नहीं पड़े थे। दो दिनों तक सभी को पेटदर्द के बाद उल्टी-दस्त शुरू हुआ था। स्वास्थ्य अमले ने दो दिनों तक खुज्जी में बारिश के सीजन में जंगली पुटु, खुखड़ी एवं भाजी का सेवन न करने की सलाह दी है। कुछ पुटू व खुखड़ी भी विषाक्त होते हैं, जिनसे फूड प्वाइजनिंग का खतरा रहता है। ग्रामीणों को पानी उबाल कर पीने की भी समझाश दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में 100 करोड़ की ठगी का मामला

तीनों आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

कोरोना में चलाया था शातिर दिमाग

बिलासपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिप्टो करेंसी के नाम पर 100 करोड़ की ठगी करने वाले तीनों आरोपियों की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच में इस मामले में सुनवाई हुई है। दरअसल, कोरोना के दौरान नौकरी गंवाने वाले राजनांदगांव जिले के कंपाउंडर सुशील साहू ने शातिर दिमाग का इस्तेमाल करते हुए क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने एक डमी एप बनाया।

कंपाउंडर साहू ने एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और एक रिटायर्ड आईएएस अफसर को भी अपनी टीम में शामिल कर लिया। उसने छत्तीसगढ़ समेत अन्य 8 राज्यों में अपना नेटवर्क फैलाकर लोगों से करीब 100 करोड़ निवेश करा लिया।

निवेशकों ने जब सुशील साहू से लाभ की रकम मूल समेत लौटाने को कहा तो सुशील उन्हें घुमाने लगा। परेशान निवेशकों ने राजनंदगांव और अन्य थाने में अलग अलग रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस ने जांच के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जमानत के लिए आरोपियों ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की। इस पर आपत्ति करते हुए अधिवक्ता अंकित सिंह ने जमानत अर्जी खारिज करने की मांग की। जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच ने पहली सुनवाई में डीजीपी को एसआईटी टीम गठित कर जांच कर शपथपत्र पेश करने का निर्देश दिया था।

डीजीपी ने जांच कर शपथपत्र प्रस्तुत किया। कोर्ट ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए तीनों आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

मंत्री-सचिव खरीद सकेंगे 60000 रुपये तक के मोबाइल

झारखंड कैबिनेट ने 30 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

रांची, 25 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के मंत्री और सचिव 60000 रुपये तक के मोबाइल खरीदने के साथ ही 3000 रुपये प्रति माह का रिचार्ज करा सकेंगे। राज्य कैबिनेट ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 30 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है, इनमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर की संविदा नियुक्ति भी शामिल है।

कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि कैबिनेट बैठक में मंजूर प्रस्ताव के मुताबिक, विशेष सचिव स्तर के अधिकारी 45000 रुपये तक के मोबाइल खरीदने के साथ ही प्रति माह 2000 रुपये का रिचार्ज करा सकेंगे। जबकि, अतिरिक्त सचिव, अतिरिक्त निदेशक और अन्य लोग 30000 रुपये तक के मोबाइल खरीदने के साथ ही 750 रुपये का रिचार्ज करा सकेंगे।

डाडेल के मुताबिक, कई पद खाली पड़े हैं और इसका असर शैक्षणिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। नई भर्ती होने तक स्थिति से निपटने के लिए रिक्त पदों को अनुबंध के आधार पर भरने के नियम बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती दो साल या उम्मीदवार की 70 वर्ष की आयु तक की जाएगी। प्रोफेसरों के लिए 2.5 लाख रुपये, एसोसिएट प्रोफेसरों के लिए 2 लाख रुपये और सहायक प्रोफेसरों के लिए 1.5 लाख रुपये का मासिक पारिश्रमिक प्रस्तावित किया गया है।

कैबिनेट ने देवघर में श्रावणी मेला के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 27 अस्थायी पुलिस चौकियां और 17 यातायात चौकियां स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। यह चौकियां 19 अगस्त तक चालू रहेंगी। साथ ही झामुमो के महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी को राज्य की 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया। हेमंत सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम गारी योजना का लाभ उठाने वाले लोगों को पहचान पत्र प्रदान करने का भी निर्णय लिया। आईडी कार्ड के लिए कुल 20 करोड़ रुपये आवंटित किये गये थे। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों सहित लगभग 1 करोड़ लोग ग्रामीण परिवहन योजना के तहत मुफ्त यात्रा के हकदार हैं। इसके अलावा, कैबिनेट ने राज्य विधानसभा में झारखंड जेल और सुधार सेवा विधेयक, 2024 को भी मंजूरी दे दी।

पुल के ऊपर पहुंचा बाढ़ का पानी

वाहनों की लगी लंबी कतार; युवक की बहने से मौत

कोरबा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले के कटघोरा के धौराभाटा के समीप नदी पर बने पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। निरंतर हो रही बरसात के कारण जलस्तर बढ़ा और नदी के ऊपर से पानी बहता देखकर भी एक युवक ने पुल पार करने की कोशिश की। लेकिन वह तेज धार में बहकर निकलने की कोशिश में मारा गया।

कटघोरा बिलासपुर मार्ग बातचीत हो जाने के कारण पुल के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई है। लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि लगातार हुई बारिश के बाद यह स्थिति निर्मित हुई है। जहां नदी के ऊपर पुल बना हुआ है और मुख्य सड़क से जुड़ा हुआ है। अचानक जलस्तर बढ़ने के बाद दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। जहां यात्री बस के अलावा ट्रक , बाइक और कार फंसे हैं और पानी कम होने का इंतजार कर रहे हैं।

यही हाल जिले के पाली विकासखंड के मुंगाडीह गांव की स्थिति रही जहां पानी ने तबाही मचाकर रखी है। हर तरफ लोगों को पानी ही पानी नजर आ रहा है। पानी के तांडव से कई घर बेघर हो गए हैं। लोगों को जगह खाली करना पड़ा। ग्रामीणों को सामान छोड़कर भागना पड़ा। वहीं कई लोग सामान खाली करने में लगे रहे।

झारखंड में सीपीआईएम के चार ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

36 लाख की नकदी और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

रांची, 25 जुलाई (एजेंसियां)। एनआईए ने झारखंड में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान जांच एजेंसी ने 36 लाख रुपये भी जब्त किए। इस बाबत जांच एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है। इसमें बताया गया कि ये कार्रवाई प्रतिबंधित संगठन सीपीआई(माओवादी) कैडरों की गिरफ्तारी और गोला बारूद की बरामदगी से जुड़े एक मामले में चार जगहों पर की गई।

जारी बयान में कहा गया कि इस मामले में रांची और लातेहार जिलों में दो-दो दगहों पर संदिग्धों के परिसरों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 36,30,000 रुपये की नगदी, आपत्तिजनक पोस्टर, डिजिटल उपकरण

और कई अन्य दस्तावेज जब्त किए गए।

गौरतलब है कि इस मामले की जांच एनआईए ने 14 जून 2022 को लोहरदगा जिले के पेशरार थाने से अपने हाथ में ली थी। मामले में एनआईए ने 22 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए ने आरोप पत्र में कहा था कि आरोपी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के ओजीडब्ल्यू (ओवरग्राउंड वर्कर) के रूप में काम करते पाए गए। इसके अलावा, जांच से पता चला है कि इन आरोपियों ने सीपीआई (माओवादी) के सदस्यों को रसद सहायता प्रदान की थी और वे संगठन के सशस्त्र कैडरों द्वारा ली गई लेवी और धन को प्रसारित करने में भी शामिल थे।

एनआईए ने विस्फोटक बरामदगी मामले में नक्सली को किया गिरफ्तार

वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2021 में बिहार में हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की बरामदगी से जुड़े मामले में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के वरिष्ठ नक्सली को गिरफ्तार किया है। एजेंसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि उदय जी उर्फ राजेश कुमार सिन्हा नक्सली संगठन का विशेष क्षेत्र समिति सदस्य है।

चुनाव आयोग ने प्रकाशित किया मतदाता सूची का ड्राफ्ट

सोशल मीडिया पर चलाया गया 'नाम जांचो' अभियान

रांची, 25 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने दूसरा विशेष सुधार कार्यक्रम के तहत झारखंड की मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित कर दिया है। आयोग ने सोशल मीडिया पर नाम जांचो अभियान चलाया, जिससे मतदाताओं को ड्राफ्ट लिस्ट में अपने नाम को जांचने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि राज्य के सभी बूथ ड्राफ्ट लिस्ट प्रदर्शित कर दिया गया है।

झारखंड में मतदाता सूची का दूसरा विशेष सुधार कार्यक्रम 25 जून से शुरू किया गया था, जो 24 जुलाई तक चला। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपने नाम की जांच करने और दूसरों को भी इसके बारे में बताने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि मतदाता चुनाव आयोग के ऑनलाइन माध्यमों के जरिए जैसे वोटर हेल्पलाइन एप या वोटर सर्विस पोर्टल में भी अपना नाम देख सकते हैं।

मतदाता सुधार के लिए नौ अगस्त तक प्रस्तुत कर सकते हैं। वोटर लिस्ट का प्रकाशन 20 अगस्त को किया जाएगा। सामान्य मतदाताओं में इसे लेकर जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर नाम जांचो अभियान चलाया गया है। बता दें कि झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। साल 2019 में विधानसबा चुनाव नवंबर-दिसंबर में हुआ था।

वियनतियाने पहुंचे जयशंकर आसियान की बैठक में भाग लेंगे

वियनतियाने (लाओस), 25 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आसियान बैठक के लिए गुरुवार को लाओस की राजधानी वियनतियाने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह दक्षिण पूर्वी राष्ट्रों के संगठन के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी 'एक्ट ईस्ट नीति' के 10 साल पूरे कर रहा है।

जयशंकर को लाओस के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री सेलुमक्से कोमासिथ ने आसियान-भारत, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) और आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) के प्रारूप में आसियान ढांचे के तहत विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, आसियान की बैठकों के लिए लाओस के वियनतियाने पहुंच गया हूं। हम आसियान के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंक हम एक्ट ईस्ट नीति का एक दशक पूरा कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा से पहले एक बयान में कहा, यह दौरा आसियान केंद्रित क्षेत्रीय वास्तुकला, आसियान एकता, हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान आउटलुक (एओआईपी) और आसियान-भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एमईए ने कहा, इस दौरे का खास महत्व है, क्योंकि भारत अपनी एक्ट ईस्ट नीति के दस साल पूरे कर रहा है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में नौवें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी।

अपने दौरे के दौरान जयशंकर आसियान से जुड़ी बैठकों के दौरान वियनतियाने में अन्य देशों के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कर सकते हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्री और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख साझेदार देशों के शीर्ष राजनयिक तीन दिवसीय बैठक के लिए यहां एकत्र हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी इसमें भाग लेने वालों में शामिल हैं।

इस्तांबुल से दिल्ली जा रहे इंडिगो के एक विमान में आई थी तकनीकी खराबी, जांच के बाद उड़ान भरी

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।इंडिगो ने बताया कि इस्तांबुल से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई 12 में तकनीकी खराबी के कारण देरी हुई। यात्रियों को देरी के बारे में जानकारी दी गई, जलपान परोसा गया और हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए आवश्यक व्यवस्था तुरंत की गई। आवश्यक जांच के बाद उसी विमान ने गंतव्य के लिए उड़ान भरी।

वियतनाम के महासचिव फूट्रोंग के राजकीय अंतिम संस्कार में डोभाल ने भाग लिया

वियतनाम के भारतीय दूतावास ने बताया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आज हनोई में वियतनाम के महासचिव गुयेन फूट्रोंग के राजकीय अंतिम संस्कार में भाग लिया और राष्ट्रपति लाम, प्रधानमंत्री फाम मिन्हचिन और शोक संतप्त परिवार के प्रति व्यक्तिगत रूप से संवेदना व्यक्त की।

सीपीईसी और पाकिस्तान के अत्याचारों के खिलाफ विशाल प्रदर्शन करेंगे बलूच, कार्यकर्ता महरंग का एलान

ग्वादर (बलूचिस्तान) , 25 जुलाई (एजेंसियां)। बलूच अधिकार कार्यकर्ताओं ने बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में एक विशाल सभा और विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। बलूच अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाली कार्यकर्ता महरंग बलूच ने 28 जुलाई को आगामी कार्यक्रम की घोषणा की है। उन्होंने इसे बलूच राष्ट्रीय सभा का नाम दिया है। बलूचों का यह प्रदर्शन जिले में चल रहे बलूच नरसंहार और शोषण के खिलाफ हो रहा है।

महरंग बलूच ने एक्स पर लिखा, ₹बलूच राष्ट्रीय सभा बलूचों के नरसंहार, मेगा परियोजनाओं की आड़ में बलूचों के संसाधनों की लूट और सुरक्षा के नाम पर बलूचिस्तान को जेल में बदलने के लिए खिलाफ एक ऐतिहासिक सार्वजनिक जनमत संग्रह होगा। एक शक्तिशाली सार्वजनिक प्रतिरोध की शुरूआत होगी।

सीपीईसी जैसे परियोजनाओं का लोगों को नहीं मिल रहा लाभ

यह एलान ऐसे समय में किया गया है, जब कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि बलूचिस्तान के लोगों का

दशकों पुराने औपनिवेशिक शासन की तरह उत्पीड़न किया जा रहा है। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जैसी विकास पहल का केंद्र बिंदु रहा है। हालांकि, स्थानीय लोग इन परियोजना का विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें इन परियोजनाओं में कम लाभ मिलता है।

दशकों से अत्याचार और दमन झेल रहा बलूचिस्तानः बलूच एकजुटता समिति

बलूच एकजुटता समिति ने एक्स पर लिखा, ₹बलूचिस्तान ने सात दशकों तक अत्याचार और दमन झेला है। यह औपनिवेशिक शासन की याद दिलाता है। इस भूमि के मूलनिवासी होने के बावजूद बलूच लोग लगातार खतरे में रह रहे हैं। गायब होने और न्यायेतर हत्याओं का सामना कर रहे हैं और आर्थिक रूप से हाशिए पर रह रहे हैं।₹

बलूच लोगों को नहीं मिल रहीं मूलभूत सुविधाएं

पाकिस्तान सीपीईसी से बलूचिस्तान के विकास का दावा करता है। लेकिन, ग्वादर के निवासियों को बुनियादी सुविधाओं की कमियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें चिलचिलाती गर्मी के बीच पीने के साफ पानी और अनियमित बिजली आपूर्ति शामिल है।

समिति ने लोगों से प्रदर्शन में जुटने का किया आह्वान

बलूच एकजुटता समिति ने एक्स पर लिखा, पाकिस्तान की ओर से प्रचारित विकास ने हमारी दुर्दशा को और बढ़ा दिया है। हमारे घरों को जेलों में बदल दिया है। जबकि हमारी पैतृक भूमि का आर्थिक लाभ के लिए शोषण किया जा रहा है। बलूच राष्ट्रीय सभा का मकसद कार्यकर्ताओं को राज्य प्रायोजित दमन और आर्थिक शोषण के खिलाफ व्यापक समर्थन जुटाना है। यह आयोजन न्याय, स्वायत्तता और बलूच अधिकारों की मांग के लिए एक सामूहिक प्रदर्शन है।

समिति ने कहा, हम अपने लोगों की पीड़ा और हमारी सांस्कृतिक व आर्थिक विरासत के नुकसान के बीच चुप रहने रहने से इनकार करता हैं। समिति सभी बलूच नागरिकों को उत्पीड़न के खिलाफ एक होकर आंदोलन शुरू करने के लिए ग्वादर में हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करती है।

विमान हादसे में ऐसे बची पायलट की जान, रिपोर्ट में दावा- दुर्घटना में टूटकर अलग हो गया था कॉकपिट

काठमांडू, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल विमान हादसे का एकमात्र जीवित शख्स कैप्टन मनीष राज शाक्य जो उस विमान 18 अन्य लोगों के साथ सवार था। जिसकी चमत्कारिक रूप से इस भीषण हादसे में जान बच गई है। आज जारी हुए एक रिपोर्ट के अनुसार इस हादसे के दौरान विमान का कॉकपिट एक कंटेनर से टकराकर अलग हो गया था, जिसके बाद विमान के बाकी हिस्से में आग लग गई थी।

मरम्मत के लिए जा रहा था सौर्य एयरलाइंस विमान

बता दें कि सौर्य एयरलाइंस के बॉम्बार्डियर सीआरजे-200 विमान में बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) से उड़ान भरने के तुरंत बाद आग लग गई। इस दौरान विमान में दो चालक दल के सदस्य, एयरलाइन के तकनीकी कर्मचारी और एक बच्चा और उसकी मां समेत कुल 19 लोग सवार थे। ये विमान मरम्मत के लिए पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जा रहा था।

हादसे में 15 लोगों की मौके पर हुई थी मौत

इस हादसे को लेकर अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से 15 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन की स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हवाई अड्डे के सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि जब विमान कंटेनर से टकराया, तो कॉकपिट का अगला हिस्सा उसमें फंस गया, जबकि विमान का बाकी हिस्सा जमीन के दूसरी तरफ गिर गया। टीआईए एयरपोर्ट सुरक्षा कार्यालय के उप महानिरीक्षक और प्रमुख राम दत्त जोशी के अनुसार, कैप्टन शाक्य को टीआईए परिसर में रखे कंटेनर के अंदर से बचाया गया।

कंटनेर के पास से बचाए गए कैप्टन शाक्य

एक स्थानीय समाचार पत्र ने डीआईजी जोशी के हवाले से कहा, हमने कंटेनर के अंदर से कैप्टन शाक्य को बचाया। डॉक्टरों ने कैप्टन शाक्य के मस्तिष्क के घावों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल उनका फिलहाल काठमांडू मेडिकल कॉलेज (केएमसी) में इलाज चल रहा है। वहीं इलाज में शामिल डॉक्टरों के अनुसार, हालांकि शरीर के अलग-अलग हिस्सों में लगी चोटों और रीढ़ की हड्डी के दो स्थानों पर टूटी हड्डियों के कारण गंभीर समस्या नहीं हुई है। न्यूरोसर्जन डॉ. अमित थापा ने कहा कि वे घायल कैप्टन के मस्तिष्क के घावों की मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन के बाद ही आगे की जानकारी दे पाएंगे।

हादसे की जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच आयोग गठित

इसी बीच कैप्टन शाक्य की सेहत में बुधवार के मुकाबले गुरुवार को सुधार देखा गया। डॉक्टरों ने कहा कि वह खतरे से बाहर है और बोल सकता है। केएमसी सूत्रों के अनुसार, आग में जलने के बावजूद कैप्टन शाक्य को कई अंदरुनी चोटें आईं। डॉक्टर उनकी टूटी हड्डियों को ठीक करने के लिए सर्जरी की तैयारी कर रहे हैं। वहीं इस हादसे की जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया गया है। आयोग का नेतृत्व नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के पूर्व महानिदेशक रतीश चंद्र लाल सुमन करेंगे। इस आयोग को भविष्य में इसी तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें देने का काम सौंपा गया है।

पूर्व सेना प्रमुख ने किया फिर चुनाव लड़ने का एलान विक्रमसिंघे को राष्ट्रपति पद के लिए देंगे टक्कर

कोलंबो, 25 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका में जल्द राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इसी को लेकर अब बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सरथ फोनसेका ने गुरुवार को एलान किया कि वह भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने औपचारिक रूप से आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की।

कौन हैं फोनसेका?

फोनसेका श्रीलंका की सेना के 18वें कमांडर थे और उनकी अगुवाई में 2009 में लिट्टे की हार के बाद तीन दशक से चल रहा गृह युद्ध समाप्त हुआ था। वह कुछ समय के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी रहे। सेना से जनरल के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने 2010 के राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के खिलाफ चुनाव लड़कर आम विपक्षी उम्मीदवार के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। हालांकि, तब उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था।

बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच होंगे। चुनाव की तारीख की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी। इस बीच, फोनसेका ने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर कहा, 'मैं देश के लोगों के समक्ष राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करना चाहता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि 76 सालों तक हम एक अयोग्य राजनीतिक समूह के नेतृत्व में रहे हैं, जिसने हमें दिवालियापन की ओर धकेल दिया। श्रीलंका के विकास के लिए हमें भ्रष्टाचार को कुचलने की जरूरत है। हमें आय सृजन को बढ़ावा देने के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। यह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में मेरी औपचारिक और आधिकारिक घोषणा है।

73 साल के पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि वह सभी श्रीलंकाई लोगों को 'द्वीप को भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए' आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

यह लोग भी चुनावी मैदान में

फील्ड मार्शल सरथ फोनसेका के अलावा, न्याय मंत्री विजयदास राजपक्षे ने भी चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह मंत्री पद पर बने रहेंगे। मगर यह चुनाव देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। वहीं, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी फिर से चुनाव लड़ेंगे।

महिंदा के खिलाफ लड़ा था चुनाव

राष्ट्रपति चुनाव में फोनसेका की विवादास्पद हार के बाद वे आम चुनाव में संसद के लिए चुने गए थे। राजनीतिक बंदी बनाए जाने के तुरंत बाद वे अपनी संसदीय सीट हार गए थे। फोनसेका ने 2015 के राष्ट्रपति चुनाव में मैत्रीपाला सिरिसेना का समर्थन किया था। सिरिसेना ने जीत के बाद फोनसेका को इनाम देते हुए उनके नागरिक अधिकारों, सैन्य रैंक और सजावट को बहाल कर दिया। बाद में उन्हें 22 मार्च 2015 को फील्ड मार्शल के नए बनाए गए रैंक में पदोन्नत किया गया। वह इस रैंक पर पदोन्नत होने वाले पहले श्रीलंकाई सेना अधिकारी बने थे।

ट्रंप की हत्या के प्रयास के मामले की होगी जांच

प्रतिनिधि सभा ने दी टास्क फोर्स गठित करने की मंजूरी

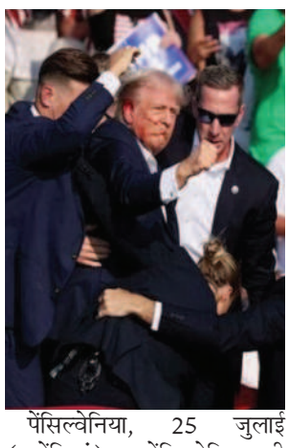

पेंसिल्वेनिया, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पेंसिल्वेनिया की रैली में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई। इस कोशिश को लेकर अमेरिकी सदन में प्रस्ताव लाया गया। प्रतिनिधि सभा ने घटना की जांच के लिए समर्पित दो दलीय टास्क फोर्स बनाने के लिए मतदान करने की मांग की। इस टास्क फोर्स के गठन के प्रस्ताव को व्यापक द्विदलीय समर्थन मिला। यह प्रस्ताव 416 मत से पारित हुआ।

टास्क फोर्स के गठन की घोषणा सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन और सदन के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने संयुक्त रूप से की। इस टास्क फोर्स में से सात रिपब्लिकन नेता और छह डेमोक्रेटिक नेता शामिल होंगे। स्पीकर जॉनसन ने यह भी बताया कि टास्क फोर्स में कौन-कौन शामिल होगा, इसकी जानकारी गुरुवार को दी जाएगी। जिसमें जेफ्रीज उनके साथ परामर्श के बाद नामांकन करेंगे। टास्क फोर्स का काम जल्दी कुशलतापूर्वक, प्रभावी ढंग से किया जाए, इसकी मांग अमेरिका की जनता कर रही है।

सदन की निगरानी समिति ने घटना से पहले सुरक्षा उल्लंघनों की जांच शुरू कर दी है। बढ़ते दबाव के जवाब में सुरक्षा विफलताओं के बारे में समिति द्वारा व्यापक पूछताछ के बाद सीक्रेट सर्विसक डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने भी इस सप्ताह में इस्तीफा दे दिया है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस आयुक्त की गवाही ने रैली के आसपास की विशिष्ट सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने भी गवाही दी, जिसके अनुसार हमलावर ने पिछली राजनीतिक हत्याओं के विवरण की जांच की थी, ट्रंप की हत्या के प्रयास से कुछ समय पहले रैली के पास एक ड्रोन का संचालन किया था।

संयुक्त बयान में स्पीकर जॉनसन और नेता जेफ्रीज ने तथ्यों को तेजी से उजागर करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में सुरक्षा विफलताओं को रोकने के लिए टास्क फोर्स की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने टास्क फोर्स के व्यापक जांच दायरे के बारे में बताया। जिसमें संघीय, राज्य और स्थानीय सरकार की कार्रवाईयों की जांच के के साथ-साथ बटलर, पेंसिल्वेनिया में हुई घटना से संबंधित निजी संस्थाओं या व्यक्तियों की भागीदारी भी शामिल है। यह प्रस्ताव टास्क फोर्स को व्यापक अधिकार प्रदान करता है। जिसमें अंतरित रिपोर्ट जारी करने की क्षमता शामिल है।

अमेरिकी संसद में हुआ नेतन्याहू का विरोध, फलस्तीनी मूल की अमेरिकी सांसद ने 'युद्ध अपराधी' लिखी तख्ती दिखाई

वॉशिंगटन/यरुशलम , 25 जुलाई (एजेंसियां)। हमास और इस्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने बुधवार को अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। हालांकि, इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हजारों प्रदर्शनकारियों ने कैपिटल बिल्डिंग के आसपास मार्च किया। वहीं, फलस्तीनी मूल की अमेरिकी सांसद राशिदा तलैब ने संसद में इस्राइली पीएम के भाषण के दौरान विरोध जताया। उन्होंने 'युद्ध अपराधी' और 'नरसंहार का दोषी' वाली तख्ती दिखाकर विरोध जताया।

इस शख्स ने परिवार के 150 सदस्यों को खोया

गाजा में इस्राइल के हमलों की आलोचक रहीं तलैब का फलस्तीनी हानी अलमाधुन ने भी साथ दिया। तलैब ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज मेरे साथ चैंबर में हानी अलमाधुन भी मौजूद रहे। उन्होंने जंग में अपने परिवार के 150 से अधिक सदस्यों को खो दिया है। अपनी बहन को पशुओं का चारा खाने के लिए मजबूर होता देख अलमाधुन और उनके परिवार ने भूखे पड़ोसियों का पेट भरने के लिए सूप रसोई शुरू की।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सच बोलने से पीछे कभी नहीं हटूंगी। इस्राइली सरकार फलस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार कर रही है। फलस्तीनियों को मिटाया नहीं जा सकेगा।'

हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

कैपिटल के बाहर हजारों प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू की यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने कुछ को मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल कर वापस लौटाया। नेतन्याहू के बोलने से पहले प्रतिनिधि सभा के अंदर छह प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि कुछ सांसदों ने इस्राइली पीएम का खड़े होकर स्वागत किया। वहीं कुछ ने इस पूरे मामले में दूरी बनाना ही सही समझा।

वहीं, अमेरिका के नौ सीनेटरों के साथ ही दर्जनों हाउस सदस्यों ने नेतन्याहू के संबोधन का बहिष्कार करने का एलान किया है, उन्होंने गाजा में इस्राइल की कार्रवाई को नेतन्याहू के भाषण से दूर रहने का कारण बताया।

संसद से अनुपस्थित रहने वालों में न्यूयॉर्क की अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज, मिशिगन की रशीदा तलीब, सीनेटर बर्नी सैंडर्स और सीनेट की प्रो टेम्पोर पैटी मरे शामिल हैं। वहीं, अन्य लोगों ने भी इस्राइली पीएम के संकटग्रस्त नेतृत्व की निंदा की।

'कमला हैरिस के चुनावी मैदान में आने पर डेमोक्रेट्स में उत्साह'

भारतवंशी सांसद ने जताई समर्थन की इच्छा

वॉशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक की तरफ से कमला हैरिस आमने-सामने हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारतवंशी हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के जो बाइडन के फैसले से पार्टी के भीतर ऊर्जा और उत्साह की लहर पैदा हो गई है। अब पार्टी के पास व्हाइट हाउस को फिर से जीतने का अवसर है।

चार दिन पहले लिया था बाइडन ने फैसला

गौरतलब है, राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को दोबारा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लेकर सबको चौंका दिया था। साथ ही उन्होंने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया। इस पूरे मामले पर बाइडन ने बुधवार को सफाई दी। उन्होंने बताया कि पार्टी को एकजुट करने के लिए ऐसा किया। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई प्राथमिकी बहस में बाइडन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी में निराशा थी। लगातार विपक्ष की ओर से दबाव बनाया जा रहा था कि राष्ट्रपति बाइडन अपना नाम वापस ले ले।

'यह काफी रोमांचक'

सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, 'यह काफी रोमांचक है। मेरा मतलब है, मैं सोचता हूं कि इसके लिए कोई और शब्द नहीं है। यह काफी रोमांचक है। इस कदम से डेमोक्रेटिक पार्टी ऊर्जा और उत्साह से भर गई है।'

हैरिस के लिए प्रचार करना चाहते हैं सांसद

इलिनोइस से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद 51 वर्षीय कृष्णमूर्ति ने कहा कि वह शनिवार को हैरिस के लिए विस्कोन्सिन में प्रचार करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'वह मैदान में उतर गई हैं। उत्साही भीड़ ने उनका स्वागत किया है। मुझे लगता है कि लोगों को ऐसा लगता है, कुछ भी गारंटी नहीं है, लेकिन हमारे पास एक मौका है। हमारे पास अब व्हाइट हाउस वापस जीतने का मौका है और हमें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर दे सके। मैं अभी कमला हैरिस से बेहतर किसी और के बारे में नहीं सोच सकता।'

यह एक बहुत बड़ी बात

पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के तीन दिनों बाद हैरिस के प्रचार अभियान ने 13 करोड़ डॉलर से अधिक की धनराशि जुटा ली है। भारतीय-अमेरिकी सांसद ने कहा, 'अगर आप हर तीन दिन में ऐसा करते हैं, तो यह बहुत अधिक रकम होगी। यह सच में एक शानदार रकम है। यह सब कहने के बाद, हम उन ताकतों के खिलाफ हैं जो असीमित मात्रा में धन प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि वह इतने सारे लोगों से इतना पैसा जुटाने में सक्षम है। याद रखें, ये जमीनी स्तर के समर्थक हैं जो पैसा लगा रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एक बड़ी बात है।'

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत को अभी और करना पड़ेगा इंतजार

वॉशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता के हवाले से कोई खास प्रगति नहीं हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में दो पूर्व भारतीय राजदूतों का कहना है कि भारत समेत कई देशों के लगातार प्रयासों के बावजूद यूएनएससी में विस्तार की ओर कदम में नहीं उठाए जा रहे हैं। हालांकि दोनों पूर्व राजदूतों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को इस दिशा में कोशिश जारी रखनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में इस वर्ष के भविष्य के शिखर सम्मेलन (22-23 सितंबर) में संयुक्त राष्ट्र को 'रीबूट' करने की योजना पर चर्चा करने के लिए 150 से अधिक विश्व नेताओं के आने की उम्मीद है। इस सम्मेलन से पहले विस्तार की दिशा में प्रगति ना होना निराशाजनक है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएनएससी के विस्तार की दिशा में ठोस प्रगति के सवाल पर संयुक्त राष्ट्र में भारत की पूर्व स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 2023 के बाद से केवल संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में काम हुआ है। पिछले वर्षों तक ऐसा नहीं था। साथ ही अब एक डिजिटल रिपॉजिटरी भी है, जहां आप अपने प्रस्ताव रख सकते हैं। वास्तविक प्रगति के संदर्भ में ईमानदारी से कहा जाए तो इसका जवाब सकारात्मक नहीं है।

परिषद में कुछ ही देशों का कब्जा जारी

हाल ही में भारत के कार्यवाहक स्थायी प्रतिनिधि आर रवींद्र ने यूएनएससी में एक खुली बहस के दौरान सुरक्षा परिषद की बनावट में 1945 के पुराने दृष्टिकोण को जिम्मेदार ठहराया। सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य अभी भी वे हैं, जिन्हें दूसरे विश्व युद्ध का विजेता माना जाता है। इसी साल जून में ब्राजील के स्थायी प्रतिनिधि सर्जियो फ्रांसा डेनीज ने कहा कि दशकों से इस परिषद के विस्तार की प्रक्रिया को कुछथ ताकतें हर संभव तरीके से रोक रही हैं। यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) नाम के ग्रुप, जिसमें कनाडा, इटली और पाकिस्तान शामिल हैं, ने अधिक स्थायी सदस्यों की प्रक्रिया का विरोध और अधिक गैरस्थायी सदस्यता का समर्थन किया है।

गृहमंत्री अमित शाह और सीएम भजनलाल की मुलाकात के क्या हैं सियासी मायने ?

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 8 के अंदर दूसरी बार दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बाद अब गृह मंत्री अमित शाह से सीएम भजनलाल शर्मा की मुलाकात को किरोड़ी मीणा के इस्तीफे से जोड़कर देखा जा रहा है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि अमित शाह और सीएम भजनलाल के बीच किरोड़ी के इस्तीफे को लेकर बातचीत हुई। बता दें कि भजनलाल सरकार ने अभी तक किरोड़ी मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया और लगातार उन्हें मनाने की कोशिश की जा रही है।

मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले किरोड़ीलाल मीणा को 5 जुलाई को दिल्ली बुलाया गया था। जहां पर उन्होंने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद किरोड़ी ने

कहा था कि उन्हें 10 दिन बाद दिल्ली बुलाया गया है। लेकिन, 15 दिन बीत जाने के बाद भी किरोड़ी दिल्ली नहीं पहुंचे है। हालांकि, 16 जुलाई को सीएम भजनलाल शर्मा दिल्ली पहुंचे और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की थी। लेकिन, किरोड़ी मीणा अपने वादे पर कायम है।

अमित शाह से इन मुद्दों पर हुई चर्चा

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 8 दिन के अंदर दूसरी बार दिल्ली पहुंचे और गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने अमित शाह को राजस्थान सरकार के लोक कल्याणकारी कार्यों से अवगत कराया। अमित शाह ने भजनलाल को नए भारत का नया राजस्थान बनाने के लिए सुझाव भी दिए। साथ ही दोनों नेताओं के बीच आगामी उपचुनाव, मंत्रिमंडल विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। ऐसे में माना जा रहा है कि आगामी दिनों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, मंत्रिमंडल फेरबदल के साथ मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले किरोड़ी लाल मीणा को लेकर बड़ी खबर आ सकती है। तीन दिन पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई थी।

जल जीवन मिशन व ईआरसीपी पर चर्चा

इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से भेंट की। उन्होंने पाटिल को जल जीवन मिशन और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) की जानकारी दी। इसी तरह भजनलाल ने केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य व सार्वजनिक वितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से भी भेंट की।

'बेचारी मैडम' बोलकर बुरा फंसा ये कांग्रेस नेता!

वीडियो जारी कर दिया कुमारी ने लिया आड़े हाथ

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने दिया कुमारी को 'बेचारी मैडम' कह दिया था। जिसके बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को एक वीडियो जारी करते हुए विधायक कागजी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'इनकी सोच है कि महिला को सिर्फ घर पर बैठना चाहिए, उसे कोई पद नहीं मिलना चाहिए।'

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वीडियो जारी कर कहा कि 'कांग्रेस विधायक का यह बयान पार्टी की मानसिकता को दर्शाता है। जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, तब भी उनके मंत्री ने विवादित बयान दिए था। कहा था कि

राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। आज इनके विधायक महिला वित्त मंत्री को बेचारी कह रहे हैं।'

महिला सशक्तिकरण से कांग्रेस को परेशानी- दिया कुमारी

उन्होंने आगे कहा कि 'इन लोगों को बड़ी आपत्ति है कि कोई महिला वित्त मंत्री कैसे बन गई। भाजपा ने केंद्र और प्रदेश में महिला को वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह बड़ा कदम है। उससे कांग्रेस को परेशानी है। इनकी सोच है कि महिला को सिर्फ घर पर बैठना चाहिए, उसे कोई पद नहीं मिलना चाहिए। मैं कांग्रेस नेता के इस बयान की कड़ी निंदा करती हूं।'

विधायक कागजी ने दिया बयान

इससे पहले कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने विधानसभा में बजट सत्र पर चर्चा के दौरान कहा था कि 'भजनलाल सरकार का पहला पूर्ण बजट उन्हीं अधिकारियों ने बनाया है, जिन्होंने गहलोत सरकार में बनाया था। कांग्रेस जो बड़े-बड़े ऐलान करती थी, उनको आपने छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया। मतलब जिसके लिए हम 500-500 करोड़ रुपये जारी करने का प्रस्ताव करते थे, उसी को आपने 5-5 करोड़ में कर दिया। इसीलिए बेचारी मैडम को पौने तीन घंटे खड़ा रहना पड़ा।'

मूसलाधार बारिश से ढही हॉस्पिटल की दीवार

कोटा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा शहर में आज सुबह मौसम बदला और झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ। शहरभर में सप्ताहभर बाद मेघ बरसने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। लगभग एक घंटे तक शहर में झमाझम बारिश हुई।

तेज बारिश से कोटा के प्रेम नगर इलाके में नाला उफान पर आ गया। वहीं, बारिश के चलते रामपुरा सेटेलाइट अस्पताल की 12 फीट की दीवार ढह गई। मलबे में वाहन दब गए। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई।

झालावाड़ के सोजपुर क्षेत्र में भी सुबह से ही तेज मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 1-2 दिन कोटा में बारिश की संभावना बनी रहेगी।

आईएमडी ने आज कोटा समेत 12 से ज्यादा जिलों में तेज सतही हवाएं चलने और कुछ इलाकों में मध्यम से तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने 'पावर' आदेश छह माह बाद फिर किया जारी

टेंडर से लेकर ट्रांसफर के अधिकार रखे अपने पास

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आवासन मंडल समेत प्रदेश के नगरीय निकाय, नगर विकास न्यास, विकास प्राधिकरणों में सरकार स्तर पर होने वाले कार्यविभाजन के स्टेंडिंग आदेश में छह माह बाद ही संशोधन कर दिया है। मंत्री ने इसमें भी कई अतिरिक्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार अपने पास ही रखे हैं।

आवासन मंडल में छोटा सा टेंडर करने से लेकर कर्मचारियों के काम और प्रतिनियुक्ति की अंतिम स्वीकृति के लिए मंत्री की अनुमति लेते रहना होगा। बीस लाख रुपए से ज्यादा का फर्नीचर खरीदने के लिए लिए मंत्री स्तर पर फाइल भेजनी ही होगी। समितियों और अध्यक्ष के अधिकार भी सीमित ही रखे गए हैं। संशोधन के पीछे अधिकारी तर्क दे रहे हैं कि पिछले आदेश में कुछ क्लेरिकल कमियां रह गई थी, केवल उन्हें ही सही करके संशोधित आदेश जारी किए गए हैं।

नगर विकास न्यास, विकास प्राधिकरण में चार करोड़ रुपए से ज्यादा के टेंडर की फाइल मंत्री के पास जाएगी।

जबकि, इससे कम राशि की टेंडर की फाइल को मंजूरी के लिए प्रमुख शासन सचिव को भिजवाई जाएगी। आवासन मंडल के मामले में हर निविदा की फाइल मंत्री के पास जाएगी। पहले 25 लाख से 10 करोड़ रुपए तक के टेंडर स्वीकृति के अधिकार अधिकारियों व विभिन्न कमेटियों के पास थे।

अध्यक्ष की नियुक्ति अधिकार मंत्री, सीएम के पास

रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथोरिटी (रेरा), आवासन मंडल में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति, उनको पद से हटाने या उनके कार्यकाल को बढ़ाने का फैसला मंत्री और सीएम के पास ही होगा।

गोवंश को नहीं कहा जाएगा आवारा

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सदन में की घोषणा

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने अनुदान मांगों पर जवाब के दौरान कहा कि आगे से गोवंश को आवारा नहीं कहा जाएगा। सभी जगह उनके लिए बेसहारा और निराश्रित शब्द का प्रयोग किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि गोवंश आवारा नहीं हो सकते हैं। इसकी आज मैं सदन में घोषणा करता हूं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने भी गोवंश को आवारा कहने पर आपत्ति दर्ज कराई थी। मंत्री ने जैसलमेर की गोशालाओं में भ्रष्टाचार के मामलों पर कहा कि इसकी जांच एसीबी से कराएंगे। शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने जैसलमेर की गोशालाओं में भ्रष्टाचार का मामला उठाया था। दरअसल सत्तापक्ष के विधायकों की ओर से ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि जैसलमेर में पूर्व मंत्री सालेह मोहमद के करीबियों की गोशालाएं हैं। इन गोशालाओं में पूर्ववर्ती सरकार के समय अनुदान के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है।

नाराज विपक्ष ने जवाब का बहिष्कार

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष ने पशुपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत के जवाब का बहिष्कार कर दिया। दरअसल जब मंत्री अनुदान मांगों पर जवाब दे रहे थे तभी कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि मंत्री जवाब में किताब लेकर पढ़ रहे हैं, जवाब कभी भी देखकर नहीं दिया जाता है। हम भी मंत्री रहे हैं, केवल बिंदु देखे जाते हैं, लेकिन यहां तो मंत्री किताब लेकर पढ़ रहे हैं। इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों में बहस हो गई। इस दौरान मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि आपकी नेता सोनिया गांधी आज भी देखकर पढ़ती हैं। इसके बाद विपक्ष के सदस्यों ने मंत्री के जवाब का बहिष्कार कर दिया।

गाय, मंदिर जीर्णोद्धार और आयुर्वेद मुद्दे पर दिनभर हुई बहस

विधानसभा में गाय, मंदिर

जीर्णोद्धार और आयुर्वेद को ग्राम पंचायत स्तर तक पहुंचाने को लेकर दिनभर बहस चली। आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक काम करने की बात कही। अधिकांश सदस्यों ने सुझाव दिया कि गायों के संरक्षण के लिए गोशालाओं का अनुदान बढ़ाने के साथ ही गोपालक किसानों को भी अनुदान दिया जाए। अनुदान मिलेगा तो गाय सड़क पर घूमती नहीं दिखेगी। कांग्रेस के गणेश घोघरा ने अयोध्या राम मंदिर की छत टपकने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए तो सत्तापक्ष और विपक्षी सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई।

कांग्रेस के हाकम अली ने कहा, गाय का सभी करते हैं सम्मान

भाजपा सदस्य प्रतापपुरी ने गोशालाओं के साथ गोपालकों को भी अनुदान की मांग रखी। जितेन्द्र गोठवाल ने कहा कि भाजपा वोटों के लिए नहीं जनभावना को देखते हुए मंदिर निर्माण की बात करती है। भाजपा की दीप्ति किरण माहेश्वरी ने कहा कि छोटे स्तर पर डेयरियों के संचालन को बढ़ावा दिया जाए। मुकेश भाकर, जेठानंद, संदीप शर्मा और बालकनाथ ने भी गाय संरक्षण, मंदिर और आयुर्वेद पर बात रखी। कांग्रेस के हाकम अली ने कहा कि गाय का सभी सम्मान करते हैं। उनके समाज के लोग न तो गाय काटते न ही मांस खाते। यदि गाय काटने की खबर लग जाए तो उसकी खैर नहीं।

देवस्थान विभाग की अनुदान मांगों पर जवाब देते हुए मंत्री जोराराम ने मोक्ष कलश यात्रा के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को धन्यवाद दिया। जोराराम ने कहा कि कोरोना काल में कांग्रेस सरकार ने अस्थि कलश हरिद्वार भेजने के लिए मोक्ष कलश यात्रा शुरू की थी। जिसके लिए मैं अशोक गहलोत को धन्यवाद देता हूं। अस्थि कलश के साथ एक व्यक्ति को मुफ्त में बसों से हरिद्वार तक यात्रा कराई जाती है। अब तक इसमें 1 लाख 73 हजार 373 यात्रियों को यात्रा कराई है। जिस पर 12.76 करोड़ की राशि खर्च हुई है।

गाय को राष्ट्रीय पशु का मिले दर्जा

कांग्रेस के राजेन्द्र पारीक ने आयुर्वेद के संरक्षण और गायों के महत्व को बताया। बाबूसिंह ने गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की बात कही। श्रवण कुमार ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सकों को अपनी डिग्री के प्रति गर्व होना चाहिए। आज आयुर्वेद अस्पतालों में दवाइयां तक नहीं हैं। गोपाल शर्मा ने इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड के सात सदस्यों की नियुक्ति करने का मुद्दा उठाया।

हत्या के मामले में सात जनों को आजीवान कारावास

दौसा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा. लालसोट उपखण्ड के देवली गांव में करीब 8 साल पूर्व खेत में काम करते वक्त एक जने की हत्या के मामले में अपर जिला एवं सेशन न्यायालय ने एक ही परिवार के 7 जनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अपर लोक अभियोजक श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि 26 अक्टूबर 2016 को परिवादी नेयन सहाय पुत्र रामपाल रैगर निवासी देवली ने लालसोट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया था कि उसका भाई रामस्वरूप व पुत्र धर्मराज खेतों पर काम कर रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने घातक हथियारों से उन पर जान लेवा हमला कर दिया। जिससे वे गंभीर घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जयपुर रैफर किया गया, जहां उपचार के दौरान रामस्वरूप की मौत हो गई।

इस पर अपर जिला एवं सेशन न्यायालय लालसोट के न्यायाधीश समरेन्द्र सिकरवार ने सभी आरोपी आनन्दीलाल पुत्र किशन, रामजीलाल पुत्र आनन्दीलाल, मन्नालाल पुत्र किशन, भौंरीलाल पुत्र गिरधारी, श्रवणलाल उर्फ सरवण पुत्र गिरधारीलाल , कमलेश पुत्र मांगीलाल एवं अशोक पुत्र मन्नालाल सभी निवासी रैगरों की ढाणी तन देवली को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है।

स्टूडेंट्स को मिलेगा नासा-अमेरिका घूमने का मौका

60 करोड़ की छात्रवृत्ति का भी हुआ एलान

सीकर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। गांव-ढाणियों की प्रतिभाओं को तराशने की मुहिम में प्रिंस एज्युहब ने इस साल होने वाली प्रिंस ओलंपियाड की तिथियों का ऐलान कर दिया है। परीक्षा में किसी भी बोर्ड एवं किसी भी विद्यालय में कक्षा 5वीं से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थी इस परीक्षा में भाग ले सकते हैं। मेगा टेलेंट शो में 60 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति, नकद पुरस्कार एवं नासा, अमेरिका का शैक्षणिक भ्रमण भी शामिल हैं। प्रिंस ओलंपियाड में शामिल होने के लिए प्रिंस एजुकेशन हब की वेबसाइट पीओ, प्रिंस एडुहब.कॉम पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। परीक्षा पूरी तरह निशुल्क है। परीक्षा

को लेकर प्रिंस एजुहब निदेशक जोगेंद्र सुंडा, चेयरमैन डा. पीयूष सुंडा, मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन सहित संस्थान के सदस्यों ने मीडिया से जानकारी साझा की। इस मौके पर प्रिंस एजुहब में प्रिंस ओलंपियाड के पोस्टर का विमोचन किया गया।

प्रिंस ओलंपियाड के प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्राप्त रैंक के अनुसार विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में 20 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रिंस ओलंपियाड के माध्यम से विद्यार्थी को नेशनल लेवल पर अपनी प्रतिभा का आंकलन करने के साथ ही देश के प्रतिष्ठित प्रिंस एजुहब की विभिन्न संस्थाओं में बड़ी छात्रवृत्ति के साथ अध्ययन का अवसर भी मिलेगा।

आयोजकों ने बताया कि प्रिंस ओलंपियाड के द्वितीय चरण में कक्षा आठवीं एवं 10वीं में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी को नासा, अमेरिका का शैक्षणिक भ्रमण, द्वितीय रैंक पर 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार, तृतीय रैंक पर 21 हजार का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। कक्षा 5, 6, 7, 9, 11 व 12वीं में प्रथम पुरस्कार 31 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 21 हजार एवं तृतीय पुरस्कार 11 हजार रुपए होंगे। सभी कक्षाओं के कुल 1800 होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

विधानसभा में उठी 'प्रेम विवाह' को लेकर ये मांग

भजनलाल सरकार का आया जवाब

जयपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रेम विवाह को लेकर विधायक पूसाराम गोदारा ने विधानसभा में कानून बनाए जाने की मांग की। उन्होंने सदन में प्रेम विवाह से पूर्व माता-पिता की अनुमति अनिवार्य करने हेतु ठोस कानून बनाये जाने के संबंध में सवाल लगाया था। जिस पर भजनलाल सरकार ने जवाब में कहा कि 'प्रेम विवाह से पहले माता-पिता की अनुमति अनिवार्य करने व भागने व भगाकर ले जाने वालों के खिलाफ विधि बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।'

प्रेम विवाह से पूर्व माता-पिता की अनुमति अनिवार्य करने हेतु कानून बनाए जाने को लेकर रतनगढ़ से विधायक पूसाराम गोदारा ने सदन में सरकार के सामने प्रस्ताव रखा। जिसे लेकर राजस्थान सरकार ने विस्तार से जवाब देते हुए बताया कि 'जहां तक नाबालिग या विवाहित लड़के-लड़कियों के द्वारा अपनी मर्जी या किसी के बहकावे में आकर घर छोड़कर भाग जाने से परिवारों व संबंधित समाज पर हो रहे दुष्प्रभाव का बिन्दु है।' सरकार ने जवाब में आगे बताया कि 'विवाह संबंधी विद्यमान कानूनों में नाबालिग के विवाह को शून्यकरणीय विवाह माना गया है, किन्तु जहां दो वयस्क लड़का-लड़की परस्पर विवाह करते हैं और विवाह की वैद्य शर्तें पूरी करते हैं। वहां उनके माता-पिता की सहमति लिये जाने का किसी कानून में प्रावधान नहीं है।'

मथुरा-वृन्दावन जाने की जरुरत नहीं- अब राजस्थान में खुलेंगे वेद विद्यालय

भजनलाल सरकार का आदेश

सीकर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के युवाओं को वेदपाठी बनने के लिए मथुरा व वृन्दावन सहित अन्य शहरों की तरफ रूख नहीं करना पड़ेगा। सरकार की ओर से पिछले दिनों बजट में सीकर के रैवासा वेद विद्यालय की तर्ज पर सभी संभाग मुख्यालयों पर वेद विद्यालयों के संचालन का ऐलान किया है। इससे संस्कृत शिक्षा में भविष्य संवारने वाले प्रदेश के छह हजार से अधिक युवाओं को फायदा मिल सकेगा। फिलहाल प्रदेश में रैवासा, चौमूं सहित अन्य अन्य स्थानों पर वेद विद्यालयों का संचालन हो रहा है।

लेकिन सरकार ने सीकर के रैवासा वेद विद्यालय को मॉडल मानते हुए इसी की तर्ज पर वेद विद्यालयों का संचालन करने के प्रस्ताव को आगे बढ़ा दिया है। अगले महीने तक सभी संभाग मुख्यालयों पर वेद विद्यालयों के लिए तीन-तीन स्कूलों के प्रस्ताव मांगे जाएंगे। इसके बाद सरकार की ओर से संसाधन व अन्य मापदंडों को देखते हुए एक-एक विद्यालय का चयन किया जाएगा। प्रदेश में नए वेद विद्यालयों का संचालन होने से सेना में हमारी धाक और मजबूत हो सकेगी क्योंकि हमारे संस्कृत वेदपठियों में सेना में जाने का जुनून काफी है। सुबह 5 बजे शुरू होती है दिनचर्या वेद

विद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार भी दे रहा है। यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने बताया कि यहां सुबह पांच बजे दिनचर्या शुरू हो जाती है। सुबह पहले सत्संग और फिर श्रीमद् भागवत गीता सहित अन्य पाठ होते है। इसके बाद विद्यार्थी वेद विद्यालय में पढ़ाई करने में जुट जाते है।

तुलसीदासजी ने रैवासा में ही लिखे राम के पद भगवान श्रीराम के परम भक्त व महाकाव्य रामचरित मानस के रचनाकार गोस्वामी तुलसीदासजी से भी सीकर के रैवासा से संबंध है। जानकीनाथ सहाय करें तब कौन बिगार करे नर तेरोंज जैसे पदों की रचना तुलसीदासजी ने रैवासाधाम आने पर की थी। सीकर से अयोध्या तक पहुंची मधुरोपासना जिले के रैवासा धाम का भी भगवान राम से गहरा नाता है। यहां संवत 1517 में बना जानकीनाथ का सबसे पुराना मंदिर है। काशी व अयोध्या तक प्रयात सीताराम की मधुरोपासना भी इसी पीठ की देन है। मां सीता की सहेली के रूप में ग्रंथों की रचना करने वाले रैवासापीठ के संस्थापक अग्रदेवाचार्य को यहां सीताजी के साक्षात दर्शन का भी जिक्र किया गया है।

सरकार की घोषणा सराहनीय सनातन को बचाने के लिए संस्कृति की राह पर चलना होगा। सरकार ने रैवासा वेद विद्यालय की तर्ज पर सभी संभाग मुयालयों पर वेद विद्यालयों की घोषणा की है यह सराहनीय है। इससे हमारे युवाओं को वेदों का ज्ञान लाने के लिए दूसरे शहरों में नहीं जाना पड़ेगा।

सरकार ने बजट में घोषणा की है कि रैवासा वेद विद्यालय की तर्ज पर अन्य संभाग मुयालयों पर वेद विद्यालयों का संचालन किया जाएगा। रैवासा वेद विद्यालय को मॉडल मानने के पीछे कई वजह है। 1988 से संचालित संस्कृत वेद विद्यालय में यहां विद्यार्थियों को कप्यूटर के साथ अंग्रेजी की भी पढ़ाई कराई जाती है। यहां के वेद विद्यालय में सात वर्षीय पाठ्यक्रम भी है। यहां 10वीं व 12वीं की पढ़ाई के साथ वेदों की भी पढ़ाई कराई जा रही है।

14 साल के बेटे ने फिल्मी स्टाइल में बदमाशों से बचाई मां की जान

श्री गंगानगर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के गजसिंहपुर कस्बे में दो बाइक सवार युवकों ने पिस्तौल का भय दिखाकर लूट की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया लेकिन बुजुर्ग महिला के साथ 14 वर्षीय किशोर ने सूझबुझ दिखाते हुए वारदात को विफल कर दिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जैसे ही लोगों को घटना का पता लगा तो भी किशोर के हौसले की सराहना कर रहे हैं। हालांकि इस मामले को लेकर महिला ने पुलिस में कोई परिवाद नहीं दिया है।

घटनाक्रम के अनुसार वार्ड दो में एक बुजुर्ग महिला अपने 14 वर्षीय बेटे कार्तिक के साथ मंगलवार दोपहर बाजार की तरफ जा रही थी। पीछे से आए दो बाइक सवार युवकों ने पिस्तौल दिखाकर महिला से बैग छीनने का का प्रयास करने लगे। उसी समय महिला के साथ मौजूद 14 वर्षीय बेटा पानी की बोतल हाथ में लेकर युवकों से जा टकराया।

विधानसभा में कांग्रेस का हंगामा : आंध्र प्रदेश की पोलावरम परियोजना पर चर्चा के लिए सदन समिति की मांग

मलकानगिरी, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सदस्यों ने आंध्र प्रदेश में पोलावरम बांध परियोजना पर सदन समिति के गठन की मांग को लेकर ओडिशा विधानसभा में हंगामा किया। पार्टी का दावा है कि इस परियोजना के कारण आदिवासी बहुल मलकानगिरी जिले की बड़ी जमीन जलमग्न हो सकती है। जिससे जिले के गरीब और आदिवासी लोग पीड़ित होंगे। उनकी मांग थी कि सदन समिति बनाकर चर्चा की जाए।

ओडिशा विधान सभा में गुरुवार को हंगामा हो गया। कांग्रेस सदस्यों ने आंध्र प्रदेश में पोलावरम बांध परियोजना पर सदन समिति के गठन की मांग के लिए जमकर हंगामा किया। दरअसल, कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता रामचंद्र कदम ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने पोलावरम परियोजना को बढ़ावा देने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना भी की। उनका कहना है कि इस परियोजना के कारण मलकानगिरी जिले की करीब 1400 से 1500 हेक्टेयर जमीन जलमग्न हो जाएगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पोलावरम परियोजना के कारण मलकानगिरी जिले के गरीब और मासूम आदिवासी पीड़ित होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र ने ओडिशा के प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान किए बिना आंध्र प्रदेश में सिंचाई परियोजना को बढ़ावा दिया। कांग्रेस नेता ने मांग की कि पोलावरम परियोजना और मलकानगिरी जिले के आदिवासी लोगों पर इसके प्रभाव पर चर्चा के लिए सदन समिति बनाई जाए। पोलावरम परियोजना का प्रतिकूल प्रभाव केवल आदिवासी लोगों पर ही नहीं, बल्कि वन्य जीवों और स्थानीय पर्यावरण पर भी पड़ेगा।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि ओडिशा से चुने गए 20 सांसद और राज्य की डबल इंजन सरकार मलकानगिरी जिले के लोगों के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी को खुश करने के लिए केंद्र में अपनी सरकार को बचाने के लिए पोलावरम परियोजना को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी केंद्र के इस कदम का विरोध करते हुए बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेगी। हालांकि, बीजेडी सदस्य उस समय सदन में खामोश रहे, जब कांग्रेस पोलावरम मुद्दे को उठा रही थी। इससे पहले क्षेत्रीय पार्टी के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि, हम पोलावरम मुद्दे में न्याय के लिए लड़ रहे हैं। ओडिशा की वास्तविक शिकायतों को सुलझाए बिना पोलावरम के लिए अधिक धन आवंटित करना ओडिशा के प्रति निष्पक्षता दिखाता है।

हैरानी की बात यह है कि इस दौरान स्पीकर सुरमा पाढ़ी भी चुप रहे। उनकी चुप्पी पर वरिष्ठ कांग्रेस सदस्य ताराप्रसाद बहिनीपति के नेतृत्व में कांग्रेस के सदस्य सदन के वेल में आकर पोलावरम परियोजना पर सदन की समिति के गठन की मांग की। यही नहीं बहिनीपति ने स्पीकर के पोडियम पर चढ़ने का प्रयास किया। वहीं कदम सदन में रिपोर्टर की मेज पर खड़े होकर विरोध करते देखे गए। विपक्षी बीजद के सदस्य भी कांग्रेस विधायकों के साथ वेल में आ गए। संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग के उस बयान को हटाने की मांग की, जिसमें उन्होंने सोमवार को विधानसभा में राज्यपाल के भाषण के दौरान व्यवधान पैदा करने के आरोप में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक को गिरफ्तार करने की बात कही थी। बीजद के सदस्यों ने सदन के वेल में नारेबाजी की।

गिरफ्तारी जैसे शब्द वापस लेने का किया आग्रह :

हालांकि इससे पहले बीजद के सदस्य और पूर्व मंत्री अरुण कुमार साहू ने स्पीकर से राज्यपाल के भाषण के दौरान व्यवधान पैदा करने के आरोप में नवीन पटनायक की गिरफ्तारी जैसे शब्दों को हटाने का आग्रह किया। उन्होंने महालिंग से गिरफ्तारी शब्द को वापस लेने का भी आग्रह किया। अरुण कुमार साहू ने अध्यक्ष से इस संबंध में निर्णय देने की मांग करते हुए कहा, यदि गिरफ्तारी शब्द को हटाया नहीं जाता है। यदि मंत्री अपना बयान वापस नहीं लेते हैं, तो सरकार में साहस है तो वह नवीन पटनायक को गिरफ्तार करें।

पेड़-पौधे जीवन के प्राण हैं : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि पेड़ प्रजातियों के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत सिंगरेनी और वन विभाग ने संयुक्त रूप से जिला वन अधिकारी नीरज कुमार, जिला एसपी, क्षेत्रीय महाप्रबंधक के साथ तिरयानी मंडल के खैरीगुड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया और पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे जीवन के अस्तित्व के लिए बेहद जरूरी हैं और सभी को पौधों की देखभाल अपनी जिम्मेदारी समझकर करनी चाहिए। उन्हें पौधों की सुरक्षा में अपना योगदान देना चाहिए और भावी पीढ़ियों के लिए अच्छा वातावरण प्रदान करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में 53 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है और सभी विभाग समन्वय बनाकर लक्ष्य को समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने का यह सही समय है क्योंकि बारिश के कारण मौसम नम है। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

मां-बेटे ने फांसी लगाकर दी जान

पति की मौत के बाद महिला ने उठाया कदम

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला और उसके बेटे ने बुधवार रात चैतन्यपुरी स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। जी शिवा (50), पत्नी जी पद्मा (44) और बेटे जी वामशी (18) और अरुण वाला परिवार कुछ महीने पहले आंध्र प्रदेश के ओंगोल से शहर आया था और चैतन्यपुरी के कोथापेट में एसएलआर कॉलोनी में रह रहा था। कुछ सप्ताह पहले जी शिवा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण मृत्यु हो गई और तब से पद्मा अपने दो बेटों के साथ घर पर रह रही थीं।

पुलिस के अनुसार पद्मा ने बुधवार को अपने बेटों के घर से बाहर जाने पर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। रात में, वामशी और अरुण घर आए और अपनी मां को मृत देखकर चौंक गए। उन्होंने फंदा उतारकर उसे फर्श पर लिटा दिया। वामशी ने अरुण से कहा कि वह तुरंत अपने रिश्तेदारों को सूचित करे।

चैतन्यपुरी पुलिस ने बताया कि जब अरुण बाहर गया तो वामशी ने भी पंखे से लटककर खुद को फांसी लगा ली। अरुण जब घर लौटा तो उसने अपने भाई को भी मृत पाया। उसने स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी दी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शिवा की मौत के बाद पद्मा घर चलाने और बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक तंगी से जूझ रही थी। शायद वह डिप्रेशन में चली गई और उसने आत्महत्या कर ली। मां को देखकर उसके बेटे वामशी ने भी सदमे में आकर यह कदम उठा लिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

वीवीआईएसएम द्वारा "वरधि" पीजीडीएम बैच का उद्घाटन

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट (वीवीआईएसएम) द्वारा अपने प्रमुख कार्यक्रम, "वरधि" - पीजीडीएम बैच 2024-2026 के उद्घाटन किया गया।

वीवीआईएसएम समूह अध्यक्ष जीवीवी वेंकटेश्वर राव ने संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए तत्संबंधित कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने विशेष ज्ञान प्रदान करने, आवश्यक कौशल को निखारने, मजबूत संचार क्षमताओं को विकसित करने और मूल्यवान प्रमाणपत्र हासिल करने पर वीवीआईएसएम के फोकस पर जोर दिया। जिसमें अध्यक्ष वेंकटेश्वरराव ने समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम अच्छी तरह से विकसित व्यक्तियों को विकसित करने में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। एल्टन नाथन ने सफल नेताओं को आकार देने में दृष्टिकोण, विनम्रता और दृढ़ता के महत्व को रेखांकित किया। इस मामले में, वीवीआईएसएम के नेतृत्व, जिसमें पीजीडीएम निदेशक डॉ. वाई लक्ष्मण कुमार तथा एसोसिएट डीन जयश्री वी उपस्थित हुए। जिन्होंने कार्यक्रम संरचना, संकाय विशेषज्ञता और समग्र विकास के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

गौलीगुड़ा महांकाली मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में घट्टम जुलूस आयोजित किया गया। यह घट्टम जुलूस जामबाग और जगजीवन राम नगर इलाकों में घर-घर जाएगा। गोसामहल बीआरएस नेता, मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एम आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि 28 को बोनालु, 29 को गौरांगम और पोतुराजू विन्यास होंगे।

एसीबी ने पुलिस अधिकारी को रंगे हाथों को पकड़ा

कोत्तागुडेम, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पलोंचा टाउन पुलिस स्टेशन के पुलिस उपनिरीक्षक बनाला रामू को गुरुवार को एसीबी के अधिकारियों ने शहर के बापूजी नगर स्थित उनके घर से रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने शिकायतकर्ता वकील के. लक्ष्मा रेड्डी से एक मामले में आरोपी कुछ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के लिए 20,000 रुपये की मांग की थी। वकील के मुवक्किल सीरम श्रावणी ने मामले के संबंध में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रिश्वत की रकम आरोपी अधिकारी के घर के वाश एरिया में पाइपलाइन और घर की बाहरी दीवार के बीच पाई गई। एसीबी के अनुसार एसआई को गिरफ्तार कर वारंगल में एपीई और एसीबी मामलों के लिए तीसरे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

जंगल से लापता चरवाहे को पुलिस ने बचाया

डायल 100 पर कॉल आने के बाद तलाश में जुट गई थी पुलिस

निर्मल, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने दस्तूराबाद मंडल के अकोंडापेट गांव के जंगलों में लापता हुए एक चरवाहे को गुरुवार को एक विशेष टीम बनाकर 15 घंटे का अभियान चलाकर बचाया। पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने एक बयान में कहा कि बुधवार रात करीब 9 बजे डायल 100 सेवा पर कॉल आने के बाद पुलिस ने गुंडा श्रीनिवास का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। दस्तूराबाद सब-इंस्पेक्टर शंकर और खानपुर इंस्पेक्टर सैदा राव के नेतृत्व में चार कांस्टेबलों की एक विशेष टीम को रात 9.30 बजे दस्तूराबाद मंडल केंद्र से चरवाहे का पता लगाने के लिए भेजा गया।

टीम ने गुरुवार को दोपहर 12.30 बजे भारी बारिश के बावजूद जन्नारम मंडल के नरसिंहपुर के जंगल में श्रीनिवास को खोजने में कामयाबी हासिल की। स्थानीय लोगों की मदद से वे जंगल में भटक रहे श्रीनिवास को खोजने में कामयाब रहे। श्रीनिवास ने बताया कि बुधवार को जंगल में बकरियां चराते समय वह रास्ता भूल गया और जंगली जानवरों के हमले के डर से एक बड़ी चट्टान पर बैठा रहा। इसके बाद वह दस्तूराबाद मंडल के कल्लेदा गांव जाना चाहता था, लेकिन किसी तरह वह नरसिंहपुर गांव के जंगल में घुस गया और रास्ता भटक गया। उसने पुलिस को बचाने के लिए धन्यवाद दिया। शर्मिला ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद चरवाहे का पता लगाने के लिए इंस्पेक्टर सैदा राव, सब-इंस्पेक्टर शंकर, कांस्टेबल श्रवण, सुरेन्द्र, रवि और श्रीनिवास की सराहना की।

मदनूर में आवारा कुत्तों को पकड़ने की मुहिम शुरू

मदनूर, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल केंद्र में आवारा कुत्तों को पकड़ने की मुहिम शुरू की गई है। कुछ माह से स्थानिक जनता को रास्तों से गुजरना मुश्किल हो चुका था। कई बार लोगों को कुत्तों ने काटकर घायल किया। जिससे स्थानिकों का घर के बाहर निकलना मुश्किल हो चुका था। मदनूर ग्राम पंचायत सचिव संदीप कुमार ने बताया कि, गुरुवार को मदनूर मंडल केंद्र में आवारा कुत्तों को जिंदा पकड़ने वाले लोगों को बुलाकर मंडल केंद्र की गलियों में घूम रहे कुत्तों को पकडा गया। उन्होंने आगे कहा कि मदनूर में कुत्तों के आतंक से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन कुत्तों को पकड़कर दूर छोड़ दिया जा रहा है।

गोशामहल स्थित चकन्नावाडी बस्ती में बोनालु उत्सव कार्यक्रम मे भाग लेते हुए गोलकुंडा भाजपा के संयुक्त कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सेन, वरिष्ठ भाजपा नेता डी गोपाल, गड्डम रघु एवं अन्य।

आरटीए ने की फैंसी नंबरों से 50 लाख से अधिक की कमाई

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) कार्यालय ने बुधवार को एक ही दिन में फैंसी नंबरों की नीलामी और बिक्री के माध्यम से 51.1 लाख रुपये एकत्र किए। आरटीए अधिकारियों के अनुसार, पंजीकरण संख्या नीलामी के दौरान कई उच्च मूल्य वाले नंबरों ने अच्छी खासी रकम अर्जित की।

जहां टीजी 09 ए 9999 ने 19.5 लाख रुपये की प्रभावशाली बोली लगाई और इसका स्वामित्व ऑनर्स डेवलपर्स कंपनी के पास था, वहीं नई सीरीज पंजीकरण संख्या टीजी 09 बी 0001 एनजी माइंड फ्रेम कंपनी को 8.2 लाख रुपये में बेची गई। व्यक्तिगत पंजीकरण नंबरों की मांग लगातार बढ़ रही है, कार मालिक कई तरह की पसंद व्यक्त कर रहे हैं।

चूंकि फैंसी नंबरों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, इसलिए परिवहन विभाग को भविष्य में पंजीकरण संख्या नीलामी से निरंतर रुचि और राजस्व की उम्मीद है।

इनर व्हील क्लब ऑफ बंजारा ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर टीटीडी जुबली हिल्स को एक दीवार घड़ी उपहार देते हुए अध्यक्ष मनमीत जग्गी, सचिव सविता प्रेम, सदस्य राजेश्वरी, नवनीता सांघी, गोपाल बल्दवा।

अग्रणी महिला मंच ने की नागपंचमी के उपलक्ष्य में लोअर टैंक बंद स्थित श्री नाग माता रेणुका येल्लमा मंदिर में नाग पंचमी की पूजा की। इस में अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबीता गर्ग, तीन खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रितु गोयल, श्रद्धा सुखिया, स्मिथ शाह, संतोष अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, एवं पवन भुवानिया ने भाग लिया।

अपस्ट्रीम परियोजनाओं को पानी का इंतजार

500 टीएमसी से अधिक पानी छोड़ा गया फिर भी प्रोजेक्ट प्यासा

एनडीएसए को भेज दी गई रिपोर्ट

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूरी तरह से कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर निर्भर अपस्ट्रीम परियोजनाओं को पानी का इंतजार है, जबकि डाउनस्ट्रीम जलाशय बहुतायत की समस्या के कारण ओवरफ्लो हो रहे हैं। बहु-चरणीय केएलआईपी जिन कई जलाशयों के लिए जीवन रेखा है, उनके नीचे एक अजीब स्थिति व्याप्त है। पिछले एक सप्ताह में मेडिगड्डा (लक्ष्मी) बैराज से 500 टीएमसी से अधिक पानी छोड़ा गया, लेकिन अभी तक एक बूंद भी इस्तेमाल नहीं की गई। अधिकारियों को कमोबेश इस बात का भरोसा था कि मेडिगड्डा बैराज से पानी उठाने की गुंजाइश है, भले ही इसके सभी गेट पूरी तरह से खुले हों और 8 से 10 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा रहा हो। मेडिगड्डा से पंपिंग परिचालन पुनः शुरू करने के लिए व्यवहार्यता संबंधी मुद्दों पर रिपोर्ट राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) को भेज दी गई है।

एनडीएसए द्वारा अनुशंसित परियोजना के प्रमुख घटकों अन्नाराम और सुंडिला में अपस्ट्रीम बैराज के अलावा मेडिगड्डा पर आपातकालीन प्रकृति के माने जाने वाले कार्यों को शुरू किया गया और उनमें से अधिकांश को पूरा कर लिया गया। लिफ्ट सिंचाई योजना का हिस्सा बनने वाली सभी 35 पंपिंग इकाइयों की मरम्मत की गई और उन्हें फिर से संचालन के लिए तैयार रखा गया। जैसा कि शीर्ष अधिकारियों ने पुष्टि की है, राज्य सरकार ने पहले ही एनडीएसए को पत्र लिखकर केएलआईपी से पंपिंग संचालन फिर से शुरू करने की अनुमति मांगी है लेकिन मेडिगड्डा से पानी उठाने के लिए एनडीएसए से अभी तक कोई मंजूरी नहीं मिली है, जिससे गुरुवार को भी मुख्य रूप से प्राणहिता से प्राप्त 7.7 लाख क्यूसेक बाढ़ का पानी निकलता रहा। पिछले सप्ताह बाढ़ के चरम पर लगभग 10 लाख क्यूसेक बाढ़ जल छोड़े जाने के बाद भी मेडिगड्डा बैराज पूरी तरह से ठोस बना हुआ है।

लगातार बूंदाबांदी से हैदराबाद मानसून की आगोश में

हैदराबाद, 25 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से लगातार बूंदाबांदी और हल्की बारिश के साथ, हैदराबाद मानसून की आगोश में समाया हुआ है, जिससे शहर "सामान्य' बारिश की सीमा में बना हुआ है। गीले मौसम की इस अवधि के कारण शहर के लगभग सभी हिस्सों में सामान्य और अधिक बारिश हुई है। जून में मानसून की शुरुआत के बाद से, खैरताबाद में सबसे अधिक अतिरिक्त बारिश हुई है, जहां 341 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा, नामपल्ली (333.2 मिमी), चारमीनार (329.4 मिमी), सिकंदराबाद (316.3 मिमी), आसिफनगर (295.3 मिमी) और हिमायतनगर (282.9 मिमी) में भी अत्यधिक बारिश हुई है। हालाँकि शहर में हाल के दिनों में पर्याप्त बारिश हुई है, लेकिन तिरुमालागिरी अभी भी कम बारिश से जूझ रहा है, जहाँ केवल 186 मिमी बारिश हुई है, जो कि सामान्य 241.1 मिमी से 24 प्रतिशत कम है। 10 जुलाई तक राजेंद्रनगर, कुकटपल्ली, मलकाजगिरी, कुथुबुल्लापुर, अलवाल, कपरा और अमीरपेट जैसे इलाके भी बारिश की कमी से जूझ रहे थे। हालांकि, पिछले सप्ताह हुई हालिया बारिश ने इन क्षेत्रों को अपने सामान्य वर्षा स्तर तक पहुंचने में मदद की है। कुल मिलाकर, हैदराबाद में मानसून शुरू होने के बाद से 277 मिमी बारिश हुई है, जो औसत 242.2 मिमी से थोड़ा अधिक है। इस मौसम में उतार-चढ़ाव का अपना हिस्सा रहा है, जबकि जून में जल्दी मानसून की शुरुआत ने शुरू में शहर को अधिक वर्षा वाली श्रेणी में रखा था, कई मानसून रुकने के साथ, हैदराबाद जून के अंत तक सामान्य स्तर पर वापस आ गया। मौसम विशेषज्ञ आशावादी हैं, उनका अनुमान है कि महीने के अंत तक बारिश सामान्य स्तर से अधिक हो जाएगी। इस बीच, तेलंगाना में 397.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जोगुलम्बा गडवाल, वानापर्थी, नारायणपेट और नागरकुरनूल जैसे जिलों में काफी अधिक बारिश हो रही है, जबकि मंचेरियल, जहां महीने की शुरुआत में कम बारिश हुई थी, अब सामान्य से अधिक बारिश हो रही है। शुक्रवार का पूर्वानुमान: मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को हैदराबाद में लगातार बूंदाबांदी जारी रहेगी, साथ ही शाम को हल्की से मध्यम बारिश होगी।

रक्तदान शिविर का उद्घाटन

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ युवक परिषद् हैदराबाद के द्वारा तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों में रक्तदान शिवर का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम के अंतर्गत एनटीटी ग्लोबल डाटा, हाईटेक सीटी और अविनाश कालेज आफ कामर्स, एल बी नगर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आलवीन वायर एण्ड केबल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर लक्ष्मीनिवास झंवर द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर इजराइल मनीषा, शिल्पा गुप्ता, यशवंत साई, दीपक उधघाटा उपस्थित थे। शिविर में 46 यूनिट्स रक्तदान हुआ। तेयुप हैदराबाद के अध्यक्ष अभिनंदन नाहता, मंत्री अनिल दुगड़, आशीष दक व हैदराबाद संयोजक श्रेणिक गोलछा की उपस्थिति रही। एलबी नगर वाले शिविर में 85 विद्यार्थियों ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया और कुल 94 यूनिट्स रक्तदान हुआ। शिवर में राहुल श्यामशुखा, मनोज जैन, विनय संचेती, अशोक सेठिया और सम्यक कोठरी उपस्थित थे।हाई टेक सीटी में वेव लैब्स टेक्नोलोजीज और टेबल स्पेस कंपनी में रक्तदान शिविर हुआ। इसमें पवन रांका, दीपक बोथरा और आशीष दक उपस्थित थे।

राज्य बजट में नीतिगत दिशा का अभाव : निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 25 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने बजट को एक ऐसा बजट बताया जिसमें स्पष्ट नीति उन्मुख दिशा का अभाव है और कहा कि इसमें बटाईदार किसानों और खेत मजदूरों के समर्थन के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा कृषक समुदाय से किए गए बड़े-बड़े वादों के भविष्य पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को निश्चित रूप से उन वर्गों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें उसने धोखा दिया है। महिलाओं को 2500 रुपये की सहायता और बेरोजगारों को सहायता का आश्वासन देने का वादा कभी पूरा नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब संबंधित वर्गों को इस तथ्य का एहसास होगा, तो सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में रैतु बंधु और रैतु बीमा के कार्यान्वयन में भी बाधाएं आई हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

नाम : समृद्धि
पिता : मंजीत यादव.
माता: सोनाली यादव

महिलाओं ने बनाया अमेरिका-चीन को ओलिंपिक टॉपर

भारत भी इसी राह पर, पिछले 3 गेम्स में 15 मेडल जीते; 7 महिलाओं ने दिलाए

खेल डेस्क, 25 जुलाई (एजेंसियां)। 2800 साल पहले जब प्राचीन ओलिंपिक खेले जाते थे, तो महिलाओं को हिस्सा लेना तो दूर उन्हें खेल देखने तक की परमिशन नहीं थी। ऐसा इसलिए, क्योंकि तब एथलीट्स बिना कपड़ों के उतरते थे। कोई विवाहित महिला ओलिंपिक में दिख भी जाए तो उसे पहाड़ से नीचे फेंक दिए जाने के आदेश थे।

1896 में मॉडर्न ओलिंपिक शुरू हुए, इनमें भी कोई महिला नहीं थी। इसके 50 साल बाद हर 10 में से एक एथलीट महिला होती थी। अब 2024 में जाकर जाकर महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर हुई, यानी पेरिस ओलिंपिक में हर दूसरी एथलीट महिला होगी।

अमेरिका और चीन को तो पिछले 2 ओलिंपिक गेम्स में महिलाओं ने ही ओलिंपिक टॉपर बनाया। उन्होंने अपने देश के पुरुषों से ज्यादा मेडल जीते। भारत भी अब इसी राह पर है, देश के पिछले 15 में से 7 मेडल वुमन एथलीट्स के नाम ही रहे। देश ने विमेंन एथलीट्स की संख्या भी तेजी से बढ़ाई है।

ओलिंपिक में महिलाओं की भागीदारी और भारत अब कैसे विमेंन एथलीट के दम पर आगे बढ़ रहा है...

पहले ओलिंपिक में महिलाओं को नहीं मिली थी एंट्री

1896 में पहली बार ओलिंपिक गेम्स आयोजित हुए थे। तब किसी भी देश की टीम में एक भी महिला एथलीट नहीं थी। 1900 में हुए दूसरे ओलिंपिक में पहली बार महिलाओं को एंट्री मिली। तब 22 महिला एथलीट्स ने हिस्सा लिया था। ये कुल एथलीट्स की संख्या का महज 2.2% था। 1996 में अटलांटा में हुए ओलिंपिक तक महिलाओं की भागीदारी महज 34% तक पहुंची थी। टोक्यो में यह नंबर 48% तक पहुंचा। अब पेरिस में पहली बार 50% महिला और 50% ही पुरुष एथलीट हिस्सा लेने वाले हैं। यानी 129 साल में पहली बार दोनों कैटेगरी के बराबर एथलीट्स होंगे।

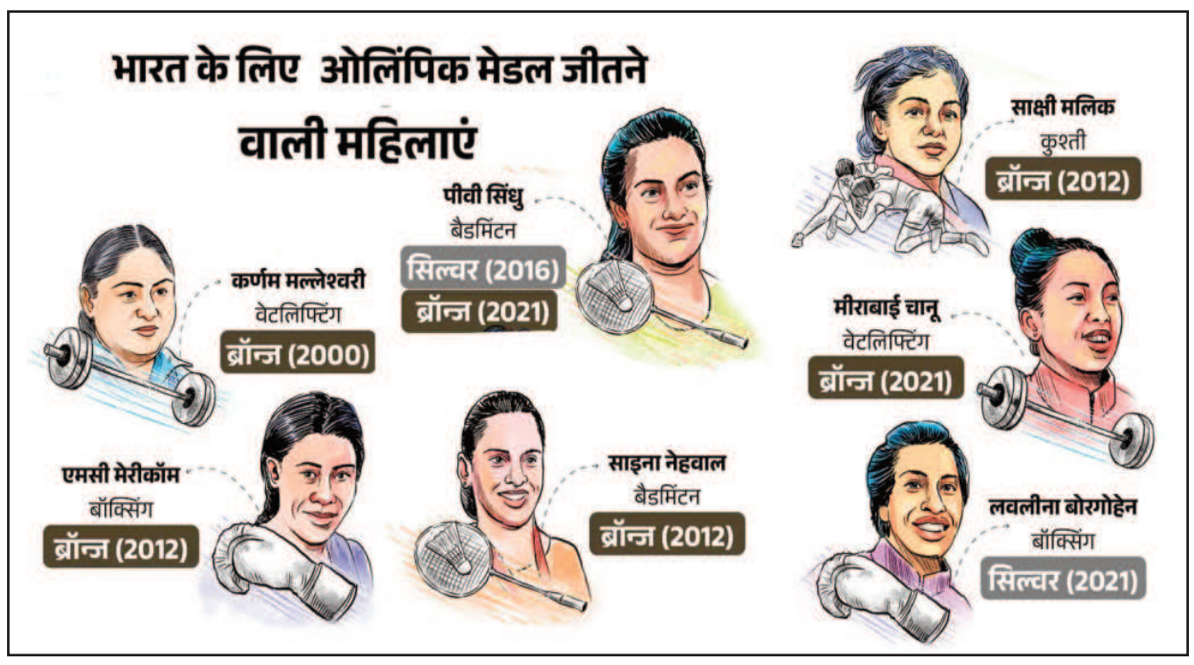

अमेरिका-चीन को पुरुषों से ज्यादा मेडल महिलाएं दिला रहीं

अमेरिका और चीन की ओलिंपिक कामयाबी के पीछे भी महिलाओं का बड़ा हाथ है। रियो डि जेनेरो (2016) में हुए ओलिंपिक गेम्स में अमेरिका और चीन दोनों के लिए महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मेडल जीते।

रियो में अमेरिका के लिए पुरुषों ने 18 गोल्ड सहित 56 मेडल जीते, जबकि महिलाओं ने 27 गोल्ड सहित 61 मेडल जीते। चीन के लिए पुरुषों ने 12 गोल्ड सहित 28 मेडल जीते। वहीं, महिलाओं ने 14 गोल्ड सहित 41 मेडल जीते।

भारतीय महिलाओं ने 9 ओलिंपिक खेले ही नहीं

भारत ने अब तक 24 ओलिंपिक गेम्स में हिस्सा लिया है। इनमें से 9 में देश की ओर से एक भी महिला ने हिस्सा नहीं लिया। इनमें आजादी से पहले 5 (1900, 1920, 1928, 1932, 1936) और आजादी के बाद के 4 ओलिंपिक गेम्स (1948, 1960, 1968 और 1976) शामिल हैं।

इनके अलावा 3 ओलिंपिक गेम्स (1956, 1964 और 1972) में भारत से सिर्फ 1-1 महिला एथलीट ही ओलिंपिक में हिस्सा ले पाई।

देश के आखिरी 15 में 7 मेडल महिलाओं ने दिलाए

पिछले 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत ने कुल 15 मेडल जीते। इनमें से 7 महिलाओं ने दिलाए।

रियो ओलिंपिक (2016) में तो भारत के दोनों मेडल महिला खिलाड़ियों ने ही जीते थे। तब पीवी सिंधु ने बैडमिंटन में सिल्वर और साक्षी मलिक ने रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

भारत की ओर से महिला एथलीट्स ने कुल 8 मेडल जीते हैं। इसकी शुरुआत 2000 सिडनी ओलिंपिक में वेटलिफ्टर कर्णम मल्लेश्वरी ने की थी।

टोक्यो ओलिंपिक में भारत ने पहली बार 55 महिला खिलाड़ी उतारीं

टोक्यो ओलिंपिक में भारत से 69 पुरुष और 55 महिला खिलाड़ियों के दल ने हिस्सा लिया था। यह लगातार दूसरा ओलिंपिक था जिसमें भारत की ओर से 50 से ज्यादा महिलाएं खेलीं। इस बार महिला हॉकी टीम के क्वालिफाई न करने की वजह महिलाओं की संख्या कुछ कम है। पेरिस में भारत की ओर से 117 एथलीट्स में 47 महिलाएं हिस्सा ले रही हैं। यानी भारतीय दल में 40% महिलाएं हैं।

रियो ओलिंपिक (2016) में देश की 54 महिला एथलीट्स ने हिस्सा लिया था। भारत ने साल 1900 से 1988 तक 17 ओलिंपिक में हिस्सा लिया, खराब बात यह रही सभी 17 ओलिंपिक मिलाकर भी देश से 44 महिला खिलाड़ी ही टूर्नामेंट खेल सकीं।

पेरिस ओलिंपिक- भारतीय महिला तीरंदाजी टीम क्वार्टरफाइनल में: अंकिता की सीजन बेस्ट परफॉर्मेंस

पेरिस, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक में गुरुवार को महिला तीरंदाजी के रैंकिंग राउंड की शुरुआत हो चुकी है। भारतीय टीम इस राउंड में चौथे नंबर पर रही। उसने 1983 पॉइंट्स हासिल किए। टीम सीधे क्वार्टरफाइनल पहुंची है।

इस राउंड में कोरिया ने ओलिंपिक रिकॉर्ड तोड़ा और 2046 पॉइंट के साथ पहले पोजिशन पर रही। चीन (1996) दूसरे और मैक्सिको (1986 पॉइंट्स) तीसरे नंबर पर रही।

भारतीय तीरंदाज अंकिता ने सीजन का बेस्ट परफॉर्मेंस दिया है, वो 666 पॉइंट्स के साथ 11वें नंबर पर रहीं। भजन 659 पॉइंट्स के साथ 22वें और दीपिका कुमारी 658 पॉइंट्स के साथ 23वीं पोजिशन पर रहीं। इन तीनों को राउंड ऑफ-64 खेलना होगा।

12 शॉट के बाद भारतीय टीम छठे स्थान पर, धीरज 37वें स्थान पर खिसके

मेंस आर्चरी क्वालिफिकेशन में 12 शॉट के बाद भारतीय मेंस टीम छठे नंबर पर है, जबकि मिक्स्ड टीम 9वें स्थान पर है। मेंस टीम ने 333 और मिक्स्ड टीम ने 779 अंक हासिल किए हैं।

इंडिविजुअल रैंकिंग में तरुणदीप राय 113 अंक के साथ 16वें, युवा धीरज (110 अंक) 36वें और प्रवीण जाधव (110 अंक) लेकर 37वें स्थान पर हैं।

6 शॉट के बाद भारतीय टीम चौथे स्थान पर

मेंस आर्चरी का क्वालिफिकेशन राउंड शुरू हो चुका है। 6 शॉट के बाद भारतीय मेंस टीम 4वें नंबर पर है, जबकि मिक्स्ड टीम 8वें स्थान पर है। मेंस टीम ने 167 और मिक्स्ड टीम ने 727 अंक हासिल किए हैं। इंडिविजुअल रैंकिंग में युवा धीरज बोम्मादेवरा 57 अंकों के साथ 11वें, प्रवीण 55 अंक के साथ 30वें और तरुणदीप राय 55 अंक के साथ 33वें स्थान पर हैं।

क्वालिफिकेशन के अंकों के आधार पर ड्रॉ तैयार होगा। इसमें हिस्सा ले रहे सभी तीरंदाज मुख्य ड्रॉ का हिस्सा हैं।

22 छक्कों के दम पर ठोके 375 रन

डुप्लेसी को टीम ने नहीं दी इज्जत, उसी ने कर दिया कमाल

टेक्सास, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट के एलिमिनेटर मुकाबले में टेक्सस सुपरकिंग्स ने एमआई न्यूयॉर्क को 9 विकेट से हराकर चैलेंजर मैच के लिए क्वालिफाई कर लिया. इस जीत में एक बार फिर कप्तान फाफ डुप्लेसी ने तूफानी अर्धशतकीय पारी से योगदान दिया. डुप्लेसी इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बना चुके हैं.

अमेरिका की टी20 लीग एमएलसी 2024 में एक बल्लेबाज ने मानो तबाही ही मचाई हुई है. ये बल्लेबाज जब क्रीज पर उतरता है, गेंदबाजों में खलबली मच जाती है, उनकी लाइन-लेंग्थ बिगड़ जाती है. बात हो रही है फाफ डुप्लेसी की जो मेजर लीग क्रिकेट में टेक्सस सुपरकिंग्स की कप्तानी कर रहे हैं. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने एलिमिनेटर मुकाबले में MI न्यूयॉर्क के खिलाफ 47 गेंदों में 72 रनों की पारी खेली. उनकी इस बेहतरीन इनिंग के दम पर टेक्सस सुपरकिंग्स ने 9 विकेट से जीत दर्ज कर चैलेंजर मैच के लिए क्वालिफाई किया.

छा गए डुप्लेसी

डुप्लेसी भले ही 40 साल के हो गए हैं लेकिन साउथ अफ्रीका का ये खिलाड़ी आज भी ताबड़तोड़ रन बरसा रहा है. डुप्लेसी मेजर लीग क्रिकेट में रन बनाने के मामले में टॉप पर है. इस खिलाड़ी ने अबतक 7 मैचों में 375 रन बना दिए हैं. डुप्लेसी का बैटिंग एवरेज 53.57 का है और बड़ी बात ये है कि उनका स्ट्राइक रेट भी लगभग 170 का है. डुप्लेसी इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के-चौके मारने वाले खिलाड़ी भी हैं. डुप्लेसी के बल्ले से अबतक 22 छक्के और 36 चौके निकल चुके हैं.

डुप्लेसी को नहीं मिलता मौका

डुप्लेसी ने एक ओर जहां मेजर लीग क्रिकेट में कमाल मचाया हुआ है वहीं दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की टीम में उन्हें वो इज्जत नहीं मिली जिसके वो हकदार हैं. डुप्लेसी ने 2021 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था लेकिन वो टी20 और वनडे फॉर्मेट में खेलने के इच्छुक थे. हालांकि साउथ अफ्रीका के चयनकर्ताओं ने उन्हें किसी भी फॉर्मेट में मौका नहीं दिया. डुप्लेसी को कहीं ना कहीं ये बात जरूर चुभती होगी कि वो 2022, 2024 के टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेले और 2023 वर्ल्ड कप में भी उन्हें साउथ अफ्रीका ने मौका नहीं दिया. खैर अब डुप्लेसी का मकसद मेजर लीग क्रिकेट में अपनी टीम को चैंपियन बनाना होगा. डुप्लेसी ऐसे ही रन बनाते रहे तो उनका ये लक्ष्य भी हासिल हो ही जाएगा.

पेरिस ओलिंपिक के पहले इवेंट में विवाद

फुटबॉल मैच में मोरक्को फैंस ने अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर बोतलें फेंकी

पेरिस, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक 2024 के पहले ही मुकाबले में विवाद हो गया। सबसे बड़े स्पोर्ट्स इवेंट की शुरुआत अर्जेंटीना-मोरक्को फुटबॉल मैच के साथ हुई। लेकिन मुकाबले के दौरान मोरक्को के फैंस अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर बोतलें फेंकने लगे और मैदान पर उतर आए। विवाद के कारण इस मुकाबले को करीब दो घंटे तक रोकना पड़ा।

विवाद एक्स्ट्रा टाइम में हुआ, जब 90+16वें मिनट में क्रिस्टियन मदीना ने गोल कर अर्जेंटीना को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। लेकिन, मदीना ऑफ साइड थे और रेफरी ने इसे रद्द करार दिया। सेंट एटीने के ज्योफ्री गुइचर्ड स्टेडियम में इस मुकाबले को मोरक्को ने 2-1 से जीता। टीम ने दो बार की गोल्ड मेडलिस्ट अर्जेंटीना को पटखनी दी। सौफियान रहीमी के दो गोल से मैच में एक समय मोरक्को की टीम ने 2-0 से मुकाबले में बढ़त बना रखी थी। इसके बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ी गिउलिआनो शिमोन ने 68वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। वहीं 90+16वें मिनट में क्रिस्टियन मदीना ने गोल करने के साथ अर्जेंटीना को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, यह गोल बाद में ऑफ साइड होने की वजह से रद्द कर दिया गया। मैच बराबरी पर आने के बाद स्टेडियम में मैच देखने आए मोरक्को के फैंस ने अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर बोतलें फेंकना शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ फैंस मैदान पर भी घुस आए, जिनको पुलिस ने पकड़कर मैदान से बाहर किया और पूरे स्टेडियम खाली करवाया गया। वहीं खिलाड़ियों को भी मैदान से बाहर बुला लिया गया। 2 घंटे बाद मैच फिर शुरू किया गया और बिना फैंस के ही पूरा कराया गया।अर्जेंटीना खिलाड़ी मेदिना के 90+16वें मिनट में किए गए गोल को रेफरी ने ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया।

आईपीएल फ्रेंचाइजी बोलीं- हर 5 साल में कराएं मेगा ऑक्शन

बीसीसीआई से मांग- 8 राइट टु मैच कार्ड दें, 4-6 खिलाड़ी रिटेन किए जा सके

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने बीसीसीआई से हर 5 साल में मेगा ऑक्शन कराने की मांग की है। अब तक हर 3 साल में मेगा ऑक्शन होता है। बोर्ड ने मेगा ऑक्शन पर फीडबैक सेशन रखा था। इस पर सभी 10 फ्रेंचाइजीज के ऑफिशियल शामिल हुए। फ्रेंचाइजी ने प्लेयर्स के रिटेंशन को 4 से 6 और 8 राइट टु मैच कार्ड की मांग की।

एक फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी ने क्रिकइंफो को बताया कि मेगा ऑक्शन 3 साल के बजाय 5 साल में होना ज्यादा फायदेमंद है। इससे फ्रेंचाइजी को अनकैप्ड खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय मिल पाएगा।

फ्रेंचाइजी की 3 बड़ी मांग...

आईपीएल में हर तीन साल में मेगा ऑक्शन होता है, लेकिन अब इस समय में फ्रेंचाइजी ने 2 साल बढ़ाने की मांग की हैं। कई टीमों को 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की मांग की। अभी फ्रेंचाइजी 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। 8 राइट टु मैच कार्ड्स दिए जाएं, अभी 3 मैच टु राइट कार्ड दिए जाते हैं। खिलाड़ियों की ऑक्शन प्राइज प्रदर्शन के अनुसार बढ़ाने या घटाने का अधिकार।

अधिकारी की तरफ से एक और सुझाव वेतन को लेकर दिया गया। इसके अनुसार, फ्रेंचाइजी को 2 मेगा ऑक्शन के बीच प्लेयर्स के साथ सीधे तौर पर उनके वेतन पर

परफॉरमेंस के बेस पर ऊपर-नीचे करने का अधिकार दिया जाना चाहिए। इससे टीमों को अपने बड़े प्लेयर्स को रिटेन करने का मौका मिलेगा। साथ ही उन प्लेयर्स को फायदा मिलेगा, जो पहले बेस प्राइस या कम रकम पर खरीदा गया था। उदाहरण के लिए रिंकू सिंह जिन्हें कोलकाता ने 55 लाख में खरीदा था। टीमों को किसी बड़े खिलाड़ी या फिर कप्तान कप्तान को रिटेन करने की अनुमति होनी चाहिए।

इसके अलावा बाकी प्लेयर्स को राइट टू मैच के तौर पर शामिल किए जाने की छूट मिलनी चाहिए।

2017 के मेगा ऑक्शन में राइट टू मैच उपयोग में लाया गया था, जब रिटेंशन और आरटीएम को मिलाकर टीमों के पास अधिकतम 5 प्लेयर्स को रिटेन करने की छूट मिली थी।

आईपीएल 2024 में इस बार कुछ प्लेयर्स ने फ्रेंचाइजी की टेंशन बढ़ा दी है। कई ऐसे प्लेयर्स हैं जो अब मैच विनर बन चुके हैं और उन्हें कम दाम में खरीदा गया था। इस बार उन प्लेयर्स के लिए टीमें बड़ी रकम रखने के लिए तैयार होंगी। ऐसे प्लेयर्स को अपने खेमें में बनाए रखना टीमों के लिए चुनौती होगी। इन प्लेयर्स के लिए मेगा ऑक्शन में होड़ देखने को मिल सकती है।

सेमीफाइनल में भारत-बांग्लादेश में किसका पलड़ा भारी?

फाइनल में किससे हो सकता है सामना

कोलंबो, 25 जुलाई (एजेंसियां)। महिला एशिया कप 2024 में भारत समेत 4 टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान व ग्रुप-बी से श्रीलंका और बांग्लादेश की टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वहीं, नेपाल, यूएई, थाईलैंड और मलेशिया की टीम का सफर ग्रुप स्टेज पर ही थम गया है। अब टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच भारत और बांग्लादेश व दूसरा सेमीफाइनल मैच श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। आइए इस रिपोर्ट में समझते हैं भारत और बांग्लादेश के बीच किसका पलड़ा भारी है और भारतीय टीम अगर फाइनल में पहुंचती है तो उसका सामना कौन सी टीम से हो सकता है।

भारत का अब तक का सफर

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है। टीम ने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से, दूसरे मैच में यूएई को 78 रन से और तीसरे मैच में नेपाल को 82 रन के अंतर से हराया है। टीम की स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा पूरी लय में है। शेफाली ने 3 मैच में 158 रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं। शेफाली ने नेपाल के खिलाफ 48 गेंद पर 81 रन की आतिशी पारी खेली थी। वहीं टीम की स्टार गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने 3 मैच में 8 विकेट हासिल किए हैं। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। टीम इंडिया ने ग्रुप स्टेज में 3 मैच में 6 अंक बटोर कर टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

बांग्लादेश का प्रदर्शन

बांग्लादेश की टीम ने टूर्नामेंट में अब तक 3 मैच खेले हैं। इसमें टीम को 2 मैच में जीत और 1 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। टीम को पहले मैच में श्रीलंका ने 7 विकेट से हराया था। इसके बाद टीम ने थाईलैंड को 7 विकेट और मलेशिया को 114 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। बांग्लादेश ने ग्रुप स्टेज में 3 मैच में 4 अंक के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया है।

दोनों टीमों में किसका पलड़ा भारी

भारत और बांग्लादेश के बीच अब तक कुल 13 टी20 मैच खेले गए हैं। इसमें 11 मैच भारत ने तो 2 मैच बांग्लादेश ने जीते हैं। एशिया कप में दोनों टीमों का अब तक 4 बार आमना-सामना हुआ है। इसमें 2 बार भारत और 2 बार बांग्लादेश को जीत मिली है।

टीम इंडिया रचेगी इतिहास

महिला एशिया कप के अब तक कुल 8 संस्करण खेले गए हैं, इसमें टीम इंडिया ने 7 बार खिताब जीता है, जबकि 2018 के एशिया कप में बांग्लादेश ने एकमात्र खिताब जीता है। इस साल टीम इंडिया रनर अप बनी थी।

फाइनल में किससे होगा सामना

टीम इंडिया अगर फाइनल में पहुंचती हो तो टीम का खिताबी मुकाबला श्रीलंका या पाकिस्तान से होगा। श्रीलंका की टीम इससे पहले 5 बार फाइनल में पहुंच चुकी है और हर बार उसे टीम इंडिया से ही हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, पाकिस्तान की टीम एशिया कप के फाइनल में 2 बार पहुंची है और दोनों बार टीम इंडिया के हाथों उसे हार मिली है।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर पेरिस ओलंपिक से हटे, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर गले में संक्रमण (टॉन्सिल) के कारण पेरिस ओलंपिक से हट गए। इटली के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉक्टर ने उन्हें सलाह दी है कि वह ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लें।

जनवरी में ऑस्ट्रेलिया ओपन के साथ अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने थे। ओलंपिक टेनिस का ड्रॉ गुरुवार को होगा, जबकि मुकाबले शनिवार से शुरू होंगे।

सिनर ने इटैलियन में लिखा,

'ओलंपिक से चूकना बड़ी निराशा है क्योंकि इस सत्र में यह मेरे मुख्य लक्ष्यों में से एक था।' उन्होंने लिखा, 'मैं इस बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता था।'

इससे पहले विंबलडन में सिनर को दानिल मेदवेदेव ने पांच सेट तक चले क्वार्टर फाइनल में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। मेदवेदेव ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए सिनर को 6-7 (7), 6-4, 7-6 (4), 2-6, 6-3 से हराया था। सिनर को इस मैच के दौरान अपने ट्रेनर से उपचार लेना पड़ा था और वह तीसरे सेट में कोर्ट से चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि सिनर को क्या हुआ था। लॉकर रूम में जाने से पहले उनकी हृदय गति की जांच भी की गई थी। इटली के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने लगभग 10 मिनट बाद कोर्ट में वापसी की थी।

Lions International
District 320A
2024-25

International President
Lion **Fabrício Oliveira**
with First Lady **Amariles**

9th District Cabinet Installation

26th July 2024 • 4 pm onwards
@ SR Classic Convention, Shamshabad, Hyd.

Host Club
LC Hyd. Megacity

Presiding Officer
Lion **Dr. D. Koteswara Rao** pmjf
District Governor

SPECIAL GUEST

Lion **Dr. G. Babu Rao** pmjf
International Director

INSTALLATION OFFICER

PID Lion **Sunil Kumar R** pmjf
GAT Constitutional Area Leader, CA VI (India)

GUESTS OF HONOUR

Lion **Deepak Bhattacharjee** pmjf
GAT Area Leader - MD 316 & MD 320

PMCC Lion **S. Narender Reddy** pmjf
LCIF Area Leader - MD 316 & MD 320

Lion **H. Raji Reddy** pmjf
Council Chairperson - MD 320

Lion **Harinarayan Bhattad** pmjf
Immediate Past District Governor

OFFICIALS TO BE INSTALLED

Lion **Dr. Mahendra K Reddy** pmjf
as 1st Vice District Governor

Lion **Suresh Jagnani** pmjf
as 2nd Vice District Governor

Lion **CHV Satyanarayana Rao** mjf
as District Cabinet Secretary

Lion **S. Channa Reddy** pmjf
as District Cabinet Treasurer

& Other District Cabinet Officers

Let's attend this Installation in good number.
Events of this kind earn an enormous PR for the organisation

Lion **Gopal Mor** pmjf
District Marketing Chairperson

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.